केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- विपक्षी घुसपैठिया, मोदी बना रहे औद्योगिक कॉरिडोर

- 12

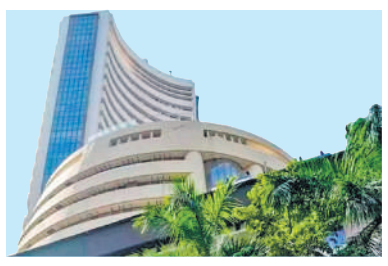

कंपनियों के तिमाही नतीजे बदलेंगे बाजार की चाल, ईएफआई गतिविधियों पर निवेशकों की नजर

- 12

पाकिस्तान : 27वें संविधान संशोधन के विरुद्ध देशव्यापी प्रदर्शन का एलान

- 13

लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच बन सकते हैं अभय शर्मा

- 14

आज का मौसम

27.0⁰ अधिकतम तापमान

11.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.31

सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष षष्ठी 12:08 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 10 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 351, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आकाश ने लगातार आठ छक्के जड़कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

- 11 गेंदों में लगाया अर्धशतक

सूरत। मेघालय के आकाश कुमार चौधरी रविवार को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार आठ छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यहां अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच में केवल 11 गेंदों पर इस प्रारूप का सबसे तेज अर्धशतक भी जड़ा।

चौधरी ने सीके पीठावाला मैदान पर मैच के दूसरे दिन आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह शानदार उपलब्धि हासिल की। वह 14 गेंदों पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मेघालय ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 628 रन के विशाल स्कोर पर घोषित कर दी। आकाश ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का लीसेस्टरशर के वेन व्हाइट के पिछला रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2012 में एसेक्स के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक बनाया था।

कांग्रेस और राजद का पाप था बिहार में जंगलराज : योगी

सुपौल/मधुबनी, एजेंसी

- बिहार चुनाव प्रचार के आखिरी दिन चार जनसभाओं में विपक्ष पर गरजे मुख्यमंत्री योगी
- कहा- परिवारवादी व्यवस्था ने राज्य में जातियों को लड़ाकर किया अराजकता का तांडव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में चुनावी प्रचार के आखिरी दिन विपक्ष पर हमला तेज करते हुए कहा कि परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जातियों को आपस में लड़ाकर अराजकता और गुंडागर्दी का तांडव किया। बिहार में जंगलराज कांग्रेस और राजद का पाप था। योगी ने लोगों को आगाह किया कि बड़ी-बड़ी घोषणाओं के साथ महागठबंधन सिर्फ धोखा देने आया है। विकास, गरीब कल्याण व आस्था का सम्मान इनके एजेंडे में नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अररिया के सिकटी, नरपतगंज, सुपौल के छातापुर और मधुबनी के बिस्फी में रैलियां कर एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में वोट मांगे। योगी ने कहा कि बिहार की जनता 14 नवंबर को फिर एनडीए की सरकार बनाएगी। योगी ने कहा कि गौरवशाली अतीत के धनी बिहार के सामने संकट खड़ा करने वाले ही असली अपराधी हैं। जिन्होंने बिहार में जंगलराज का पाप किया, उन्हें जनता पहचान चुकी है। उन्होंने कांग्रेस और राजद पर आरोप लगाया कि इन दलों ने सत्ता में रहते हुए बिहार को अराजकता, जातीय वैमनस्य और लूट-खसोट की आग में झोंक दिया। बोले कि कलंकित और काले अतीत वाले लोगों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यह वही लोग हैं, जिन्होंने विकास को जंगलराज में बदलने का पाप किया।

बिहार के नरपतगंज में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

मधुबनी नहीं बनेगा घुसपैठियों का लांचिंग पैड

मधुबनी की आखिरी सभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संवेदनशील जिले को घुसपैठियों का लांचिंग पैड नहीं बनने देना है। उन्होंने कहा कि बिहार की सांस्कृतिक धरोहर मधुबनी पेंटिंग और यहां की परंपराओं का सम्मान एनडीए ही कर रहा है। यूपी की तरह बिहार में भी माफिया पर बुलडोजर चलाने का समय आ गया है। उत्तर प्रदेश में अब न दंगा है, न कर्फ्यू सब चंगा है। बिहार में भी वही व्यवस्था कायम करनी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में फिर से जंगलराज लाने की कोशिश करने वालों को रोकना जरूरी है। पंचर बनाने वाले विकास को पंचर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस बिहार ने दुनिया को नालंदा और तक्षशिला जैसे ज्ञानकेंद्र दिए, उसी बिहार को कांग्रेस-राजद की जोड़ी ने निरक्षरता और माफियागीरी की ओर धकेला। एनडीए सरकार ने बिहार को भय और भ्रष्टाचार से मुक्त किया है, अब यह राज्य आईएएस, आईपीएस, उद्यमी और स्टार्टअप का केंद्र बन रहा है। योगी ने कहा कि राजद के शासन में 30 हजार से अधिक अपहरण हुए, व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, बेटियां कोई सुरक्षित नहीं था।

ब्रीफ न्यूज

मुझे जान का खतरा है, दुश्मन मुझे मरवा सकते हैं : तेज प्रताप

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने रविवार को दावा किया कि उन्हें जान का खतरा है और उनके दुश्मन उन्हें मरवा भी सकते हैं। राजद से निष्कासन के बाद हाल ही में अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने वाले तेज प्रताप इन दिनों बिहार विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से उम्मीदवार हैं। पत्रकारों से बातचीत में यादव ने कहा, मेरी सुरक्षा बढ़ा दी गई है, मुझे खतरा है। मेरे दुश्मन मुझे मरवा भी सकते हैं। अब तो हर कोई दुश्मन जैसा लगता है।

जापान में शक्तिशाली भूकंप आया, सुनामी की चेतावनी जारी

तोक्यो। उत्तरी जापान के तट पर रविवार को शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने यह जानकारी दी। जेएमए ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई और भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत के तट पर समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में स्थित दोनों परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के किसी तरह के नुकसान या किसी असामान्य घटना की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है।

रिसिन जहर से बड़े आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

चीन से एमबीबीएस करने के बाद आईएस से जुड़ा डॉक्टर, दो आतंकी यूपी के रहने वाले

- गुजरात एटीएस ने की बड़ी कार्रवाई, लखनऊ दिल्ली और अहमदाबाद में की थी रेकी
- गिरफ्तार आतंकियों में एक राजस्थान का रहने वाला, पाकिस्तान व अफगानिस्तान से जुड़े तार

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने चीन से एमबीबीएस की डिग्री करने वाले एक डॉक्टर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर एक संदिग्ध आतंकी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। सभी आईएसआईएस संगठन से जुड़े हैं। आरोपी डॉक्टर अत्यधिक घातक रासायनिक जहर रिसिन तैयार कर रहा था और उसका आका इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से जुड़ा हुआ है, जिसके तार पाकिस्तान से जुड़े हैं।

एटीएस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों में एक डॉ. अहमद मोहियुद्दीन सैयद और आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सुहैल मोहम्मद सलीम के रूप में हुई है और उन्होंने लखनऊ, दिल्ली और अहमदाबाद में कई संवेदनशील स्थानों की रेकी की थी। गुजरात एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया, डॉ. सैयद उच्च शिक्षित व कट्टरपंथी है, उसने बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश के तहत धन इकट्ठा करने और लोगों की भर्ती करने की योजना बनाई थी। आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि उनका आका ड्रोन के जरिए हथियारों की खेप पाकिस्तान से भेजता है। गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस की एक टीम ने 7 नवंबर को गांधीनगर के अडालज के निकट तेलंगाना के हैदराबाद निवासी डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद को गिरफ्तार किया, जिसके पास दो ग्लॉक पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल, 30 कारतूस और अरंडी का चार लीटर तेल बरामद किया गया।

डॉ. अहमद मोहिउद्दीन

आज़ाद सुलेमान शेख

मोहम्मद सुहैल

आतंकियों से बरामद हथियार।

रिसिन एक रासायनिक जहर

रिसिन एक रासायनिक जहर है और इसे अरंडी के बीजों के प्रसंस्करण से बचे अपशिष्ट पदार्थ से बनाया जा सकता है। जोशी ने बताया कि डॉ. अहमद मोहियुद्दीन सैयद ने जरूरी शोध शुरू कर दिया था, उपकरण और कच्चा माल जुटा लिया था और शुरुआती रासायनिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। डीआईजी ने कहा कि सैयद, शेख व सलीम हथियारों का आदान-प्रदान करने के लिए गुजरात में थे और उन्होंने एक शक्तिशाली जहर रिसिन से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची थी। उसने गांधीनगर के कलोल में सुनसान जगह से हथियार एकत्र किए थे।

शेख लखीमपुर का रहने वाला

अधिकारी ने बताया कि अन्य आरोपी आजाद सुलेमान शेख और मोहम्मद सुहैल मोहम्मद सलीम, दोनों उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी और शामली जिले के रहने वाले हैं, जिन्हें बनासकांठा जिले से गिरफ्तार किया गया। दोनों ने राजस्थान के हनुमानगढ़ से हथियार हासिल किए थे और उन्हें सैयद को दिया था। एटीएस ने उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और दो लैपटॉप भी जब्त किए हैं। सीडीआर (कॉल डिटेल रिकॉर्ड) और आरोपियों से पूछताछ से पता चला है कि वे पिछले एक साल से संवेदनशील स्थानों की टोह ले रहे थे।

एटीएस कर रही कई राज्यों में जांच

अधिकारी ने कहा कि सभी आईएसकेपी से जुड़े हैं या नहीं, यह जांच का विषय है। गुजरात एटीएस भी विभिन्न राज्यों में मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि एटीएस केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ समन्वय करके अन्य लोगों को भी गिरफ्तार करेगी। अधिकारी ने बताया कि तीनों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अदालत ने सैयद को 17 नवंबर तक एटीएस की हिरासत में भेजा है, जबकि दो अन्य को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

उत्तराखंड में विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की सामर्थ्य : मोदी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- प्रधानमंत्री ने राज्य के रजत जयंती समारोह को किया संबोधित, 8260 करोड़ की परियोजनाएं सौंपी

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, उत्तराखंड अगर ठान ले तो अगले कुछ ही वर्षों में खुद को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर स्थापित कर सकता है। यहां के पवित्र मंदिर, आश्रम, योग को ग्लोबल नेटवर्क से जोड़ा जा सकता है। यहां हर विधानसभा क्षेत्र में योग केंद्र विकसित किए जाने की जरूरत है। इसी तरह वाइब्रेंट विलेज को छोटे-छोटे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उत्तराखंड ने बीते 25 वर्षों में विकास की लंबी यात्रा तय की है और अब राज्य को अगले 25 वर्ष की योजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी है।

उत्तराखंड राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर रविवार को देहरादून के एफआरआई परिसर में आयोजित रजत जयंती मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने 8260 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। साथ ही, एक स्मारक डाक टिकट और काफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। मोदी ने इस दौरान 28 हजार से अधिक किसानों के खातों में 62 करोड़ रुपये की राशि भी डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की। प्रधानमंत्री ने राज्य की पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए अगले 25 वर्षों के लिए रोडमैप के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वर्ष 2047 के उत्तराखंड के लिए रास्ता तय करते हुए बिना इंतजार आगे बढ़ने की अपील की। संबोधन की शुरुआत में गढ़वाली और कुमाऊंनी में प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि 9 नवंबर का दिन उत्तराखंडवासियों की लंबी तपस्या का फल है।

मोदी को स्मृति चिन्ह भेंट करते सीएम धामी।

7 अधिकारियों पर गिरी गाज 4 बर्खास्त, 3 की पेंशन में कटौती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार ने समाज कल्याण विभाग के लंबित भ्रष्टाचार मामलों में की बड़ी कार्रवाई
- 27 करोड़ से अधिक की रिकवरी के आदेश शाहजहांपुर के राजेश कुमार सेवा से बर्खास्त

अमृत विचार : योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत समाज कल्याण विभाग में लंबे समय से लंबित भ्रष्टाचार मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने जांच में दोषी पाए गए सात अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाते हुए चार को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जबकि तीन सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में कटौती का आदेश दिया है। इन अधिकारियों से कुल 27 करोड़ रुपये से अधिक की रिकवरी के आदेश भी दिए हैं।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने विभागीय समीक्षा के दौरान पाया कि कई भ्रष्टाचार के मामले वर्षों से लंबित पड़े हैं। इसके बाद संबंधित जांच रिपोर्टों को तलब कर साक्ष्यों की पुष्टि के आधार पर मंत्री ने श्रावस्ती की तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव, मथुरा के करुणेश त्रिपाठी, हापुड़ के संजय कुमार व्यास और शाहजहांपुर के राजेश कुमार को बर्खास्त किया गया है। इन सभी पर छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं में करोड़ों की अनियमितताओं के आरोप सिद्ध हुए। मथुरा के करुणेश त्रिपाठी से 19.25 करोड़ रुपये, हापुड़ के संजय व्यास से 3.30 करोड़ रुपये, और शाहजहांपुर के राजेश कुमार से 2.52 करोड़ रुपये की रिकवरी के आदेश जारी किए गए हैं। वहीं सेवानिवृत्त अधिकारियों में औरैया के श्रीभगवान की पेंशन से 10 प्रतिशत कटौती, मथुरा के विनोद शंकर तिवारी से 1.96 करोड़ रुपये रिकवरी, और उमाशंकर शर्मा की पेंशन से 50 प्रतिशत कटौती का आदेश हुआ है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में अन्य लंबित प्रकरणों में भी निर्णय लिया जा सकता है। इस कार्रवाई ने विभाग के अंदर हलचल मचा दी है।

विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई एक सख्त संदेश है कि योजनाओं में गड़बड़ी करने वाले अब नहीं बच पाएंगे। मंत्री असीम अरुण ने कहा कि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह कार्रवाई की गई है। छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में गड़बड़ी करने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

इन पर हुई कार्रवाई

- श्रावस्ती मीना श्रीवास्तव सेवा से बर्खास्त
- मथुरा करुणेश त्रिपाठी सेवा से बर्खास्त 19.25 करोड़ रुपये रिकवरी
- हापुड़ संजय कुमार व्यास सेवा से बर्खास्त 3.30 करोड़ रुपये रिकवरी
- शाहजहांपुर राजेश कुमार सेवा से बर्खास्त 2.52 करोड़ रुपये रिकवरी
- औरैया श्रीभगवान (सेवानिवृत्त) पेंशन कटौती 10 प्रतिशत कटौती
- मथुरा विनोद शंकर तिवारी (सेवानिवृत्त) रिकवरी आदेश 1.96 करोड़ रुपये
- उमाशंकर शर्मा (सेवानिवृत्त) पेंशन कटौती 50 प्रतिशत कटौती

दूसरे चरण के चुनावी प्रचार पर लगा विराम, कल 122 सीटों पर मतदान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए रविवार शाम प्रचार समाप्त हो गया, जिसके साथ ही राज्य में सत्ता की जंग के लिए प्रतिद्वंद्वियों के बीच लगभग एक महीने तक चले तीखे शब्दबाण और नर्वस मुकाबले पर विराम लग गया। पहले चरण का मतदान छह नवम्बर को हुआ था, जिसमें रिकॉर्ड 65 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूसरे चरण के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। इस चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा, जबकि पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले गए थे।

14 को होगी मतगणना

किशोर ने पिता की पिस्तौल से सहपाठी को मारी गोली

गुरुग्राम, एजेंसी

- गोली छात्र की गर्दन में लगी, गुरुग्राम की घटना, दो नाबालिग छात्र गिरफ्तार
- पुलिस ने एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 70 कारतूस और एक खोखा बरामद किया

गुरुग्राम के सेक्टर 48 स्थित एक फ्लैट में 11वीं कक्षा के एक छात्र ने अपने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से अपने एक सहपाठी को गोली मार दी। पुलिस के अनुसार, गोली छात्र की गर्दन में लगी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज हो रहा है।

इस संबंध में सदर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले में दो नाबालिग छात्रों को पकड़ा गया है। घटनास्थल से एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 70 कारतूस और एक खोखा बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे हुई। आरोपी के किराए के फ्लैट में तीन सहपाठी मौजूद थे तभी उनके बीच झगड़ा हुआ जिसके बाद उनमें से एक छात्र ने एक अन्य छात्र को कथित तौर पर गोली मार दी। इस घटना में घायल हुए 17 वर्षीय छात्र की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार उसके बेटे के स्कूल के दोस्त ने उसे शनिवार को मिलने के लिए बुलाया था।

झांसी विवि के सामने प्रेमिका को गोली मार खुद को उड़ाया

झांसी। झांसी के नवाबाद थाना क्षेत्र में विश्वविद्यालय के सामने रविवार की दोपहर एक युवक ने अपनी प्रेमिका के सीने में गोली मारने के बाद आत्महत्या कर ली। विश्वविद्यालय की इस छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का कारण निजी संबंधों को लेकर विवाद बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना से पूर्व दोनों के बीच विवाद होते देखा गया था।

बदलाव

बाराबंकी और आगरा के बाद कानपुर की रात प्रदेश में सबसे सर्द रही

प्रदेश में बढ़ेगी ठंड, सुबह-शाम धुंध और कोहरा रहेगा

- मौसम विभाग का कहना है कि 20 नवंबर के बाद और सर्दी बढ़ेगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी में ठंड और बढ़ने वाली है। इस बीच सुबह-शाम धुंध और कोहरा बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट देखी जा रही है। आगामी दिनों में तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। पछुवा हवा भी शाम से रात तक सिहरन बढ़ाएगी।

खासकर तराई और पूर्वांचल क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक सुबह हल्का कोहरा और धुंध के आसार बने रहेंगे। हालांकि बीते दिनों चक्रवात की वजह मौसम में हुए बदलाव के बीच फिलहाल पूरे प्रदेश में साफ धूप खिली दिखी। मौसम विभाग की माने तो दो-तीन दिनों तक ही पूरे राज्य में ऐसा ही मौसम रह सकता है। इससे पहले अचानक तापमान में आई भारी गिरावट का असर शनिवार को भी रहा। दिन में गुनगुनी धूप ने राहत दी तो शाम होते होते सिहरन बढ़ने लगी और रात में ठंड बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, एक सप्ताह तक सुबह हल्की धुंध या कोहरा रहेगा तो वहीं दिन में धूप और रातें ठंडी रहेंगी। शनिवार को सबसे ठंडा बाराबंकी रहा जहां न्यूनतम तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार की तरह ही कानपुर भी ठंडा रहा जहां न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री दर्ज किया गया। आगरा में 11.5 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, छह से सात दिन तक मौसम शुष्क रहेगा। न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट के बाद अब अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है।

आने वाले दिनों में तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। तराई और पूर्वांचल क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक सुबह हल्का कोहरा और धुंध के आसार बने रहेंगे। साथ ही पछुवा हवाएं भी शाम से रात तक सिहरन बढ़ाएंगी। मौसम विभाग के अनुसार 14 नवंबर तक पूरे देश में बादल छट जाएंगे। कहीं भी बारिश की संभावना नहीं रहेगी। उत्तर पश्चिमी हवाएं गति से चलेंगी। तब तक पहाड़ों पर बर्फ की पर्तें भी बढ़ जाएंगी।

सर्द हुआ उत्तराखंड का मौसम

नैनीताल। गुलाबी ठंड के बाद पहाड़ों पर मौसम अब सर्द हो चला है। उच्च पर्वतीय इलाकों में जहां बर्फबारी का असर है तो निचले पर्वतीय इलाकों में मौसम खुशनुमा बना है। उत्तराखंड में नवंबर माह की शुरुआत के साथ ही सुबह और रात के तापमान में गिरावट शुरू हो गई है। सरोवर नगरी की बात करें तो नैनीताल का मौसम रविवार को सुहावना बना रहा। धूप पूरे दिन रही।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 10 नवंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

पुलिस लाइन में लगा स्वास्थ्य शिविर

पीलीभीत, अमृत विचार : पुलिस लाइन में रविवार को जिला होम्योपैथिक विभाग व वामा सारथी के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों व उनके परिवार वालों का चेकअप किया गया। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने इसकी शुरुआत कराई। इस मौके पर जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ .राजीव कुमार शर्मा टीम के साथ मौजूद रहे।

युवती को बहकाकर ले जाने की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : परिवार वालों ने एक युवक पर युवती को भगाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई। न्यूरिया थाने में दी गई तहरीर में क्षेत्र के एक ग्रामीण ने बताया कि उसकी 21 वर्षीय पुत्री को भूपेंद्र पुत्र मास्टर राममूर्ति का लड़ा बहला फुसलाकर तीन नवंबर को ले गया। उननके पुत्र और पत्नी को जान से मारने की धमकी दी है। आरोप है कि पुत्री को आरोपी ने गायब कर रखा है। अनहोनी की आशंका जताई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

कच्ची शराब बेचते पुलिस ने महिला को पकड़ा

बीसलपुर, अमृत विचार : कच्ची शराब की धरपकड़ को आबकारी विभाग की टीम ने छापामारी की। आबकारी निरीक्षक प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि ग्राम गोवल में एक महिला द्वारा कच्ची शराब बेचने की सूचना मिली थी। इस पर छापामारी की गई। महिला चारपाई के नीचे दो बोतलों में कच्ची शराब को छुपाने का प्रयास करने लगी। उसे पकड़ा गया। आरोपी ने अपना नाम नन्हीं देवी पत्नी धर्मपाल बताया। आबकारी अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

छुट्टा पशुओं से लोग परेशान

बीसलपुर, अमृत विचार : सड़क पर घूम रहे छुट्टा पशुओं से स्थानीय लोगों के साथ ही राहगीरों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में नुकसान पहुंचाने के बाद बेसहारा पशु सड़कों पर आराम फरमाने पहुंच जाते है। जो वाहन चालकों के लिए हादसे का सबब बन रहे है। कई बार पशु वाहनों से टकराकर खुद घायल हो जाते है, तो कई बार वाहन चालकों की इनकी वजह से मौत हो जाती है। स्थानीय लोगों ने बताया कई बार जिम्मेदारों से छुट्टा पशुओं को गोशालाओं में सरंक्षित कराने की मांग कर चुके है। इसके बाद भी जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। इस वजह से किसानों की फसलें बेसहारा मवेशी चर जा रहे है।

बाजार में बेतरतीब खड़े वाहन, अतिक्रमण की भरमार, ई-रिक्शा भी कर रहे प्रवेश

जाम की समस्या के समाधान को लंबे समय से किए जा रहे दावे, समाधान न होने से लोग परेशान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शहर की सड़कों पर अतिक्रमण और बेतरतीब वाहन पार्किंग जाम का सबब बनी हुई है। दिन में कई बार जाम से राहगीरों को जूझना पड़ता है। मगर, इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है। नो एंट्री के बावजूद बाजार में ई-रिक्शा का प्रवेश भी नहीं रुक सका है।

बता दें कि शहर की एक बड़ी समस्या सड़कों पर लगने वाला जाम है। जिसमें दिन में कई बार राहगीर फंस कर परेशान होते हैं। इसके पीछे पार्किंग स्थल न होने को भी वजह माना जाता रहा है। इसके लिए कुछ माह पूर्व अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने कई बार ज्ञापन दिए, धरना प्रदर्शन भी किया गया। मगर, मुहिम रंग नहीं ला सकी। इसके अलावा दुकानों के आगे फुटपाथ तक सामान सजाया जा रहा है। इसे लेकर बीते दिनों व्यापारी नेताओं संग अधिकारियों ने बैठक की थी, लेकिन उसके बाद भी कोई नतीजा नहीं निकल सका। ये मुहिम भी अधूरी रह गई। इसके अलावा जाम की रोकथाम के लिए बीते दिनों ई-रिक्शा के रूट तय किए गए थे। इसका कुछ दिन पालन भी कराया गया लेकिन बाद में हालात जस के तस हो गए। नो एंट्री प्वाइंट पर ड्यूटी लगाई जाती है। मगर अन्य रास्तों के बीच से होते हुए ई-रिक्शा बाजार में प्रवेश कर जा रहे हैं। बीते दिनों इसे लेकर भी सख्ती की गई और बाजार से निकलते वक्त चालान किए गए। इन दिनों यातायात माह नवंबर भी चल रहा है। कई दुकानों के काउंटर ही सड़क पर सजाए जा रहे हैं। इसकी वजह से जाम की स्थिति दिन में कई बार बनती है। सुनगढ़ी तिराहा पर भी दिन में जाम लगने की समस्या पुरानी हो चुकी है। चूड़ी वाली गली, चूने वाली गली, ड्रमंडगंज चौराहा, लोहा मंडी समेत कई ऐसे इलाके हैं, जहां पर जाम लगता है। टीएसआई राघवेंद्र सिंह का कहना है कि नो एंट्री का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। कई वाहनों के चालान किए भी गए हैं। इसे लेकर और सख्ती की जाएगी।

जेपी रोड पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन। ● अमृत विचार

ड्रमंडगंज चौराहा के आगे दौड़ रहे ई-रिक्शा। ● अमृत विचार

- कई दुकानों के काउंटर ही सड़क पर सजाए जा रहे हैं
- चौराहों पर सिपाहियों की ड्यूटी के बाद भी लगता है जाम

नगर पालिका के स्तर से भी लापरवाही जारी

वैसे पुलिस के स्तर से अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए चेतावनी दी जाती रही है। मगर नगर पालिका के जिम्मेदार सख्ती नहीं कर सके हैं। अभियान भी पूर्व में तब चलाए गए जब प्रशासनिक स्तर से अधिकारियों ने संज्ञान लिया या फिर शासन स्तर से अभियान चले। इसके अलावा सख्ती नहीं हो सकी है। पिछली बार तो एक प्रशासनिक अधिकारी ने भी मुहिम से तब हाथ खींच लिए जब नगर पालिका के जिम्मेदारों की ओर से कोई सक्रियता नहीं दिखाई गई। इतना जरुर सब कुछ ठीक दर्शाने के लिए जहां-जहां अतिक्रमण था और कार्रवाई होनी थी। वहीं पर वेडिंग जोन के फ्लैक्स लगा दिए गए।

जिम्मेदारों के वाहन घुसने पर भी नहीं लग पा रही रोक

शहर में नो एंट्री में जिम्मेदारों के चार पहिया वाहन प्रवेश कर जाते हैं और काफी देर तक सड़क पर खड़े रहते हैं। जाम लगने के बाद भी ये गाड़ियां नहीं हटाई जाती हैं। ये बिंदु बीते दिनों व्यापारी नेताओं ने भी सीओ सिटी और एआरटीओ के साथ हुई बैठक में रखा था। इस पर हामी तो भरी गई लेकिन बाजार में नो एंट्री के बावजूद चार पहिया वाहनों की आवाजाही दिख ही जाती है।

टांडा बिजैसी में हाईटेक नर्सरी देखने पहुंचे डीएम

हाईटेक नर्सरी में सब्जी की पौध देखते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- हाइब्रिड सब्जी पौध के उत्पादन की ली जानकारी, गणना प्रपत्र वितरण का भी लिया जायजा

अमृत विचार: डीएम ने कृषि विज्ञान केंद्र स्थित हाईटेक नर्सरी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड सब्जी के पौधों के उत्पादन को देखने के साथ अन्य जानकारी ली। उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्य का भी निरीक्षण किया और संबंधित को दिशा निर्देश दिए।

जिले के टांडा बिजैसी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में हाईटेक नर्सरी की शुरुआत की गई है। इस नर्सरी से किसानों को उच्च क्वालिटी के सब्जी के पौधे महज एक से दो रुपये में मिल सकेगी। रविवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह कृषि विज्ञान केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने हाईटेक नर्सरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हाइब्रिड सब्जी के पौधों को देखा और इसके उत्पादन के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि हाईटेक नर्सरी में प्रतिवर्ष 15 लाख सब्जी पौध तैयार कर किसानों को दी जाएगी। सब्जी पौध उत्पादन का कार्य इजराइल तकनीक के आधार पर को-को पिट में किया जा रहा है। इससे पौधे को ले जाने में भी काफी सहूलियत मिलेगी। इसके बाद डीएम टांडा बिजैसी के ग्राम सचिवालय पहुंचे। यहां उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य का जायजा लिया। रविवार को जनपद भर में भी गणना प्रपत्र वितरित करने को चलाए जाने रहे विशेष अभियान के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधितों को निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक गणना प्रपत्रों का वितरण समय से पूर्ण किया जाए ।

शिक्षकों ने की चयन वेतनमान निर्धारण करने की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: दस वर्ष पूर्व बेसिक शिक्षा विभाग में नियुक्त शिक्षकों को चयन वेतनमान का लाभ नहीं मिलने पर शिक्षकों ने चयन वेतनमान लगवाने की मांग की है।

विकास क्षेत्र लालौरीखेड़ा के परिषदीय स्कूलों में शिक्षक नियुक्त हुए थे। शिक्षकों के 10 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक रूप से चयन वेतनमान स्वीकृत किए जाने की पत्रावलियों को बीईओ कार्यालय में जमा कर जल्द से जल्द चयन वेतनमान लगाने की मांग की गई थी। बीआरसी पर करीब 27 शिक्षकों ने चयन वेतनमान लगाने संबंधी सभी आवश्यक प्रपत्रों एवं संलग्नो के साथ पत्रावलियों को संबंधित लिपिक के पास जमा कर संयुक्त प्राप्ति रसीद भी प्राप्त की। साथ ही मांग करते हुए कहा कि नवंबर माह के वेतन बिल चयन वेतनमान स्वीकृत कराकर बनाए जाएं। बीआरसी पहुंचने वालों में धर्मेंद्र कुमार पूर्व एआरपी, पवन जैसवार, शैलेन्द्र जायसवाल, सुहेल अहमद खां, मुजीब साहिल, प्रवीण कुमार, शिवम पांडेय, रश्मि सिंह, करुणा गौर, निधि अग्रवाल, विभा सिंह, पुष्पा, गुंजन, दीक्षा पांडेय, पूजा पांडेय, ऋचा शर्मा, राजेश आदि मौजूद रहे।

चयन वेतनमान लगवाने की मांग करते शिक्षक। ● अमृत विचार

कुर्मी समाज घरों पर लगाए सरदार पटेल का चित्र

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर कुर्मी महासभा की ओर से कार्यक्रम किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती नगर के एक बरात घर में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सिरोथू की विधायक पल्लवी पटेल ने कराई। उन्होंने कहा आज हम भारत की आजादी की बात करते हैं। सबसे बड़ा योगदान सरदार वल्लभ भाई पटेल का रहा, उन्होंने किसी एक जाति विशेष के लिए योगदान नहीं दिया था, उन्होंने सभी जाति धर्म के लिए काम किया। आज हमें उनके बताए रास्ते पर चलने का समय आ गया है। कुर्मी समाज के लोग जब तक सरदार पटेल की कुर्बानी को याद नहीं करेंगे तब तक कल्याण होने वाला नहीं है। सभी लोग अपने-अपने घरों में सरदार पटेल का चित्र लगाएं। जिससे हमेशा हमारे अंदर की आत्मा जागती रहे और उनकी कुर्बानी को याद किया जा सके। इस मौके पर ग्राम पंचायत चंद्रपुरा के प्रधान हरपाल गंगवार को स्मृति चिन्ह देती मुख्य अतिथि पल्लवी पटेल।

ग्राम चंद्रपुरा के प्रधान हरपाल गंगवार को स्मृति चिन्ह देती मुख्य अतिथि पल्लवी पटेल।

- कुर्मी महासभा ने मनाई सरदार पटेल की जयंती

गंगवार को मुख्य अतिथि पल्लवी पटेल के द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि रोशन लाल वर्मा पूर्व विधायक तिलहर, सीएल गंगवार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा, संजीव कनौजिया समाजसेवी, डॉ. रत्नेश गंगवार , मोहम्मद साबिर उर्फ गुल्लू पहलवान, राजाराम माथुर , हरपाल सिंह लोधी, प्रेम सागर पटेल, डॉ रजनीश गंगवार, अंग्रेज सिंह , रामचंद्र कोरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान शिवकुमार पटेल महासचिव कुर्मी महासभा, गजेंद्र पटेल, भानु पटेल, अश्विनी गंगवार, संरक्षक छत्रपाल पटेल समेत अन्य रहे।

फाइनल में सिटी मोंटेसरी 1-0 से बनी विजेता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत हॉकी एसोसिएशन की ओर से आयोजित हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दिन रविवार को मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष पूरनपुर शैलेंद्र गुप्ता रहे। विशिष्ट अतिथि विभाग संघ चालक ओमप्रकाश गंगवार और आरएसएस के जिला प्रचारक दुष्यंत रहे। उन्होंने विजेता और उप विजेता टीमों को पुरस्कार और मेडल देकर सम्मानित किया।

फाइनल मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद सिटी मोंटेसरी की टीम ने 1/0 से जीत दर्ज की। हॉकी के वरिष्ठ 16 खिलाड़ियों को हॉकी एसोसिएशन की ओर से मेजर ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हॉकी खेल को आगे बढ़ाने में हॉकी एसोसिएशन के सचिव जय प्रकाश बघेल को गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार डायमंड हॉकी क्लब के खिलाड़ी सूरज को दिया गया।

हॉकी टूर्नामेंट को सफल तरीके से आयोजन करने में हॉकी एसोसिएशन के संयोजक दीपक सरकार, अध्यक्ष प्रदीप खींची, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, डॉ अमिताभ अग्निहोत्री, सचिव जयप्रकाश बघेल, कोषाध्यक्ष जीडी वर्मा, सहसचिव बाबू भारती, सुरेन्द्र कुमार, उपाध्यक्ष सतीश शर्मा, सुरेश कौशल, पंकज तिवारी, वेटरन्स क्रिकेट संगठन के सचिव जगदीश सक्सेना, जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, नवनीत गंगवार, आदित्य गंगवार, साक्षी राणा, वासु, राजीव भटनागर, दिनेश आजाद , राकेश सक्सेना, प्रगति सिंह सहित तमाम खिलाड़ी मौजूद रहे। संचालन चिरंजीव गौड़ ने किया।

हॉकी खिलाड़ियों संग आयोजक और अतिथि। ● अमृत विचार

- 16 वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित

हाईटेंशन लाइन में छेड़छाड़ से 35 गांवों की बिजली गुल

दियोरियाकलां, अमृत विचार: असामाजिक तत्वों ने हाईटेंशन लाइन से छेड़छाड़ कर दी। जिससे 11 केवी माधवपुर फीडर की बिजली लाइन में ब्रेकडाउन हो गया और 35 गांवों की बिजली ठप हो गई। लाइनमैन वीरेश कुमार ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया अज्ञात लोगों ने विद्युत लाइन में जानबूझकर छेड़छाड़ की है। माधवपुर फीडर की लाइन मुंडिया भगवन्तपुर पुलिया से लेकर बेकनिया दीक्षित नहर के बीच में गड़बड़ी की जा रही है। जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, 16, 18, 26 और 30 अक्टूबर की रात में अलग-अलग समय पर यह ब्रेकडाउन किया गया। हर बार लाइन कटने के बाद ग्रामीणों को कई घंटों तक परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

नियम तोड़ने पर 109 वाहनों का किया चालान

नियमों के प्रति जागरुक करने को पंपलेट बांटता पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर जिले में यातायात माह नवंबर चलाया जा रहा है। इसके तहत नियमों के प्रति वाहन चालकों को जागरुक किया जा रहा है और उल्लंघन पर कार्रवाई भी की जा रही है।

इसी क्रम में रविवार को भी टीमें चौराहों पर चेकिंग करने में जुटी रही। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने डग्गामार वाहनों , अवैध रूप से संचालित व अनुमति से अधिक सवारी बैठाकर चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई की। चेकिंग अभियान में 32 डग्गामार वाहनों सहित 109 वाहनों के चालान करते हुए कुल 107500 रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से संवाद कर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। कांस्टेबल शाहिर ने जागरुकता वाले पंपलेट का वितरण किया।

ठगी करने के दो मामलों में रिपोर्ट

माधोटांडा, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम पचपेड़ा ताल्लुके महाराजपुर निवासी कमलजीत कौर पत्नी हरपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 अगस्त की सुबह 10 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल की।

इसके बाद धमकाकर पूरनपुर एसबीआई शाखा स्थित एकाउंट के बारे में जानकारी ली। इसके बाद एक लाख रुपये उसके खाते से निकाल लिए। उधर, क्षेत्र के ग्राम खजुरिया मझारा निवासी अजय कुमार पुत्र जवाहर लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके नंबर पर 26 जून को दोपहर में कॉल आई। एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर क्रेडिट कार्ड की डिटेल ले ली। इसके बाद 157093 रुपये ठग लिए। पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देवहा नदी में मिले पशुओं के अवशेष

संवाददाता, बरखेड़ा

- डीएम तक पहुंचा मामला तो एसडीएम की अगुवाई में भेजी गई टीम
- बरखेड़ा और बरेली जनपद की क्योलड़िया थाना पुलिस का है सीमावर्ती क्षेत्र

अमृत विचार: बरखेड़ा -नवाबगंज रोड पर सीमावर्ती क्षेत्र में देवहा नदी किनारे पानी में पशुओं के अवशेष से भरे चार बोरे मिलने से हड़कंप मच गया। किसी ने वीडियो बनाकर डीएम को भेज दिया। इसके बाद एसडीएम की अगुवाई में टीम पहुंची और पड़ताल में जुट गई है।

बरखेड़ा से नवाबगंज के लिए रोड गया है। इसमें देवहा के दूसरी तरफ की सीमा बरेली जनपद में है। देवहा नदी पुल के दूसरी तरफ बरेली जनपद के ग्राम बहर जागीर की तरफ नदी किनारे चार बोरे पड़े हुए थे। उसमें पशुओं के अवशेष भरे हुए थे। इसे लेकर गोकशी का शोर मच गया। किसी ने वीडियो बनाकर पीलीभीत डीएम को भेज दिया। इसके बाद खलबली मच गई। आनन-फानन में एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय, बीडीओ बरखेड़ा वेद प्रकाश, इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ पहुंच गए। उधर, बरेली जनपद की क्योलड़िया थाना पुलिस भी पहुंच गई। पशुओं के अवशेष की जांच के लिए बरखेड़ा से पशु चिकित्साधिकारी डॉ.हरपाल सिंह को बुलाया गया। उन्होंने अवशेष का परीक्षण किया। इसके बाद जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर अवशेष दफन कराए गए। देर शाम तक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और कार्रवाई चलती रही। हालांकि अवशेष गोवंशीय पशु के है या नहीं, इसे लेकर जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, एएसपी भी पहुंचे

बरखेड़ा नवाबगंज मार्ग में पशुओं के अवशेष मिलने के बाद एएसपी विक्रम दहिया भी मौके पर पहुंच गए। बताते हैं कि बरखेड़ा और बरेली जनपद के क्योलड़िया दोनों ही थाना क्षेत्रों में पशुओं के अवशेष किए गए हैं। बड़े पैमाने पर गोकशी का मामला प्रतीत हो रहा है। ऐसे में अधिकारियों ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। आसपास के मार्ग के सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे हैं।

दुकान खाली कराने की रंजिश में दंपती को पीटा

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: दुकान खाली कराने की रंजिश में दंपती समेत चार लोगों की पिटाई की गई। पुलिस ने मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

मोहल्ला हबीबुल्लाह खां जनूबी निवासी अंसार की पत्नी निसरत जहां ने बताया कि उसके पति की दुकान मोहल्ले में ही है। जिसे उसके ससुर ने कुछ दिन पहले उसके फुफेरे भाई आरिफ उर्फ छोटे तौफीक उर्फ बड़े गुड्डू पुत्र इसरार निवासी गयासपुर को बैठने के लिए दे दिया था। जरूरत पड़ने पर उसके पति अंसार ने प्रयास करके उक्त दुकान को उन लोगों से खाली करा लिया। जिससे वह लोग उससे रंजिश मनाने लगे। 3 नवंबर की दोपहर 1 बजे महिला के फुफेरे भाई आरिफ उर्फ छोटे, गुड्डू व तौफीक उर्फ बड़े अपने साथियों के साथ अपनी बहन निसरत के घर में घुस आए। सभी लोगों ने घर में रखा कीमती सामान उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। निसरत जहां और उसके परिवार वालों ने जब विरोध किया, तो पिटाई शुरू कर दी। उन्होंने निसरत उसकी जेठानी शाहीन, सास शमीम बानो को पीटा। जब उसके पति अंसार व देवर सरताज बचाने आए तो उन्हें पीटा। इसके बाद निसरत की बेटी खुशी ने 112 नंबर को डायल कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस को आता देख हमलावर मौके से भाग गए।

शॉर्ट सर्किट से इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग लगने से हुआ नुकसान

संवाददाता, बीसलपुर

दुकान के भीतर उठती आग की लपटें। ● अमृत विचार

- पुलिस ने दमकल विभाग के सहयोग से आग को बुझाया

अमृत विचार: ग्राम रसिया खानपुर में मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक दुकान में शॉर्ट -सर्किट से आग लग गई। जिससे दुकान में रखा सामान जल गया। कोतवाली पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की।

ग्राम रसिया खानपुर में सरकारी स्कूल के पास मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान मुशर्रत उर्फ लला की है। उनका कहना है कि रोज की तरह शनिवार देर शाम दुकान बंद कर दी गई। रात करीब साढ़े नौ बजे शार्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई।

कुछ ही देर में आग बढ़ती चली गई। जानकारी मिलने पर दुकान स्वामी व अन्य ग्रामीण जमा हो गए। दुकान का शटर खोला तो भीतर आग का गुबार था। सूचना पर कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पहुंचे। दमकल टीम ने आग पर काबू किया। दुकान में रखा सामान जल गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर में आज

- एफएसडीए की ओर से फॉस्टेक ट्रेनिंग कार्यक्रम बीसलपुर में सुबह 11 बजे।
- इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर टूर्नामेंट के तहत क्रिकेट मैच सुबह 7 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

मारपीट और एससीएसटी एक्ट की रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : गांव नरायनपुर के रहने वाले महेंद्रपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 8 नवंबर की रात करीब 9 बजे वह, उसका मित्र हरीशंकर श्रीवास्तव गांव के विभू के घर गए। गांव निवासी अमित कुमार ने आकर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। विरोध करने पर हरीशंकर श्रीवास्तव और उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

स्कूल जाने की बात कहकर निकला छात्र लापता

अमरिया, अमृत विचार : घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकला छात्र रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। चौथे दिन भी सुराग न मिलने पर परिवार ने अनहोनी की आशंका जताई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लापता छात्र की मां गांव फरदिया निवासी जन्नती ने पुलिस चौकी ड्यूनी डैम में तहरीर देकर बताया उनका पुत्र 16 वर्षीय अरमान गांव कटमटा के श्रीगुरु नानक स्कूल में कक्षा छह का छात्र है। 6 नवंबर की सुबह ड्रेस पहनकर स्कूल बैग लेकर घर से निकला था। देर शाम तक वापस घर नहीं पहुंचा तो चिंतित परिजनों ने स्कूल में जानकारी की। ये पता चला कि वह स्कूल आया ही नहीं है। परिजनों ने कस्बा और आसपास गांव की रिश्तेदारियों में तलाशा। रविवार सुबह भी कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवती से की मारपीट रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव सिसैया साहब निवासी मुजारिन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया 2 नवंबर को सुबह 10 बजे गांव का मोहम्मद याकूब, मोहम्मद जाबिर, मोहम्मद साबिर ने उसके साथ मारपीट की। बचाने आए भाई नईम व पिता मकसूद को भी पीटा। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

विहिप संगठन मंत्री को जेल भेजने के मामले ने पकड़ा तूल, कार्रवाई पर सवाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एडीएम की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में गिरफ्तार कर कोतवाली से जेल भेजे गए विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ की देर रात जेल में तबीयत बिगड़ गई। उन्हें मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। वहीं, मामला तूल पकड़ गया है। विश्व हिंदू परिषद के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पीलीभीत पहुंचकर अस्पताल में भर्ती संगठन मंत्री से मुलाकात की। शासन स्तर पर भी इस मामले को अवगत कराया गया है। प्रकरण से संबंधित अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। सोमवार को इस मामले में डीएम-एसपी से भी मुलाकात की जाएगी। इस दौरान भाजपा के भी तमाम नेता मेडिकल कॉलेज पहुंचे और हालचाल जाना। इस मामले में मुकदमा निरस्त कराने से लेकर संबंधित अधिकारियों के स्थानांतरण को लेकर भी मांग शासन स्तर पर रखी गई है।

बता दें कि एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋचु पूनिया की ओर से कोतवाली में विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री शाजीपुर प्रभाग प्रिंस गौड़ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कई संगीन आरोप लगाए गए थे। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी प्रिंस गौड़ को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। विहिप के संगठन मंत्री के जेल भेजे जाने की कार्रवाई तेजी से चली और इसकी भनक भी अन्य कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों की मानें, तो उन्हें लग ही नहीं सकी। इधर, देर रात जेल भेजे गए प्रिंस गौड़ की तबीयत बिगड़ी, उन्हें सीने में दर्द की शिकायत हुई। जिसके बाद मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। मामला शासन स्तर तक पहुंचने से तूल पकड़ चुका है। विहिप के पदाधिकारी भी इस कार्रवाई को गलत करार देते रहे। रविवार दोपहर को पहले विभाग संगठन मंत्री बरेली एवं प्रांत सह धर्म प्रचार प्रमुख देवेंद्र सोम पीलीभीत पहुंचे। अस्पताल में भर्ती विहिप नेता प्रिंस गौड़ से मुलाकात की। इस दौरान मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने बिना नाम लिए एक अधिकारी पर संगीन आरोप लगाए। उनका कहना था कि संबंधित अधिकारी के बदायूं, बरेली में हुई पोस्टिंग के दौरान जो भी भ्रष्टाचार किया है, उसका पूरा चिट्ठा उनके पास है। किस अधिकारी के पति ठेकेदारी भी कर रहे हैं, उनको कैसे टेंडर दिलवाए जाते हैं। इसकी पूरी रिपोर्ट तैयार है। यह सिर्फ एक -आध अधिकारी का नहीं, कई ऐसे अधिकारी सरकार की छवि को धूमिल करने के लिए हिंदू संगठनों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे अधिकारियों की शासन स्तर पर शिकायत की गई। उनके स्थानांतरण की मांग की है। देर शाम विहिप के प्रांत संगठन मंत्री राजेश भी पीलीभीत पहुंचे। पूर्व विहिप जिलाध्यक्ष एवं भाजपा नेता दीपक अग्रवाल, भाजपा नगराध्यक्ष इंद्रेश चौहान, मीडिया प्रभारी स्वतंत्र देवल, हिंदू महासभा जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा समेत कई नेता अस्पताल में मौजूद थे। प्रांत संगठन मंत्री ने पहले अस्पताल में भर्ती प्रिंस गौड़ से मुलाकात की और फिर मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने साफ कहा कि इस मामले में जिले से लेकर शासन स्तर तक के अधिकारियों से संपर्क कर पूरी बात रखी गई है। दो तीन दिन तक प्रशासनिक कार्रवाई देखी जाएगी और फिर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। यह भी बताया कि इस मामले में वह सोमवार को डीएम-एसपी से भी मुलाकात करेंगे। कार्यकर्ता समाज के लिए कार्य कर रहा है, उसके सम्मान की लड़ाई लड़ी जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में भर्ती प्रिंस गौड़ से मुलाकात करते विहिप के प्रांत संगठन मंत्री राजेश। ● अमृत विचार

हाईवे से उठाकर कोतवाली लाए और भेज दिया जेल

अस्पताल में भर्ती विहिप के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ का कहना था कि उन्हें खुद पर दर्ज मुकदमे की कोई भनक नहीं थी। इस संबंध में कुछ भी पता नहीं चला। वह बदायूं से लौट रहे थे। बरेली हाईवे पर शाही चौकी के पास से ही उन्हें पुलिस ने पकड़ा और कोतवाली ले गई। फिर वहीं से सीधे चालान कर दिया गया। तब जाकर पता चला कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ये भी आरोप लगाया कि उन पर पूर्व में कमिश्नर से की गई शिकायत वापस लेने का दबाव था।

प्रिंस गौड़ ने एक मामले में एडीएम की शिकायत कमिश्नर से की थी। ऐसा लोकतंत्र में होता रहता है। उस शिकायत पर जांच होनी चाहिए थी। इन्होंने भी शिकायत में किसी पर एफआईआर नहीं कराई थी, सिर्फ जांच की मांग की थी। मगर जिस तरह से मुकदमा दर्ज किया और जेल भेज दिया गया, वह गलत है। ऐसी कार्रवाई की गई जैसे कोई आतंकवादी पर की जा रही हो। शासन स्तर पर भी अवगत कराया है। डीएम-एसपी से भी मुलाकात करेंगे।

– **राजेश**, प्रांत संगठन मंत्री, विहिप

- **प्रांत संगठन मंत्री समेत कई नेता पहुंचे पीलीभीत, शासन स्तर तक कराया अवगत**
- **जेल में पहुंचते ही बिगड़ी संगठन मंत्री की तबीयत, मेडिकल कॉलेज कराए गए भर्ती**

भाजपा नेता ने डीएम -एसपी को लिखा पत्र

भाजपा प्रदेश परिषद सदस्य एवं विहिप के पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने भी इस मामले में डीएम-एसपी को पत्र लिखा है। जिसमें बताया कि वह खुद 14 साल तक विहिप के जिलाध्यक्ष रहे। उस वक्त विचारधारा के विपरीत की सरकारें थी। उस वक्त भी किसी प्रचारक संगठन मंत्री आदि को कभी गिरफ्तार नहीं किया गया। ये कहा कि जिस तरह से प्रिंस गौड़ की गिरफ्तारी की गई है। यह निंदनीय है। इस कार्रवाई को वापस लेने की मांग की गई है ऐसा न होने पर विभिन्न सामाजिक संगठन भी इस प्रकरण में आगे आने को विवश होंगे।

अब पीटीआर करेगा गांवों में बनी मिठाई की ब्रांडिंग

ग्रामीण शुद्ध मावे से तैयार कर रहे पेड़े, चूका बीच समेत पांच स्थानों पर खोले गए बिक्री काउंटर, बढ़ेगी ग्रामीणों की आय

सुनील यादव, पीलीभीत

अमृत विचार: देश-दुनिया में मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व अब मिठाई (डेजर्ट) की भी ब्रांडिंग करेगा। सुनने में जरूर कुछ अटपटा लग रहा होगा, मगर यह सच है। दरअसल पीलीभीत टाइगर रिजर्व विश्व प्रकृति निधि के सहयोग जंगल से सटे ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने में प्रयासरत हैं। इको विकास समितियों के माध्यम से जंगल से सटे तीन गांवों के ग्रामीण शहद उत्पादन, होमस्टे आदि कार्य में लगे हुए हैं। वहीं अब लालपुर में भी इको विकास समिति का गठन करते ग्रामीणों के आय बढ़ाने के प्रयास शुरू किए गए हैं। लालपुर के ग्रामीण अपने यहां तैयार होने वाले शुद्ध मावा के पेड़ा मिठाई बनाने का काम कर रहे हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व इस मिठाई की बिक्री के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध कराने जा रहा है। ताकि ग्रामीणों की आय बढ़े ही, साथ ही दूर-दराज से आने वाले सैलानी स्थानीय पारंपरिक व्यंजन के बारे में भी जान सकें।

जनपद के जंगल को एक दशक पूर्व टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया था। टाइगर रिजर्व बनने के बाद जंगल से सटे गांवों के ग्रामीण, जिनकी आजीविका मात्र जंगल पर ही टिकी थी, उनके आगे रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था। हालांकि विश्व प्रकृति निधि द्वारा पीलीभीत टाइगर के सहयोग से इन गांवों के ग्रामीणों को जंगल पर आश्रित न होना पड़े, इसको लेकर आरक्षित वन क्षेत्र के आसपास के ग्रामीणों को 41.99 लाख रुपये की लागत से 933 एलपीजी गैस सिलेंडर का वितरण किया गया था। महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सिलाई मशीनें बांटी गई। वहीं विश्व प्रकृति निधि और पीलीभीत टाइगर रिजर्व की ओर से जंगल से सटे इन गांवों के विकास और रोजगार से जोड़ने इको विकास समितियों का गठन करते हुए कवायद शुरू की गई थी। अब यह कवायद धीरे-धीरे धरातल पर उतर रही है। जंगल से सटे गांव पुरैना ताल्लुके महाराजपुर, टांडा छत्रपति और रम्पुरिया महोफ के ग्रामीण शहद उत्पादन का कार्य कर रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा तैयार शहद को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी का टैग भी मिल चुका है। वहीं बराही जंगल से सटे सेल्हा गांव को टूरिज्म विलेज का रुप देते हुए यहां ग्रामीण होमस्टे के कार्य से जुड़ चुके हैं। जल्द ही जंगल से सटे बंगाली बाहुल्य इलाके के ग्रामीण जल्द ही जलकुंभी से तैयार उत्पादों को मार्केट में उतारने जा रहे हैं। इधर अब जंगल से सटे लालपुर में इको विकास समिति का गठन कर यहां के ग्रामीणों की आय बढ़ाने में मदद की जा रही है। पूर्व में यहां किसानों को निशुल्क गन्ने का बीज उपलब्ध कराया गया था। इधर अब लालपुर के ग्रामीण नई इबारत लिखने जा रहे हैं।

लालपुर के ग्रामीणों द्वारा शुद्ध मावे से तैयार किए गए पेड़े। ● अमृत विचार

- **डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से जंगल से सटे लालपुर के ग्रामीण लिख रहे नई इबारत**
- **ग्रामीणों द्वारा तैयार शहद को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी का टैग भी मिल चुका है**

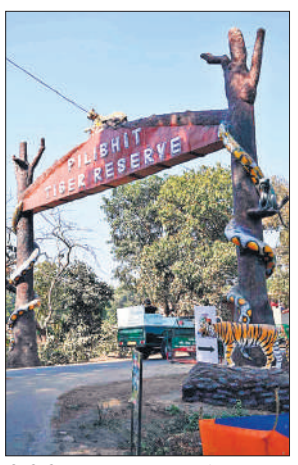

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का प्रवेश द्वार।

ईडीसी के सहयोग से शुद्ध मावे से तैयार हो रहा पेड़ा

पीलीभीत टाइगर रिजर्व और विश्व प्रकृति निधि अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से गांव लालपुर के ग्रामीणों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। लालपुर इको विकास समिति (ईडीसी) के माध्यम से ग्रामीणों ने शुद्ध मावे से तैयार पेड़ा बनाने का कार्य शुरू किया है। दरअसल लालपुर जनपद में बड़े मावा उत्पादक गांवों में शुमार है। यहां का मावा जनपद समेत अन्य जनपदों में बिक्री किया जाता है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व ने ग्रामीणों की मदद के लिए उन्हें पेड़े की बिक्री के लिए उचित प्लेटफार्म मुहैय्या कराने की योजना बनाई गई है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह के मुताबिक इसके लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच, सप्त सरोवर, महोफ पर्यटन गेट, मुस्तफाबाद पर्यटन गेट और बराही पर्यटन गेट पर पेड़े की बिक्री के लिए काउंटरों की व्यवस्था की गई है। पर्यटन सत्र के दौरान इन सभी स्थानों पर देश के कोने-कोने के अलावा विदेशों से सैलानी यहां पहुंचते हैं। ऐसे में पीलीभीत के पेड़े को अन्य जनपदों में भी एक पहचान मिलेगी। जल्द ही लालपुर ईडीसी के माध्यम से शुद्ध देशी भी उतारने का प्लान बनाया जा रहा है।

विश्व प्रकृति निधि पीटीआर के सहयोग से जंगल से सटे गांवों के विकास एवं वहां के लोगों को आजीविका में सहयोग देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में लालपुर ईडीसी के माध्यम से तैयार पेड़े को बिक्री के लिए उतारा गया है। ताकि ग्रामीणों की आय में वृद्धि हो सके। जंगल से सटे अन्य गांवों को भी इस योजना से जोड़ने के लिए पीटीआर के सहयोग से इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। – **नरेश कुमार**, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, विश्व प्रकृति निधि।

जमीन के विवाद में युवक पर फायरिंग

पीलीभीत, अमृत विचार: पैतृक जमीन को लेकर चल रहे विवाद में एक व्यक्ति ने भाई पर फायरिंग कर दी। छर्रे पीड़ित के दाहिने हाथ की कोहनी में लगे। सुनगढ़ी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

शहर के मोहल्ला तुलाराम के रहने वाले रामकिशोर पुत्र मूलचंद ने सुनगढ़ी थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनका व सगे भाई गोकिल प्रसाद का पूर्व से पैतृक जमीन को लेकर विवाद है। 8 नवंबर को वह घर से गली में ही जा रहे थे। तभी पीछे से आकर गोकिल प्रसाद पुत्र रामचंद्र ने आकर फायर कर दिया। छर्रे उनके दाहिने हाथ की कोहनी में लगे। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि भाईयों के बीच पैतृक विवाद था। इसी में फायर किया गया था। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई थी। रविवार को आरोपी गोकिल प्रसाद पुत्र स्वर्गीय मूलचंद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसकी निशानदेही पर फायरिंग में इस्तेमाल तमंचा व खोखा कारतूस शराब गोदाम के पास झाड़ियों से बरामद किया गया है।

अब हर तीन महीने में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की होगी समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **हर महीने कार्य का स्वरूप न बदलने पर शासन ने बदला नियम**
- **मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जिले की रैंकिंग भी हो रही प्रभावित**

अमृत विचार: जनपद की ग्राम पंचायतों में अब विकास कार्यों की समीक्षा हर महीने नहीं, बल्कि हर तीन महीने में की जाएगी। अभी तक विकास कार्यों की मासिक रिपोर्ट मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर हर माह भेजी जाती थी। पाया गया कि हर माह कार्य का स्वरूप ज्यादा नहीं बदलता है। ऐसे में डैशबोर्ड पर जिले की रैंक भी बार-बार प्रभावित हो रही है। ऐसे में शासन ने इसमें बदलाव किया है।

जनपद में 720 ग्राम पंचायतें हैं। ग्राम पंचायतों में सड़क निर्माण, शौचालय निर्माण, पंचायत भवन समेत अन्य होने वाले विकास कार्यों की मासिक रिपोर्ट हर माह मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर भेजी जाती है। वहीं मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर समीक्षा के दौरान पंचायत के कार्यों के चलते जिले की रैंकिंग पर खासा असर पड़ रहा है। वहीं हर माह मासिक रिपोर्ट भेजे जाने के चलते विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के अन्य कार्य भी प्रभावित होते रहते हैं।

वहीं शासन ने भी पाया कि ग्राम पंचायतों में होने वाले कार्यों का स्वरूप हर महीने ज्यादा नहीं बदल पाता है। इसकी वजह से रैंकिंग पर असर पड़ता है। ऐसे में शासन ने अब इसमें बदलाव किया है। ऐसे में अब शासन ने मासिक रिपोर्ट ही तीन माह में भेजने के निर्देश जारी किए हैं।

जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती ने शासन के निर्देशों से सभी ब्लाक स्तरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए इसका अनुपालन करने को निर्देशित किया है। जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार अब विकास कार्यों की मासिक रिपोर्ट हर तीन माह में प्रेषित की जाएगी।

जन आरोग्य मेले में चेकअप के बाद मिली दवा

बीसलपुर की नगरीय पीएचसी पर पहुंचे मरीज। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार: सीएचसी और पीएचसी पर रविवार को जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया।

अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की जांच कर दवाएं वितरित की गई। हालांकि शुगर समेत कई अन्य जांचें नहीं हो सकी। जिसे लेकर मरीजों को सिर्फ परामर्श लेकर ही वापस होना पड़ा। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहल्ला दुबे में 40 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ.अमित कुमार द्वारा किया गया। मरीजों को निशुल्क दवाइयां दी गई। खांडेपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शिवपुरी नवदिया, चुर्रासकतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी मरीज पहुंचे और दवा ली।

पांच करोड़ से होगी सड़कों की मरम्मत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों से मिली स्वीकृति**
- **क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण से राहगीरों को मिलेगी राहत**

अमृत विचार: केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जनपद की चारों विधान सभाओं के चार महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों के नव निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनके निर्माण कार्य के बाद इस मार्ग पर सफर करने वाले ग्रामीणों और राहगीरों को राहत मिलेगी।

स्वीकृत किए गए मार्गों में समस्त विधानसभा क्षेत्र के मार्ग शामिल हैं। सदर विधानसभा क्षेत्र में तेजनगर से कुकरीखेड़ा रोड़ से ग्राम पंचायत सरौरा तक मार्ग का नव निर्माण होगा। विधानसभा बरखेड़ा में अभयपुर मार्ग से बंगला उर्फ मित्रसेन रेलवे क्रासिंग पर संपर्क मार्ग का नवनिर्माण, विधानसभा पूरनपुर के चांदपुर से हरदोई ब्रांच नहर होते हुए देवीपुर तक संपर्क मार्ग का नव निर्माण और विधानसभा बीसलपुर का मुड़िया कुंडरी संपर्क मार्ग पर गांव जगीपुर जैतपुर से गांव कोकिला तक संपर्क मार्ग का नवनिर्माण शामिल है। इन मार्गों की कुल लंबाई करीब सात किलोमीटर और लागत पांच करोड़ के आसपास है। क्षेत्रीय जनता द्वारा काफी समय से इन मार्गों के निर्माण के लिए आग्रह किया जा रहा था। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने इसका संज्ञान लिया और लगातार प्रदेश सरकार के संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते रहे। इन महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों की स्वीकृति में अहम भूमिका निभाई। अब इन सड़कों की स्वीकृति से जनपद के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क और भी सुगम होंगे। जिससे कृषि, व्यापार एवं शिक्षा को नई दिशा मिलेगी।

इन चारों संपर्क मार्गों के निर्माण से हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और जनपद की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त आधार प्राप्त होगा। केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार पीलीभीत के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आभार।

– **जितिन प्रसाद**, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद

सरदार पटेल की याद में जलाए गए 150 दीप

कार्यक्रम में मौजूद देवस्वरुप पटेल व अन्य। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार: पटेल नगर स्थित पटेल पार्क में क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक व किसान नेता देवस्वरूप पटेल की अगुवाई में 150 दीप जलाकर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

पार्क की दो दिन पूर्व में साफ सफाई कराई गई थी। पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। देवस्वरुप पटेल ने कहा कि राष्ट्र निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल सच्चे देशभक्त थे। कहा देश की एकता के लिए जो कार्य उन्होंने किए वह किसी से छुपे नहीं हैं। इस मौके पर लीलाधर पटेल, यशवंत सिंह पटेल, प्रदीप वर्मा, अविनाश गंगवार, डॉ. प्रथमेश भरद्वाज, पुरुषोत्तम, नरेंद्र गंगवार उर्फ मोदी, नरेंद्र, शिव कुमार शंखधार, अवनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

पति समेत चार पर एफआईआर दर्ज

माधोटांडा, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मीपुर की रहने वाली सोमवती पत्नी रामचंद्रलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी तीन साल पहले न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम सेमपुर के शांति स्वरुप सपुत्र छत्रसेन से हुई थी। पति शांति स्वरुप, ससुर छत्रसेन, सास मुन्नी देवी, ननद पुष्पा देवी देहज में दो लाख रुपये की मांग करने लगे। इसके पूरा न होने पर प्रताड़ित किया जाने लगा। कई बार मारपीट की गई। पंचायत के बाद सुलह कराई गई लेकिन ससुरालियों का व्यवहार नहीं बदला। करीब एक साल वह मायके में भी रही। इसके बाद ससुराल ले गए और कुछ दिन बाद ही दोबारा मारपीट की गई। पांच नवंबर को पिता को कॉल कर बुलाया और फिर उनके साथ मायके आई। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

पीलीभीत से जयपुर के बीच दौड़ेगी रोडवेज बस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: यदि सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही जनपद वासियों को जयपुर तक रोडवेज बस सेवा का लाभ मिलने लगेगा। अभी तक दूसरा राज्य होने के चलते परमिट में रोड़ा लग रहा था। मगर अब पत्राचार के बाद परमिट मिलने का रास्ता साफ हो गया है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है स्थानीय डिपो से जयपुर के बीच जल्द ही रोडवेज बस सेवा शुरू हो जाएगी। इसके अलावा पीलीभीत से बिजनौर के बीच भी रोडवेज बस का संचालन शुरू होने जा रहा है।

पीलीभीत रोडवेज डिपो से वर्तमान में 97 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों का संचालन दिल्ली, लखनऊ, आगरा, कानपुर, रुद्रपुर समेत अन्य बड़े शहरों तक किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्थानीय रूटों पर भी रोडवेज बसें चलाई जा रही हैं। इधर स्थानीय रोडवेज डिपो ने पीलीभीत से जयपुर तक रोडवेज बस का संचालन कराने का आग्रह किया था। दरअसल जनपद में बड़ी संख्या में लोग रोजगार आदि के लिए जयपुर जाते हैं।

परिवहन के नाम पर जयपुर तक प्राइवेट बसों का संचालन किया जा रहा है। हालांकि जयपुर तक रोडवेज बस संचालन को लेकर पूर्व में ही स्थानीय डिपो की ओर से लिखा पढ़ी की गई थी, मगर दूसरा राज्य होने के चलते इसके परमिट लेने में रोड़ा लगता आ रहा था। उच्चाधिकारियों ने मामले का संज्ञान लेने के बाद इस मामले में संबंधित से पत्राचार किया। जिसके बाद अब बस संचालन के लिए परमिट मिलने का भी रास्ता साफ हो गया है। जिसके बाद अब स्थानीय डिपो अब अन्य औपचारिकताएं पूरी करने में जुट गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही पीलीभीत से जयपुर के बीच रोडवेज बस सेवा शुरू कर दी जाएगी।

रोडवेज बस में सवार होते यात्री। (फाइल फोटो)

- **दूसरा राज्य लगने के चलते परमिट में लग रहा था रोड़ा**
- **जिले से जयपुर के लिए अभी निजी बसों का हो रहा है संचालन**

बिजनौर के लिए भी जल्द ही शुरू होगी बस सेवा

स्थानीय रोडवेज डिपो की ओर से जल्द ही बिजनौर तक रोडवेज बस सेवा शुरू होने जा रही है। हालांकि पूर्व में स्थानीय डिपो से बिजनौर तक एक रोडवेज बस का संचालन किया जा रहा था। मगर, कुछ समय तक संचालन के बाद विभागीय अड़चनों के चलते बस का संचालन बंद कर दिया गया था। इधर यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रोडवेज डिपो ने पुन: बिजनौर तक बस सेवा शुरू करने की कवायद शुरू की है। डिपो के अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही बिजनौर तक दो रोडवेज बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

उच्चाधिकारियों का निर्देश मिलने के बाद बिजनौर तक सीधी बस सेवा शुरू करने की तैयारी चल रहा है। जल्द ही यह बस सेवा शुरू करा दी जाएगी। इसके अलावा जयपुर तक बस सेवा शुरू करने के संबंध में कवायद चल रही है। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए जयपुर तक बस का संचालन शुरू किया जाएगा।

– **विपुल पाराशर**, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक।

न्यूज ब्रीफ

आटा चक्की पर दबंगों ने की मारपीट

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम गोकुल नगला निवासी देव सिंह प्रजापति ने थाने पर प्रार्थना पत्र दिया है कि वह अपनी आटा चक्की पर शनिवार की रात 8 बजे गेहूं पीस रहा था। तभी गांव का एक व्यक्ति शराब के नशे में आया और गाली-गलौज करने लगा। उसने गाली-गलौज का विरोध किया। इस पर दबंग किस्म का गांव का ही दूसरा युवक लाठी-डंडा व लोहे की सरिया लेकर आ धमका और उसने उसे पत्नी सरिता, पुत्र शिवराम को लाठी डंडा एवं सरिया प्रहार कर घायल कर दिया। जिससे पिता पुत्र मां तीनों घायल हो गए।

स्मार्ट रोड पर लगी लाइटें बनी शोपीस

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शहर में सुभाषनगर स्मार्ट रोड पर रात में अंधेरा रहता है। सड़क पर लगी स्ट्रीट लाइटें शोपीस बनकर कर रह गई। जबकि स्मार्ट रोड दिन-रात चलता है और लूटपाट का भय बना रहता है। सदर बाजार थाना क्षेत्र में सुभाषनगर में स्मार्ट रोड लाखों रुपये खर्च करके बनाई गई है। यह रोड नेशनल हाईवे पर नगरिया पुलिस चौकी के पास मिलती है। जबकि सुभाषनगर कॉलोनी डाट वाले पुल तक बस गई है। लाखों रुपये खर्च करके सड़क पर स्ट्रीट लाइटें लगाई है। इन लाइटों को लगे करीब छह माह हो गए है और एक दिन भी लाइट नहीं जली है।

सुबह टहलने निकले सेवानिवृत्त शिक्षक की सड़क हादसे में मौत

बीसलपुर -पीलीभीत मार्ग पर अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौके पर गई जान

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचारः घर से टहलने निकले सेवानिवृत्त शिक्षक की सड़क हादसे में मौत हो गई। बीसलपुर-पीलीभीत मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उन्हें टककर मार दी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की।शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे की सूचना मिलने के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही।

नगर के मोहल्ला पटेल नगर निवासी केदारनाथ पुत्र श्रीराम सेवानिवृत्त शिक्षक थे। रविवार सुबह सात बजे वह रोज की तरह पीलीभीत बीसलपुर मार्ग पर टहलने के लिए निकले थे। कस्बे से कुछ दूरी पर नहर के आगे पहुंचते ही किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रुप से घायल हो गए। 62 वर्षीय केदारनाथ ने कुछ ही देर में मौके पर दम तोड़ दिया। बुजुर्ग को सड़क पर पड़ा देख कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

हालांकि की बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। शव की शिनाख्त करने के बाद पुलिस ने परिवार वालों को सूचना दी। जिसके बाद परिवार वाले भी आ गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। पुलिय ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सेवानिवृत्त शिक्षक के परिवार में चीख पुकार मची रही।

मौके पर जानकारी करती पुलिस। ● अमृत विचार

- शिनाख्त कराने के बाद पुलिस ने परिजनों को दी सूचना
- हादसे क बाद वाहन चालक मौके से फरार

सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हुई है। टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में जानकारी कराई जा रही है। परिवार से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। - **संजीव कुमार शुक्ला**, कोतवाल बीसलपुर

कैमरे की मदद से वाहन की तलाश

हादसे में जान गंवाने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक को टक्कर मारने वाले वाहन का पता नहीं चल सका है। इसे लेकर कोई आसपास का नागरिक भी कुछ नहीं बता सका। ऐसे में पुलिस अब आसपास मार्ग पर लगे सीसीटीवी के फुटेज चेक कर रही है। हादसे के वक्त कौन -कौन से वाहन गुजरे, इसे लेकर पड़ताल की जा रही है। परिवार से भी कार्रवाई के लिए तहरीर मांगी गई है।

बजाज शुगर मिल के महाप्रबंधक से की मारपीट

शाहजहांपुर, अमृत विचारः बंडा में बजाज हिंदुस्तान शुगर चीनी मिल के उत्पादन वरिष्ठ महाप्रबंधक को सफाई कर्मचारियों के सुपरवाइजर से घेर लिया। आरोप है कि महाप्रबंधक को डंडे और धारदार हथियार से प्रहार करके घायल कर दिया। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बंडा थाना क्षेत्र मकसूदापुर में स्थित आफीसर कॉलोनी निवासी पवन कुमार गुप्ता ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड चीनी मिल वरिष्ठ महाप्रबंधक उत्पादन के पद पर कार्यरत है। शनिवार सुबह 9 बजे प्लांट गेट से अपने कार्यालय की तरफ स्टोर हेड परवीन सक्सेना के साथ पैदल जा रहे थे। रास्ते में अचानक सफाई कर्मचारियों का सुपरवाइजर सूरज निवासी उदय टिकरी थाना बंडा ने बेटे अनुज कुमार और अरुण कुमार के साथ उन्हें घेर लिया और गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उनको डंडे और धारदार हथियार से प्रहार कर दिया।

यूनिटी मार्च का पोस्टर लांच सांसद-मंत्री होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- राष्ट्रीय गौरव जगाने वित्त मंत्री -सांसद निकालेंगे यूनिटी मार्च

अमृत विचारः राष्ट्रीय गौरव जगाने और समाज के प्रति लोगों में जिम्मेदारी बढ़ाने के लिए सोमवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और सांसद अरुण सागर खिरनी बाग राम लीला मैदान से दोपहर 12 बजे यूनिटी मार्च निकालेंगे।

रविवार को कलेक्ट्रेट में पत्रकार वार्ता कर वित्त मंत्री ने बताया मार्च का उद्देश्य एकता की भावना को मजबूत करना है। इसमें यूथ से लेकर वरिष्ठ नागरिक तक सभी भाग लेंगे। विशेष रूप से देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम व हर तरह से भारत को एक रखने एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लोगों को प्रेरित करना मार्च का उद्देश्य है। हमारे देश में देशभक्ति की भावना को और ज्यादा मजबूत करने की जरूरत है। इसीलिए रन फॉर यूनिटी का आयोजन 31 अक्टूबर को किया गया था। इसी उद्देश्य से एक भारत, आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य से इस यात्रा के उद्देश्य को आगे बढ़ाएंगे। सोमवार दोपहर 12 बजे इसके लिए सभी खिरनी बाग रामलीला मैदान में एकत्र होंगे। यहां ये अंटा चौराहे से अंजान चौकी चौराहा, घंटाघर, बहादुरगंज, सदर होते हुए एसपी कॉलेज गेट पर यात्रा पहुंचेगी। यहां एक ब्रेक होगा। लगभग आधे घंटे में यहां कॉलेज स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। जिसमें कॉलेज के विद्यार्थी भी हिस्सा लेंगे। यहां से यात्रा गांधी भवन पहुंचेगी और शाहजहांपुर के अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और रोशन सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण होगा। इसके साथ ही महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा। फिर कवि तिराहा होते हुए यात्रा रोडवेज पहुंच कर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। फिर स्टेशन रोड होते हुए महिला थाने के सामने से जलालनगर बजरिया होते हुए निगोही रोड पर एक मैदान में सार्वजनिक सभा होगी। इसके बाद यात्रा का समापन होगा। इसके अलावा वित्त मंत्री ने वार्ता के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही जनहित की योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया।

विश्व शांति व जन कल्याण के लिए किया यज्ञ

यज्ञ में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचारः स्टेशन रोड पर स्थित शान्तिकुंज हरिद्वार की ओर से संचालित गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को विश्व शांति व जन कल्याण के लिए गायत्री यज्ञ कराया गया। इस दौरान गोष्ठी व सामूहिक जप ध्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों ने भागीदारी की। गायत्री परिवार ट्रस्ट बीसलपुर के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी सत्यपाल सिंह यादव ने कहा कि आज के परिवर्तनकारी युग में जागृत और जीवंत प्रतिभाशाली कर्मवीरों की बहुत आवश्यकता है। कहा कि समस्त परिजन नवयुग के निर्माण में अपनी भागीदारी का संकल्प लें।

पांच दिवसीय शैक्षणिक महोत्सव शुरू

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः उपाधि महाविद्यालय के 61 वर्ष पूरे होने पर पांच दिवसीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव नवप्रवाह का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन मुख्य अतिथि नगर पालिकाध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर पहुंचे और दीप प्रज्जवलन करके इसकी शुरुआत कराई।

संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ.राखी मिश्रा की किताब का अतिथियों ने विमोचन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराए गए। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति बच्चों ने दी। सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। एक विज्ञान प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसे अतिथियों ने देखा और मॉडल से संबंधित सवाल जवाब किए। इस मौके पर जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट, प्राचार्य डॉ.दुष्यंत कुमार, प्रबंध समिति सचिव मुरली मनोहर अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, विनय कुमार गर्ग, विपन नीरज, शैफाली सक्सेना, पुष्प कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ.एसपीएस संधू आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत कराती पालिकाध्यक्ष डॉ .आस्था अग्रवाल। ● अमृत विचार

- चेयरमैन और सिटी मजिस्ट्रेट रहे मुख्य अतिथि

बिजली कटौती से परेशान हुए लोग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : साप्ताहिक अवकाश के दिन बिजली व्यवस्था चरमराई रही। कई इलाकों में सुधार कार्य और मेटेंनेस कार्य के चलते सप्लाई बाधित रही। सूचना पर टीम भेजकर सुधार कराया जाता रहा।

रविवार को साप्ताहिक अवकाश का दिन था। घरों पर कामकाज निपटाने की तैयारियां चल रही थी। मगर इसी बीच बिजली कटौती की समस्या ने घेर लिया। मोहल्ला सुनगढ़ी में सुबह दस बजे के बाद जंपर में खराबी आ गई। इसकी सूचना मिलने पर पावर कॉरपोरेशन की टीम मौके पर भेजी गई। जिसके बाद सुधार कराया जा सका। हालांकि काफी देर बिजली गुल रही। दोपहर में रामलीला क्रासिंग के पास घनश्याम कॉलोनी में बत्ती गुल हो गई। इसकी सूचना पर दूसरी टीम को भेजा गया। राजीव कॉलोनी में भी सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक बत्ती गुल रही। बताते हैं कि ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस वर्क चल रहा था। संयस नगर कॉलोनी, निरंजनकुंज कालोनी में दिक्कत रही। 33 केवी नकटादाना लाइन ट्रिप हो गई। जिसके बा संबंधित क्षेत्र की बिजली शाम को गुल हो गई। मोहल्ला अशरफ खां, आसफजान, आवास विकास कालोनी, खुदागंज समेत कई इलाकों में भी बिजली गुल रही। इसका देर शाम तक सुधार चला और फिर छह बजे के बाद सप्लाई चालू हो सकी।

लाइन ट्रिप होने पर मरम्मतकरती टीम।

ट्रांसफार्मर पर मेंटेनेंस करता कर्मचारी।

- कहीं चला मेंटेनेंस कार्य तो कहीं हुए फाल्ट, दौड़ती रही टीमें

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

धूमधाम से निकाली खाटू श्याम की निशान यात्रा

संवाददाता, खुटार

अमृत विचारः खुटार में खाटू श्याम का चतुर्थ भव्य संकीर्तन महोत्सव 12 को मनाया जाएगा। इसी को लेकर नगर में निशान यात्रा निकाली गई। कलाकरों ने भगवान के स्वरूप में सजकर झांकिया निकाली। यात्रा में बज रहे डीजे पर भक्ति भजनों पर बच्चों, युवाओं, महिलाएं व कलाकारों ने नृत्य किया। इसके साथ ही भक्तों ने एक दूसरे पर अबीर गुलाल रंग डालकर खूब आनंद लिया।

नगर में खाटू श्याम की ज्योति निकलने के दौरान भक्तों ने मत्था टेका और प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद मां पंथवारी रोड पर जागरण दरबार में ज्योति स्थापित की गई। नगर में श्री खाटू श्याम परिवार की ओर से 12 नवंबर दिन बुधवार को संकीर्तन महोत्सव एवं भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके उपलक्ष में रविवार को (राजस्थान) श्री खाटू श्याम से लाई गई पवित्र ज्योति के साथ ही निशान यात्रा निकाली गई। खुटार की सीमा गुटैया पुल पर श्री श्याम परिवार के सदस्यों का माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

निशान यात्रा गुटैया पुल से नगर के खुटार बंडा मार्ग पर स्थित मां पंथवारी मंदिर पहुंची। वहां से भगवान श्री गणेश जी, भोलेनाथ माता पार्वती, राधा कृष्ण, खाटू श्याम, हनुमान, काली माता, मां सरस्वती, दुर्गा माता आदि कई देवी देवताओं के स्वरूपों में सजे कलाकरों की झांकियां के साथ निशान यात्रा निकाली गई। यह यात्रा नगर के मेन मार्केट से होती हुई तिकुनियां चौराहा, मैलानी मार्ग पर स्थित लंगोटी बाबा स्थान से होकर वापस जागरण पंडाल में संपन्न हुई।

चालकों को यातायात नियमों का पढ़ाया पाठ

शाहजहांपुर, अमृत विचारः यातायात माह नवंबर के तहत रोडवेज बस अड्डे के सामने टीएसआई विनय कुमार पांडेय ने यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक किया।

उन्होंने लोगों से कहा कि बाइक चलाते समय हेलमेट और वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, शराब पीकर वाहन न चलाए, बाइक पर दो से अधिक न बैठे, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, ओवरटेक करते समय देखकर ओवरटेक करें और यातायातों के नियमों का पालन करें। टीएसआई ने कहा कि केले के छिक्कल सड़क पर न फेंके, जिससे दो पहिया वाहन रपटने का डर रहता है। उन्होंने लोगों को पुष्प देकर सम्मानित किया। उन्होंने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर 300 वाहनों का चालान किया।

कचरे के ढेर हटाकर पार्क बनवाया संचालन की व्यवस्था गड़बड़ाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : ईदगाह रेलवे क्रॉसिंग के पास बनवाए गए राजघाट पार्क पर अधिकांश समय ताले लटके रहते हैं। ऐसे में इसका लाभ आसपास के लोगों को नहीं मिल पा रहा है। साफ सफाई को लेकर भी व्यवस्था बेहतर नहीं हो सकी है।

बता दें कि रोडवेज के आगे देवहा नदी किनारे ईदगाह रेलवे क्रॉसिंग के पास पूर्व में कूड़े के ढेर लगे रहते थे। तत्कालीन डीएम पुलकित खरे ने शहर में चौराहा और पार्कों के सौंदर्यीकरण की मुहिम चलाई थी। जिसके तहत कई काम कराए गए थे। इसी में इस स्थान पर भी पार्क स्थापित कराया गया था। उनका तर्क था कि जब लोग बरेली हाईवे से पीलीभीत शहर में एंट्री करते हैं, तो कूढ़े के ढेर सबसे पहले दिखते हैं। जिससे एक गलत छवि बाहर से आने वाले लोगों के मन में बनती है। इसलिए यहां पर एक पार्क स्थापित करने पर विचार किया गया। इस पर काम भी हुआ और फिर कूड़े के ढेर के स्थान पर पार्क बनवाया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित कराई गई थी।

इस पार्क को बताते हैं कि एक संस्था को संचालन के लिए दिया गया था। कुछ दिन तक यहां पर लोग पहुंचे भी लेकिन पिछले काफी समय से पार्क पर अधिकांश समय ताले पड़े रहते हैं। नगरपालिकाध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल का कहना है कि पूर्व में ही इसका संचालन कराने के लिए एक संस्था को हैंडओवर कर दिया था। दिन में अधिकांश वक्त अगर पार्क बंद रहता है तो इसके संबंध में संस्था को पत्राचार किया जाएगा।

दोपहर के वक्त राजघाट पार्क पर लटके ताले।

- एक संस्था को हैंडओवर किया जा चुका है पार्क, दिनभर लटकते हैं ताले
- ईदगाह रेलवे क्रॉसिंग के पास देवहा से सटे इलाके में बना है राजघाट पार्क

न्यूज डायरी

आज से शुरू होगा मझोला महोत्सव

मझोला, अमृत विचार : कस्बे के खेल मैदान पर सोमवार से मझोला महोत्सव की शुरुआत होगी। दूर दराज से लोग इसमें पहुंचेंगे। इसे लेकर समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई है। पंजाब के प्रसिद्ध कलाकारों और राजस्थान दिल्ली के भी कई कलाकार आएंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह ने टीम के साथ पहुंचकर तैयारियों को परखा और लोगों से पहुंचने की अपील करते हुए प्रचार किया।

डंपर खराब होने के बाद सड़क पर लगा जाम

मझोला, अमृत विचार : कस्बा मझोला की बाजार में रविवार दोपहर एक डंपर खराब होने के बाद सड़क पर खड़ा हो गया। इससे आवागमन बाधित हो गया और जाम के हालात बन गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहनों को एक-एक साइड से निकलवाना शुरू किया। बताते हैं कि तकनीकी खराबी आने पर डंपर सड़क ही खड़ा हो गया था। करीब दो घंटे बाद भी सुधार न होने पर डंपर को साइड में खड़ा कराया गया।

लक्ष्मण शक्ति की लीला देख भावुक हुए दर्शक

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर में चल रहे रामलीला मेले में रविवार को कलाकारों ने लक्ष्मण शक्ति की लीला का मंचन किया। इसमें दिखाया गया कि राम रावण युद्ध के दौरान भगवान राम की आज्ञा पाकर लक्ष्मण मेघनाद से युद्ध करने लग जाते हैं ।जब मेघनाद को लगता है कि लक्ष्मण को पराजित करना मुश्किल है। तब वह लक्ष्मण पर ब्रह्म शक्ति चला देता है। ब्रह्म शक्ति लगते ही लक्ष्मण मूर्छित हो जाते हैं। जिससे राम दल में हाहाकार मच जाता है ।हनुमान लक्ष्मण को मूर्छित अवस्था में राम के पास ले जाते हैं ।लक्ष्मण को देख राम विलाप करने लग जाते हैं। विभीषण राम को बताते है कि लंका में वैद्य सुषेण हैं जो लक्ष्मण को ठीक कर सकते हैं। हनुमान, सुषेण वैद्य को लेकर आते हैं ।सुषेण वैद्य हिमालय पर्वत से संजीवनी बूटी लाने की बात कहते हैं ।हनुमान बूटी लाने के लिए हिमालय से बूटी लेकर आते हैं ।लक्ष्मण की मूर्छा दूर होती है। चारों ओर जय श्री राम के जयकारे गूंज उठे।

दादा दादी , नाना-नानी दिवस पर बच्चों ने मचाई धूम

पीलीभीत, अमृत विचार : बेनहर किड्स वर्ल्ड में दादा -दादी व नाना-नानी दिवस धूमधाम से मनाया गया। नर्सरी इंचार्ज मोहिनी उपाध्याय के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चो ने दादा-दादी , नाना-नानी के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। मैनेजिंग डायरेक्टर परविंदर सिंह सैहमी के द्वारा दीप प्रज्वलित करके शुरुआत कराई गई। फाउंडर ऑफ़ बेन-हर रंजीत सैहमी , एडीएम न्यायिक रोशनी यादव अतिथि रहे। ग्रैंडपेरेंट्स को बैच लगाकर सम्मानित किया गया। बताया कि दादा-दादी , नाना-नानी हमारे परिवार का एक अहम हिस्सा होते हैं। वे हमें अपने जीवन के अनुभव, कहानियों वह जीवन के महत्वपूर्ण पाठों से समृद्ध करते हैं। बच्चों ने अपने दादा-दादी नाना-नानी के लिए विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी। रैंप वॉक, संस्कृत में सरस्वती वंदना, मनमोहक नृत्य, कविता पाठ आदि किया गया। संचालन काशफा और सलोनी जायसवाल ने किया।

न्यूज ब्रीफ

सीओ ने भीरा थाने का किया निरीक्षण

भानपुर,अमृत विचार : सीओ गोला रमेश कुमार तिवारी ने रविवार को भीरा थाने का औचक निरीक्षण किया। मालखाने का निरीक्षण कर अभिलेखों का मिलान किया। वहां रखे सामानों की स्थिति देखी। भोजनालय, कार्यालय परिसर व पुलिस कर्मियों के आवासीय परिसर की साफ-सफाई की व्यवस्था भी देखी। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी।

गैंगस्टर एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

पलियाकलां,अमृत विचार : गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे एक आरोपी को गौरीफंटा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। पुलिस के मुताबिक पलिया कलां के मोहल्ला किसान दो निवासी विशाल पुत्र घनश्याम गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी, जिसे गिरफ्तार कर पुलिस ने चालान भेजा है।

छीना गया मोबाइल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

बेहजम,अमृत विचार : थाना नीमगांव की पुलिस चौकी सिकंद्राबाद के गांव इब्राहीमपुर के पास 14 अक्टूबर को बाइक सवार दो युवक गांव सोनौरी निवासी अकमल खां का मोबाइल छीन लिया था और भाग निकले थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर युवकों की तलाश कर रही थी। थानाध्यक्ष आशीष सहरावत ने बताया कि पुलिस ने रिंकू निवासी जम्दौरा को गिरफ्तार किया है। उसके पास से छीना गया मोबाइल बरामद हुआ है। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की है।

दुष्कर्म के आरोपी का भेजा चालान

मैलानी, अमृत विचार : मैलानी थाना क्षेत्र के गांव छेदीपुर निवासी शेशनाथ ने चार दिन पूर्व शौच को गई नाबालिग से गन्ने के खेत में मारपीट कर दुष्कर्म किया था। पीड़िता की मां की तहरीर पर पाक्सो एक्ट सहित विभिन्न धराओं में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

हादसों का सिलसिला जारी, एक से आठ नवंबर के बीच हो चुकी हैं 16 लोगों की मौतें

यातायात माह : जागरुकता कार्यक्रमों तक सिमटा अभियान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

इन्हें जान तक की नहीं परवाह, बाइक पर पांच सवार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: हादसों की रोकथाम के लिए पहली से 30 नवंबर तक यातायात माह मनाया जाता है। इस दौरान लोगों को नियमों की जानकारी कराने और जागरूक करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रमों के आयोजन तो हो रहे हैं, लेकिन हादसे नहीं रुक रहे। पहली से आठ नवंबर तक हादसों में 16 मौतें हो चुकी हैं।

सड़क हादसों को रोकने और यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से जिले में एक से 30 नवंबर तक यातायात माह मनाया जा रहा है। स्कूल-कॉलेजों में जागरुकता कार्यक्रम, रैलियां और हेलमेट-जागरुकता अभियान जैसे आयोजन जारी हैं, लेकिन जमीन पर तस्वीर अलग है। जागरपकता कार्यक्रमों के बीच सड़क हादसों में कमी नहीं आई है। माह की शुरुआत से ही जिले की सड़कों पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। सिर्फ आठ दिनों में 16 लोगों की मौत हो गई।

इसकी वजह है कि यातायात नियमों की परवाह किए बगैर बाइक पर पांच और छह सवारियां लेकर बिना हेलमेट फर्राटा भरना। तेज गति वाहन चलाना। परिवहन विभाग, पुलिस, स्कूली बच्चों और एनजीओ की मदद से लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य बताते हुए लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई जा रही है, लेकिन इन सबके बावजूद सड़क पर लापरवाही थम नहीं रही। तेज रफ्तार, ओवरटेकिंग, शराब पीकर वाहन चलाना, बिना हेलमेट व बिना लाइसेंस वाहन चलाने जैसे कारण हादसों की बड़ी वजह बने हुए हैं।

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का मत

विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल अभियान और औपचारिक कार्यक्रम पर्याप्त नहीं हैं। सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए निरंतर निगरानी, चालक प्रशिक्षण, सड़क संकेतों की व्यवस्था, खराब सड़कों की मरम्मत और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। उनका यह भी कहना है कि यातायात माह का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को आदत बनाना है, सिर्फ एक औपचारिकता नहीं। जब तक लोग स्वयं नियमों को अपनी जिम्मेदारी समझकर पालन नहीं करेंगे, तब तक सड़क पर मौत का यह सिलसिला रुक पाना मुश्किल है।

मृतकों के परिजनों का छलका दर्द

मृतकों के परिजनों का दर्द दिल को झकझोरने वाला है। घरों के चिराग बुझने से कोहराम मचा हुआ है। परिजन सवाल उठा रहे हैं कि सिर्फ कार्यक्रम कर लेने से सड़क सुरक्षा नहीं सुधरेगी। जब तक सख्ती नहीं होगी और सड़क पर नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं होगा, ऐसे हादसे नहीं रुकेंगे।

तीव्र गति और मॉर्निंग/ईवनिंग टाइम में अधिक घटनाएं

हादसों का विश्लेषण बताता है कि अधिकतर दुर्घटनाएं सुबह और शाम के व्यस्त समय में हुईं। हाईवे और ग्रामीण मार्गों पर दौड़ती तेज रफ्तार गाड़ियां हादसों को न्योता दे रही हैं। कई मामलों में बाइक सवार बिना हेलमेट के मिले, जिससे मामूली गलती भी जानलेवा साबित हुई।

सड़क पर बढ़ाई जाएगी सख्ती

स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन ने बढ़ते हादसों को गंभीरता से लेते हुए अब सड़क पर चेकिंग अभियान तेज करने की बात कही है। यातायात उप निरीक्षक सचिन गंगवार का कहना है कि बिना हेलमेट बाइक चालकों, ओवरलोड वाहन और तेज रफ्तार गाड़ियों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही स्कूल व कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम और बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने तथा सड़क पर सावधानी बरतने की अपील की है। कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है, लेकिन इसमें जनता की भागीदारी सबसे अहम है।

ब्राउन शुगर के साथ दो नेपाली गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार: गौरीफंटा पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने नेपाल से आए दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 11.97 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपी उपेन्द्र बहादुर शाह और जनक बहादुर नगर पालिका बुढ़ी गंगा वार्ड नंबर 04 थाना बमका जिला बाजुरा नेपाल के रहने वाले हैं। पुलिस ने उपेंद्र बहादुर के पास से 6.13 और जनक बहादुर के पास 5.84 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद होने का दावा किया है। एसआई प्रमीत कुमार ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान भेजा है।

बतादें कि सीमा पर ब्राउन शुगर की बढ़ती मांग ने दोनों देशों के सीमावर्ती थारू जनजाति के युवाओं को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया है।

आरटीओ चालान लिंक बना आफत खाते से उड़ाए 2.84 लाख रुपये

साइबर ठगों ने व्हाट्सएप पर भेजा था लिंक, क्लिक करते ही हैक हो गया मोबाइल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● साइबर ठगों ने लोगों को ठगने के नए-नए तरीके निकाले

अमृत विचार: तकनीक के इस दौर में साइबर ठगों ने लोगों को ठगने के नए-नए तरीके निकाल लिए हैं। अब ठग आरटीओ चालान के नाम पर व्हाट्सएप लिंक भेजकर लोगों के खाते खाली कर रहे हैं। कोतवाली सदर के गांव ओदरहना निवासी एक युवक के साथ भी ऐसा ही हुआ, जहां एक क्लिक ने उसकी मेहनत की कमाई 2,84,500 पलभर में उड़ा दी।

महेवागंज चौकी क्षेत्र के गांव ओदरहना निवासी अरुण सिंह ने बताया कि उनका खाता एचडीएफसी बैंक लखीमपुर शाखा में है। सुबह उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉलर ने खुद को एचडीएफसी बैंक का कर्मचारी बताया। कुछ ही देर बाद उनके व्हाट्सएप पर आरटीओ चालान एप्लीकेशन नाम से एक लिंक आया। कॉलर ने कहा कि यह आरटीओ चालान से जुड़ा एक जरूरी अपडेट है, जिसे लॉगिन करना होगा। अरुण सिंह ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल अचानक फ्रीज हो गया। कुछ ही मिनटों में उनके मोबाइल पर बैंक से रुपये निकलने के मैसेज आने लगे। जब तक वह कुछ समझ पाते, उनके खाते से 2,84,500 रुपये निकाल लिए गए थे। घबराकर उन्होंने तुरंत साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि उनके मोबाइल की कॉल रीडायरेक्शन किसी दूसरे नंबर पर सक्रिय कर दी गई थी।

पीड़ित ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और आईटी एक्ट की धारा 66 डी के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की विवेचना वह स्वयं कर रहे हैं। साइबर टीम की मदद से लाभार्थी खाते और कॉल रीडायरेक्शन नंबर का पता लगाया गया है। जल्द ही प्रकरण का खुलासा किया जाएगा।

सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानियां

- अनजान लिंक या ऐप्स पर क्लिक न करें।
- बैंक या आरटीओ से जुड़े कामों के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट/ऐप का इस्तेमाल करें।
- कॉल फॉरवर्डिंग या ड्यूल सिम सेटिंग्स नियमित रूप से जांचें।
- कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत बैंक हेल्पलाइन और साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत करें।
- जागरूक रहें और किसी भी अनजान लिंक या कॉल पर भरोसा न करें।

क्या कहते हैं साइबर विशेषज्ञ

साइबर विशेषज्ञों के अनुसार इस तरह के मामलों में ठग फिशिंग लिंक भेजते हैं, जो क्लिक करते ही मोबाइल में मैलवेयर इंस्टॉल कर देता है। यह मैलवेयर फोन के एसएमएस, ओटीपी और कॉल डेटा को रीडायरेक्ट कर देता है, जिससे ठग बैंक खातों से लेनदेन कर पाते हैं।

खेत पर कब्जे को लेकर मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के गांव रामनगर कला निवासी बलवीर ने बताया कि वह 7 नवम्बर की दोपहर करीब 2 बजे अपने खेत में गेहूं की बुवाई देखने गया था। इसी दौरान पहलवान पुत्र रामऔतार, कन्हैया, कंधई और तीन अज्ञात व्यक्ति महिंद्रा ट्रैक्टर पर सवार होकर उसके खेत की जुताई कर रहे थे। जब उन्होंने उनसे खेत जोतने का कारण पूछा तो पहलवान ने तमंचा निकालकर उसके माथे पर तान दिया और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि कन्हैया, कंधई सहित पांचों लोगों ने मिलकर लात-घूंसों सेजमकर मारा-पीटा और गला दबाकर हत्या करने की कोशिश भी की। शोर सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने बीच-बचाव किया। जाते-जाते आरोपियों ने गालियां दीं और दोबारा खेत में आने पर जान से मारने की धमकी दी। बलवीर ने आरोप लगाया कि उक्त लोगों ने जबरन उसके खेत पर कब्जा भी कर लिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीएलओ ने घर-घर जाकर भरवाए गणना प्रपत्र

अमीरनगर में मतदाताओं से गणना फार्म भरवाते बीएलओ तौहीद बेग। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● 4 दिसंबर तक चलेगा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत बीएलओ घर घर जाकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं।

अमीरनगर में बीएलओ तौहीद बेग द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने, स्वच्छता और सुरक्षा के बारे में भी बताया गया। बीएलओ ने बुजुर्ग और दिवयांग मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में सहयोग भी किया। बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र की दो प्रतियां देकर मतदाता को अपना एवं माता, पिता अथवा दादा, दादी का विवरण भरवाया है।

बीएलओ तौहीद बेग ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत सभी मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाने की प्रक्रिया का कार्य 4 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगा। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पूरी तरह से मतदाता और मतदान के हित में है। इसमें सभी पात्र नागरिकों युवाओं और महिलाओं को शामिल किया जाएगा।

प्रशिक्षु आईएएस ने देखी कॉरिडोर की प्रगति

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला में कॉरिडोर सौंदर्यीकरण का निर्माण कार्य देखते प्रशिक्षु आईएएस। ● अमृत विचार

● छोटी काशी के पौराणिक शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

● साप्ताहिक भ्रमण में टीम देखेगी ग्रामीण, नगरीय विकास कार्य

अमृत विचार:रविवार को प्रयागराज से आए 12 प्रशिक्षु आईएएस अफसरो ने पौराणिक शिव मंदिर में जलाभिषेक कर छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण की प्रगति का निरीक्षण कर यूपीपीसीएल के अवर अभियंता से कराए जा रहे निर्माण कार्यों, पौराणिक शिव मंदिर के इतिहास और पौराणिक मान्यता आदि की जानकारी ली। 16 नवंबर तक प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी जनपद में भ्रमण कर ग्रामीण, नगरीय विकास कार्यों का निरीक्षण भी करेंगे।

रविवार को छोटी काशी पहुंचे 12 प्रशिक्षु आईएएस टीम ने बीडीओ आत्मप्रकाश रस्तोगी के साथ पौराणिक शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। पुजारी शिवम मिश्रा ने विधि विधान से अधिकारियों को पूजन कराया। प्रशिक्षु आईएएस दल ने पौराणिक शिव मंदिर के प्राचीन इतिहास, इसकी पौराणिक मान्यताओं आदि के बारे में जानकारी ली। यूपीपीसीएल के जेई नितिन सिंह से प्रशिक्षुओ ने शिव मंदिर कॉरिडोर में कराए जा रहे हैं निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर परियोजना का नक्शा देखा। मौजूद अधिकारियों से योजना की जानकारी ली। साप्ताहिक भ्रमण में प्रयागराज से आए प्रशिक्षु आईएएस की टीम 16 नवंबर तक जनपद के ब्लॉक, नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य, रहन सहन, सरकारी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाएं देखेंगे और अपनी रिपोर्ट बनाकर जिलाधिकारी को सौंपेंगे।

निरीक्षण में ट्रेनी आईएएस प्रवीण कुमार, दिव्यांशु शांडिल्य, दीपक चौधरी, सोनम सोरेन, राजन चितरौला, आदर्श सीएस, श्रीरंग काबरे, सागर, गौरव सिंह, अभिषेक जायसवाल, लिंगडु जोशी बाबू, वन विभाग, फॉरेन सर्विसेज के ट्रेनी अफसर, कानूनगो अरुणेश मिश्रा, लेखपाल अनिल त्रिपाठी, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा आदि मौजूद रहे।

बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: भारतीय हिंदू परिषद गो रक्षा दल की बैठक बाईपास पर निकट वन स्टाप ऑटोमोटिव्स टाटा एजेंसी के निकट दल के जिलाध्यक्ष परमेश कुमार दीक्षित की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गोरक्षक दल को मजबूती देने को लेकर चर्चा की गई, जिसमें संगठन विस्तार, वार्षिक अधिवेशन व हस्ताक्षर अभियान के प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि तहसील, नगर, ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर के पदाधिकारियों की सहभागिता अनिवार्य है। जिससे संगठन को मजबूती प्रदान हो सके। लखीमपुर गो रक्षा दल प्रकोष्ठ के प्रत्येक पदाधिकारी, सदस्य संगठन परिवार के प्रति तन, मन, धन से फर्ज को निभाते रहते हैं। जो आगे भी बरकरार रहना चाहिए। बैठक में अनुशासन प्रमुख राजकिशोर त्रिवेदी, जिला मीडिया प्रभारी पंकज मिश्रा, नगर अध्यक्ष अनिल वर्मा आदि रहे।

गुजरात में एटीएस के हत्थे लगा सिंगाही का युवक

● आईएसआईएस से जुड़े डॉक्टर को हथियार सप्लाई करने का आरोप

● आरोपी के घर पहुंची पुलिस, मां बोली-मेरे बेटे को झूठा फंसाया गया

संवाददाता, सिंगाही (लखीमपुर खीरी)

आरोपी सुहेल के परिजनों से पूछताछ करते एसओ अजीत कुमार। ● अमृत विचार

आरोपी सुहेल मोहम्मद।

अमृत विचार: गुजरात राज्य के बनासकांठा में एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) के हत्थे कस्बे के वार्ड नंबर एक झाला निवासी सुहेल भी लगा। यह खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। इस बीच रविवार शाम स्थानीय पुलिस आरोपी के घर पर पहुंची और पूछताछ की। साथ ही घर की तलाशी भी ली। इधर, आरोपी की मां रुकसाना ने बताया कि उनका बेटा आतंकवादी नहीं है, उसे गलत फंसाया गया है। वह मुजफ्फरनगर में रबी पढ़ने गया था। बीते जून में वह बकरीद पर घर आया था। उन्हें फोन पर यह सूचना मिली तो पिता बेहोश होकर गिर गए और पूरा परिवार सदमे में आ गया।

एसओ सिंगाही अजीत कुमार ने बताया कि उन्हें टीवी चैनल से सिंगाही के वार्ड नंबर एक निवासी सुहेल (23) के गुजरात में पकड़े जाने की सूचना मिली है। उस पर आरोप है कि आईएसआईएस से जुड़े डॉक्टर को हथियार सप्लाई करता था। उसके साथ शामली निवासी आजाद सुलेमान शेख (20) को और अहमदाबाद से डॉ. मोहियुद्दीन सैयद (35) को भी गिरफ्तार किया गया है। सुहेल के देश विरोधी गतिविधियों में गिरफ्तार होने की खबर जब वायरल हुई तो जिले में हड़कंप मच गया।

ट्रैक्टर मिस्त्री सलीम का बेटा है सुहेल

आरोपी सुहेल कस्बे के वार्ड संख्या एक निवासी ट्रैक्टर मिस्त्री सलीम का मझला बेटा है। उसके बड़े भाई सुम्मी खां तमिलनाडु में कपड़ों का व्यापार करते हैं, जबकि छोटा भाई वसीम स्थानीय स्तर पर एसी मरम्मत का काम करता है। परिवार वालों के मुताबिक सुहेल करीब तीन वर्ष पहले हाफिज की तालीम के लिए मुजफ्फरनगर गया था और बीच-बीच में घर आता-जाता रहा। परिवार ने बताया कि वह करीब बकरीद पर घर आया था और एक सप्ताह पहले गुजरात गया था।

पुलिस ने परिवार से की पूछताछ, निगरानी बढ़ाई

एसओ अजीत कुमार ने बताया कि आरोपी के परिवार से पूछताछ की गई है और सामान्य सतर्कता के तहत निगरानी बढ़ाई गई है। आगे की कार्रवाई केंद्रीय एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के किसी भी सूचना को साझा न करें और जांच पूरी होने तक किसी भी निष्कर्ष पर न पहुंचें।

वन विभाग ने रखवाया पिंजड़ा, लगाए कैमरे

संवाददाता, पलियाकलां

कैमरे लगाने के बाद वन विभाग की टीम।

● बसंतापुर में जंगल की ओर जाते बाघ के मिले पग चिह्न

अमृत विचार: गांव मकनपुर एवं बसंतापुर में बाघ द्वारा शिकार किये गए पालतू पशुओं के बाद वन विभाग ने जहां पिंजड़े रखवा कर ट्रैप कैमरे लगवा दिए हैं, वहीं गस्त भी तेज कर दी गई है।

दुधवा टाइगर रिजर्व क्षेत्र के जंगलों से बाहर निकल कर गन्ने आदि में पहुंचे बाघ अब बस्तियों की ओर रुख करके पालतू पशुओं का शिकार कर रहे हैं। क्षेत्र के कई गांवों के लोग दहशत में है। लोग शाम होने से पहले ही खेतों में काम करना बंद कर घरों को चल देते हैं। बच्चों व महिलाओं को खेतों की ओर जाने से मना किया है। वन विभाग भी सतर्क है। पिंजड़े व कैमरे लगवाए जा रहे हैं। मकनपुर में एक पिंजड़ा रखवा दिया है, वहीं आसपास संभावित रास्तों पर रविवार को दस ट्रैप कैमरे लगवाए गए हैं। मझगई रेंजर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि वन कर्मचारी बसंतापुर कलां, बसंतापुर खुर्द ,अफीमी पुरवा, बुद्धा पुरवा, आदि ग्रामों में लगातार गस्त कर रहे हैं। क्षेत्र में तीन पिंजड़े व 12 कैमरे भी लगवाए गए हैं। पटाखे दगा कर बाघ को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है।

डीएम से मिले स्काउट गाइड पदाधिकारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को पत्रक भेंट करते स्काउट गाइड के पदाधिकारी।

● अनुशासन, सेवा और नेतृत्व से ही बनता है सशक्त राष्ट्र : डीएम

अमृत विचार: जिले में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का स्थापना दिवस बड़े उत्साह से मनाया गया। स्काउट गाइड के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल से भेंट की और उन्हें स्कार्फ एवं बैज लगाकर संस्था की ओर से सम्मानित किया।

जिला आयुक्त (गाइड) एवं एडल्ट रिसोर्स डॉ. ज्योति तिवारी तथा गाइडर संजीता शर्मा ने डीएम को संस्था का स्कार्फ और बैज पहनाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र और जिला प्रशिक्षण आयुक्त विष्णु दत्त भार्गव ने स्काउटिंग से संबंधित पत्रक भेंट किए। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव डॉ. केसी मिश्र ने किया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सभी पदाधिकारियों और विद्यार्थियों को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अनुशासन, सेवा व नेतृत्व के गुणों से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स संगठन इन मूल्यों को विद्यार्थियों में विकसित कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित कर रहा है। संगठन के अथक प्रयासों से युवा पीढ़ी में सेवा भाव, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास हो रहा है, जो राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। डीएम ने स्काउट गाइड गतिविधियों को विद्यालयों में और सशक्त बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग एक ऐसा आंदोलन है जो युवाओं में आत्मनिर्भरता, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक समरसता की भावना विकसित करता है।

मौलवी बाबा की मजार पर उमड़े अकीदतमंद

रोशननगर,अमृत विचार: थाना हैदराबाद क्षेत्र के कस्बा रोशननगर में मौलवी साहब बाबा के सालाना उर्स में पहले दिन कस्बे के आलावा आसपास गांव कैमा, परेली, कोरैया, लक्ष्मीपुर, बंजारगंज, नरसिंहपुर, बुधेली नानकार, वनबुधेली, अंबरपुर, वृंदावन दूलीपुर, हरगोविंदपुर, भगतपुर, रामपुर, लखैया, अंगदपुर, जमुनहां, छत्तीपुर, सरकारगढ़, रामपुर, सेखवापुर, जनकपुर, तुलफीपुर, ममरी, धिरावां समेत तमाम गांव से आए अकीदतमंदों ने मौलवी साहब बाबा की मजार पर चादर चढ़ाई और मन्नत मांग कर फातिया कराई। मजार पर खादिम रमजान शाह, शमीम अहमद ने अकीदतमंदों की चादरपोशी में मदद की। पुलिस गस्त करती रही। काफी भीड़ के चलते थाना अध्यक्ष सुनील कुमार मलिक ने भी उर्स में पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

100 से अधिक लोगों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता, केशवापुर

सेमरई स्वास्थ्य केंद्र में लोगों का परीक्षण करते डॉक्टर।

अमृत विचार: तहसील सदर के सीएचसी फरधान क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरई में लगाये गये स्वास्थ्य मेले में 100 से ज्यादा मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया गया। मेला में पहुंचे मरीजों में बुखार, कमजोरी व गर्भवती महिलाओं की जांचे की गई।

फरधान सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिंह ने बताया लैब असिस्टेंट द्वारा दोपहर 12 बजे तक 7 शुगर, 2 मलेरिया, 2 प्रेग्नेंसी, 5 हीमोग्लोबिन मरीजों की जांचे की गई हैं। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी ने बताया कि डॉक्टर सुधीप तिवारी का स्थानांतरण होने के कारण आयुर्वेदिक चिकित्सक स्वास्थ्य मेले में नहीं आ सके। लैब असिस्टेंट की पीएचसी सेमरई में तैनाती की गई जिससे अब मलेरिया, वायरल माकर, डेंगू, टायफाइड, हीमोग्लोबिन, शुगर, यूपीटी की जांचें शुरू हो गई हैं, जिससे मरीजों को राहत मिली है। स्वास्थ्य मेले में डॉ. आरके सिंह, डॉ. विनोद कुमार वर्मा, एएनएम अर्चना वर्मा, स्टाफ नर्स वंदना दीक्षित, लैब असिस्टेंट मोहम्मद साहिल सहित स्टाफ मौजूद रहा।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार,10 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विद्यार्थियों को नियमित कॉलेज भेजें अभिभावक

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज प्रांगण में हुई कक्षा 10 और कक्षा 12 के शिक्षक, अभिभावक गोष्ठी में अभिभावकों ने उत्तम शिक्षा के लिए सुझाव दिए। गोष्ठी का शुभारंभ कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा और प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन, दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों का उचित मार्गदर्शन एवं तैयारी को सुदृढ़ बनाना रहा। अभिभावकों ने शिक्षकों से संवाद स्थापित कर विद्यार्थियों की प्रगति एवं अध्ययन की स्थिति पर चर्चा की। प्रधानाचार्य श्री राजकुमार कनौजिया ने अभिभावकों से विद्यार्थियों के अध्ययन में सतत सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की तथा अनुशासन, समय प्रबंधन और आत्म विश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा ने विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी और विद्यालय, अभिभावक समन्वय को और सशक्त बनाने पर बल दिया। संचालन चंद्रेश अग्निहोत्री ने किया। गोष्ठी के समापन पर अभिभावकों ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना कर विद्यार्थियों की सफलता के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

सामान्य अध्ययन परीक्षा में 25 बच्चे शामिल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : एक योग संस्थान की आयोजित सामान्य अध्ययन की परीक्षा में कक्षा 12 उत्तीर्ण 25 बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नगर पालिका परिषद स्थित स्व. रामनरेश तिवारी पुस्तकालय में हुई सामान्य अध्ययन परीक्षा में नगर के विभिन्न कॉलेजों से कक्षा 12 उत्तीर्ण छात्र छात्राओं ने भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि शीघ्र ही परिणाम घोषित कर उच्च स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। परीक्षा की व्यवस्था में संचालक धर्मेंद्र कुमार तिवारी, प्रतिभा कश्यप, अंबे कश्यप, अनुज कुमार, योगेश शर्मा आदि लगे रहे।

बजरी से भरा ट्रक फंसने से लगा जाम

संसारपुर, अमृत विचार : बांकेगंज-संसारपुर मार्ग पर बजरी भरा ट्रक फंसने से भीषण जाम लग गया। सड़क के दोनों तरफ करीब दो किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गईं। हालत यह हो गई कि दोपहिया वाहन फंस से लोगों को अधिक दिक्कत हुई। बाइक सवार तो अन्य रास्तों से होकर निकल गए। करीब तीन घंटे बाद ट्रक को खाली कराया गया। तब जाकर सड़क से ट्रक हटा और यातायात शुरू हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क कम चौड़ी होने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है।

स्टेडियम गोला ने सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बनाई

गोला खेल महोत्सव के नवें दिन स्व. राजेंद्र गिरि स्टेडियम में हुआ फुटबॉल टूनामेंट

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद गोला द्वारा आयोजित युवा शक्ति का उत्सव गोला खेल महोत्सव के नवें दिन स्व. राजेन्द्र गिरि स्टेडियम में फुटबॉल टूनामेंट हुआ, जिसमें गोला स्टेडियम गोला ने सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में खेलने के लिए जगह बना ली।

फुटबॉल टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि डॉ. अभिषेक मेहरोत्रा, विशिष्ट अतिथि सभासद आनंद सोनी, विनोद स्वर्णकार, दीपेंद्र गुप्ता, विश्वनाथ राजपूत, दानिश राइन, डॉ. मनोज वर्मा, खेल महोत्सव संयोजक श्याममूर्ति शुक्ला एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने दीप प्रज्वलित कर फुटबॉल टूर्नामेंट का आरंभ किया। महोत्सव के आयोजक विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि गोला खेल महोत्सव में जो अभूतपूर्व सहयोग मिला है, इसके लिए सदैव आप सबका ऋणी रहूंगा। मुख्य अतिथि डॉ. अभिषेक मेहरोत्रा ने कहा कि फुटबॉल विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। इस भव्य आयोजन के लिए मै चेयरमैन विजय शुक्ला रिंकू को बधाई देता हूं। अतिथियों ने फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। रविवार प्रातः पहला मैच एसएस हास्पिटल जहानपुर और एलबीएस बाजार क्लब के मध्य खेला गया, जिसमें एसएस हास्पिटल जहानपुर 2-0 से विजयी रहा। दूसरा मैच नीची भूड़ घुसियाना ए और नीची भूड़ घुसियाना सी के बीच खेला गया, जिसमें नीची भूड़ ए 2-1 से जीत गई।

तीसरा मैच एमएस हास्पिटल जहानपुर बी और गोला स्टेडियम के मध्य खेला गया, जिसमें गोला स्टेडियम 2-0 से विजयी रहा। पहला सेमीफाइनल गोला स्टेडियम और आरएफसी ईदगाह के मध्य खेला गया जिसमें गोला स्टेडियम ने 2-1 से जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच रेफरी संतोष मौर्य, गोपाल सक्सेनारहे। फुटबॉल खेल प्रभारी कफील अहमद, सह प्रभारी आनंद किशोर गिरि भोली, सभासद सुफियान खान, अनिल गुप्ता, अनिल वर्मा, लेखाकार मोहित अवस्थी आदि खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विजयी टीम के साथ अतिथि और आयोजक। ● अमृत विचार

गोला खेल महोत्सव में आज

नगर पालिका परिषद द्वारा कराये जा रहे गोला खेल महोत्सव में फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल दोपहर 2.30 बजे से राजेंद्र गिरि स्टेडियम में और बैडमिंटन प्रतियोगिता सरायन नदी के पास अनिल वर्मा के बैडमिंटन कोर्ट में शाम छह बजे से।

गोला के राजेंद्र गिरि स्टेडियम में फुटबॉल खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

रंजिश में युवक पर चाकू से हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र के छाउछ चौराहा के पास एक युवक पर पुरानी रंजिश के चलते चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोहल्ला निर्मल नगर निवासी लवी उर्फ मिहीर गुप्ता ने बताया कि वह शनिवार शाम 4 बजे देसी चूल्हा रेस्टोरेंट के पास से घर लौट रहा था। वहां कन्नौजिया कॉलोनी निवासी पुरुषोत्तम राज एक अज्ञात साथी के साथ मौजूद था। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते दोनों ने उसकी बाइक रोक ली, उसे गालियां दीं और पुरुषोत्तम राज ने चाकू से सिर पर वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। सिर में गंभीर चोट आने के बाद आरोपियों ने उसे मारा-पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने घायल लवी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। शहर कोतवाल राजेश कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच एसआई सतेन्द्र कुमार दिवाकर को सौंपी गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

हफ्ते भर में चार चोरियों से पैला के लोगों में दहशत

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार: नीमगांव थाना क्षेत्र के पैला गांव में बीते एक सप्ताह के भीतर चोरी की चार घटनाओं ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। दीपावली के बाद से गांव में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से ग्रामीण दहशत में हैं। खास बात यह है कि पुलिस ने अब तक किसी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की है। इससे ग्रामीणों का आक्रोश है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

एक सप्ताह पहले पैला गांव के बाहर रहने वाले कन्हैया बढ़ई के घर से चोरों ने रात के अंधेरे में दो बकरियां चोरी कर लीं। परिवार ने खोजबीन की, लेकिन बकरियों का कोई सुराग नहीं मिला। इसी घटना के दो दिन बाद चोरों ने बसंत लाल नाई के दरवाजे के बाहर सिंचाई के लिए रखा पंपिंग सेट इंजन उठा ले गए। इसके बाद शुक्रवार की रात को चोरों ने सामुदायिक भवन के पास खड़े संदीप त्रिवेदी के ट्रैक्टर की बैटरी उखाड़ ली। उसी रात गांव के पश्चिमी छोर पर रहने वाले अनिल राज के घर में घुसकर चोरों ने कमरे में रखे बर्तन, कपड़े, पायल और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इन घटनाओं ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। चोरी की बढ़ती घटनाओं की जानकारी मिलने पर नीमगांव पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थलों का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली, लेकिन अब तक किसी भी चोर का सुराग नहीं मिल सका है।

ट्रैक्टर का चोर खोल ले गए बैटरा।

- चोरी की वारदातें बढ़ी, पुलिस की निष्क्रियता पर रोष
- अब तक किसी मामले में नहीं हुई एफआईआर दर्ज

ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस की रात्रि गश्त सिर्फ कागजों में सीमित है। घटनाएं लगातार हो रही हैं, मगर न तो पुलिस अपराधियों को पकड़ पा रही है और न ही पीड़ितों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हो रही है। गांव के बुजुर्ग रामलाल मिश्रा ने बताया कि पुलिस अगर समय से गश्त करती तो इतनी वारदातें नहीं होतीं। अब लोग रात में जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। एसओ आदित्य कुमार मौर्य ने बताया कि पीड़ितों की रिपोर्ट लिखी जाएगी। ग्रामीणों ने गांव में रात के समय पुलिस गश्त तेज करने मांग की है।

महिला की संदिग्ध हालत में मौत

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार: नीमगांव थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी व कस्बा बेहजम निवासी एक 28 वर्षीय महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि वह काफी समय से बीमार चल रही थी। उधर मायके पक्ष ने गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कस्बा बेहजम निवासी तबस्सुम (28) की शादी लुकमान निवासी बेहजम से करीब 5 वर्ष पूर्व हुई थी। बताया जाता है कि वह करीब एक साल से बीमार थी और उसका उपचार लखनऊ में चल रहा था। महिला के ससुराल वालों का कहना है कि उन्होंने बीमार होने की जानकारी कई बार मायके वालों को दी, लेकिन कोई देखने नहीं पहुंचा। इस बीच तबस्सुम की हालत लगातार बिगड़ती रही और रविवार को उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही नाते-रिश्तेदार और मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। मृतका के भाई रिजवान ने आरोप लगाया कि उनकी बहन की मौत गला दबाकर हत्या करने के कारण हुई है। सूचना पर पहुंचे बेहजम चौकी प्रभारी सिद्धांत पवार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो जाएगा।

विजयी टीम के साथ अतिथि और आयोजक। ● अमृत विचार

- मायके वालों ने लगाया गला दबाकर हत्या करने का आरोप

बहराइच ने पहले मैच में भेड़ौरा को 2-0 से हराया

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: कस्बे में रामलीला मेले के साथ आयोजित हो रहे महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट रविवार को बड़े उत्साह के साथ शुरू हुआ। टूर्नामेंट का शुभारंभ निघासन भाजपा विधायक शंशाक वर्मा ने फीता काटकर और फुटबॉल में किक मारकर किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान एमकेएम मेमोरियल पब्लिक स्कूल सिंगाही के बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसने मौजूद दर्शकों का दिल जीत लिया। पूरे मैदान में खेल और उत्सव का माहौल देखने को मिला। उद्घाटन मैच भेड़ौरा और बहराइच की टीमों के बीच खेला गया। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले हाफ में दोनों ओर से बेहतरीन डिफेंस और आक्रामक खेल देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी।

दूसरे हाफ में बहराइच की टीम ने खेल का रुख अपने पक्ष में कर लिया। मैच के चौथे मिनट में सुनील आले ने पहला गोल दागा, जबकि सोलहवें मिनट में रवि ने शानदार दूसरा गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। निर्धारित समय तक भेड़ौरा की टीम कोई गोल नहीं कर सकी। इस तरह बहराइच की टीम ने मुकाबला 2-0 से जीत लिया। इस अवसर पर फुटबॉल टूर्नामेंट के महामंत्री शिखर तिवारी, पूर्व महामंत्री सुनील बत्रा, नगर पंचायत चेयरमैन मोहम्मद कय्यूम, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर पांडेय श्यामू, पूर्व चेयरमैन प्रदीप पुरवार, विक्रमेंद्र भल्ला, डॉ. एमआर सेठी, डॉ. एनयू खान, रमा शाह, परमजीत सिंह, उमाकांत जायसवाल, अमर गुप्ता, एमकेएम स्कूल के प्रबंधक सुशांत पांडेय सहित बड़ी संख्या में दर्शक और स्थानीय खेल प्रेमी मौजूद रहे।

फुटबॉल में किक मारकर खेल का शुभारंभ करते विधायक शशांक वर्मा। ● अमृत विचार

- निघासन भाजपा विधायक शशांक वर्मा ने किया मैच का शुभारंभ
- सिंगाही में शुरू हुआ महारानी सुरथ कुमारी स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट

एकल नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित भारत विकास परिषद शाखा लखीमपुर के सप्तरंग सांस्कृतिक सप्ताह में छठे दिन भारतीय संस्कृति एकल नृत्य प्रतियोगिता कृष्णा मैरिज लॉन में हुई। शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के प्रांत संघ चालक सरदार स्वर्ण सिंह कंबोज ने बतौर विशिष्ट अतिथि किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई, जिन्हें अतिथियों ने पुरस्कृत कर शील्ड व प्रमाण पत्र प्रदान किए।

अधिवक्ता संघ के महामंत्री राजीव पांडे, आचार्य संजय मिश्रा, डॉ. योगेंद्र सिंह व भारत विकास परिषद शाखा की अध्यक्ष रुचि ऋतुराज, सचिव प्रबोध कुमार शुक्ल, अंशु बाजपेई, शिवम सिंह बघेल एवं रेखा शुक्ला ने संयुक्त रूप से मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अमित सिंह चौहान के संयोजन एवं डॉ. निमेष शुक्ला के निर्देशन में जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग के बच्चों की भारतीय संस्कृति एकल नृत्य प्रतियोगिता हुई। बच्चों को सभी वर्गों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, सांत्वना पुरस्कार प्रमाण पत्र, शील्ड व मैडल प्रदान किया गया।

एकल नृत्य जूनियर पूर्वी अवस्थी, व्योमि दीक्षित, अनुकृति चंदेल, सांत्वना अक्षिता मौर्य, अक्षरा, समृद्धि गुप्ता, एकल नृत्य सीनियर जीविका तिवारी, साक्षा कुरील, आकर्षि मिश्रा को प्रदान किया गया। इस मौके पर युवा समाजसेवी राघव हिंदू एवं राम पांडे को सम्मानित किया गया। संचालन सचिव प्रबोध कुमार शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में प्रांतीय अधिकारी रेखा शुक्ला, नीरू बरनवाल, रामजन्म बरनवाल, संजय गुप्ता, अनामिका सेठ, नालनी टंडन, सतीश टंडन आदि मौजूद रहे।

पुरस्कृत बच्चों के साथ भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा व आरएसएस के प्रांत संघ चालक सरदार स्वर्ण सिंह कंबोज। ● अमृत विचार

- भारत विकास परिषद के सप्तरंग सांस्कृतिक सप्ताह के छठा दिन

मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराने को एसपी से शिकायत

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: थाना मैलानी क्षेत्र के गांव मूड़ा खजुहा निवासी आसिया बानो ने एसपी को भेजे शिकायती पत्र में कहा है कि पड़ोसी घर से निकलने वाले गंदे पानी को उसके जानवर बांधने वाली जगह से निकाल रहे थे। जब विरोध किया तो घर में घुसकर गालियां देते हुए मारा पीटा। बचाने आए उसके नाबालिक बेटे टंडन को भी मारा और दो साल के बच्चे को उठाकर दूर फेंक दिया। शोर शराबा सुन पड़ोस के करामत, इस्लामुद्दीन व अन्य लोग आए तब वह लोग जान से मारने की धमकी देकर चले गए। जब वह शिकायत करने कुकुरा चौकी पहुंची तो पुलिस ने उसे डांट कर भगा दिया। इसकी प्रतिलिपि राष्ट्रपति, राज्यपाल, मंडल आयुक्त, प्रमुख गृह सचिव को भी भेजी है।

मातृशक्ति ही परिवार और राष्ट्र की धुरी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: विद्या भारती विद्यालय के सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलरायां में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन अर्चना शर्मा और विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पार्चन के साथ मां सरस्वती के समक्ष वंदना से हुआ। मंचस्थ अतिथियों का स्वागत रेनू वर्मा ने किया। प्रस्तावना में अर्चना शर्मा ने नारी शक्ति के गुणों और समाज में सामंजस्य स्थापित करने के महत्व पर विचार व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि शीतल तिवारी ने कहा कि सप्त शक्ति संगम के सात गुण कीर्ति, समृद्धि, वाणी, स्मृति, बुद्धि, धैर्य और क्षमा नारी को सशक्त बनाकर परिवार और राष्ट्र के विकास की नींव रखते हैं। मुख्य वक्ता ललिता कुशवाहा ने कहा कि मातृ देवो भव केवल एक श्लोक नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। मातृशक्ति ही परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी है। मीनू गुप्ता ने कहा कि आज की नारी केवल करुणा की प्रतीक नहीं, बल्कि ज्ञान, साहस और नेतृत्व की प्रतीक भी है। कार्यक्रम के दौरान शीतल तिवारी ने विशिष्ट माताओं का सम्मान किया। इसके अलावा प्रेरणादायी नारियों ने रानी लक्ष्मीबाई, जूली अवंतीबाई और चेनम्मा जैसी वीरांगनाओं के पात्रों का वेश धारण कर मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे कार्यक्रम का आकर्षण और बढ़ गया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना शर्मा ने किया। कार्यक्रम में कौन बनेगा करोड़पति शैली में नारी शक्ति पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसका संचालन प्रीती ने किया। अंत में कार्यक्रम में नैना यादव, सुनीता वर्मा और विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में के मंच पर कार्यक्रम पेश करती छात्राएं।

ईएमटी का हुआ मंडलीय प्रशिक्षण

- हरदोई और शाहजहांपुर जिलों के ईएमटी हुए शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 102 व 108 सेवा के इमरजेंसी मेडिसिन टेक्नीशियन (ईएमटी) का मंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरधान में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में लखीमपुर खीरी, हरदोई और शाहजहांपुर जनपदों के ईएमटी प्रतिभागी शामिल हुए।

रविवार को तृतीय बैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतिभा अवस्थी ने सुरक्षित प्रसव से संबंधित आवश्यक जानकारियां साझा कीं।

उन्होंने घर अथवा एंबुलेंस में प्रसव की स्थिति में सावधानियों एवं नवजात को सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचाने के उपायों पर विशेष बल दिया। लखनऊ से आए प्रशिक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह एवं पुनीत कुमार सिंह ने आपात स्थिति में एंबुलेंस में उपलब्ध उपकरणों के सही उपयोग तथा आपातकालीन देखभाल के व्यवहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

उन्होंने प्रतिभागियों को सेवा भावना और कार्यकुशलता में उत्कृष्टता हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक सुमित कुमार दुबे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक कैलाश बिष्ट, ईएमई अली अब्बास एवं विदित कुमार दुबे भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण को संबोधित करती डॉ. प्रतिभा अवस्थी। ● अमृत विचार

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

गोला गोकर्णनाथ,अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव भुसौरिया में हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव जियनपुर निवासी डॉ. रामसिंह वर्मा के निर्माणाधीन मकान पर थाना क्षेत्र के गांव रम्मापुर निवासी चौकीदारी करने वाले युवक रमेश कुमार (40) का शव मकान के बाहर मिला। सूचना मिलते ही डॉ. रामसिंह वर्मा ने गांव रम्मापुर ग्राम पंचायत लंदनपुर ग्रंट निवासी मृतक रमेश कुमार के पिता बांकेलाल को घटना की सूचना दी। मृतक के पिता बांकेलाल और मां विद्यावती ने घटना स्थल पर हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर, नवंबर में गन्ना फूंकने को लेकर उनके बेटे के साथ मारपीट हुई थी। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिनी मैराथन में बच्चों ने किया प्रतिभाग

मिनी मैराथन में शामिल प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाते सीओ जितेंद्र सिंह परिहार। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलियाकलां

- प्रतिभा फाउंडेशन द्वारा आयोजित मैराथन को सीओ ने दिखाई हरी झंडी

अमृत विचार: प्रतिभा फाउंडेशन उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में रविवार को स्व. नवीन चंद्र गुप्ता स्मारक मिनी मैराथन रेस आयोजित हुई। सीओ पलिया जितेंद्र सिंह परिहार ने हरी झंडी दिखाकर इस मैराथन दौड़ का शुभारंभ किया।

नवीन सर्विस स्टेशन से प्रारंभ इस दौड़ का स्टेशन चौराहा, पुराना बस स्टैंड, दुधवा तिराहा से बाईपास रोड होते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पर समापन हुआ। मिनी मैराथन में स्कूलों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान छात्र हरमीत सिंह बलदेव वैदिक विद्यालय इंटर कॉलेज पलिया एवं द्वितीय स्थान अनीश मौर्य स्मृति पब्लिक स्कूल भीरा एवं तृतीय स्थान अरुण बलदेव वैदिक विद्यालय इंटर कॉलेज ने प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त गोल्डन फ्लावर सीनियर सेकेंडरी स्कूल पलिया के आलोक, बलदेव वैदिक के आदित्य, ऑक्सफोर्ड स्कूल के प्रियांशु गुप्ता व एकमजोत सिंह, गुरुकुल एकेडमी के शिवम् कुमार सहित बलदेव वैदिक कॉलेज के अमन, करन कुमार, दीपक ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। आयोजक अनूप गुप्ता व नवनीत गुप्ता ने संयुक्त रूप से आभार जताया। इस मौके पर अध्यक्ष सलिल अग्रवाल, महासचिव कृष्ण अवतार सिंह भाटी, अमित महाजन एडवोकेट, जफर अहमद, आलोक मिश्रा, बलराम गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, फुरकान अंसारी आदि मौजूद रहे।

बर्खास्त सिपाही ने महिला से की अश्लील हरकत

उचौलिया, अमृत विचार: थाना क्षेत्र में पीड़ित महिला ने बताया कि वह एक विभाग में कार्यरत है। आरोपी काफी समय पहले पुलिस में कार्यरत सिपाही था, जहां से उसे किसी आपराधिक केस के चलते बर्खास्त कर दिया गया था। वर्तमान में वह थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर जमुनी में रहता है। आरोप है कि बर्खास्त सिपाही आए दिन उसके साथ अश्लील फब्तियां कसता और धमकी देता। साथ ही रंगबाजी करके उससे पैसे की मांग करता है। महिला ने बताया कि आरोपी की यह हरकतें लंबे समय से चल रही थीं और उसने डर के कारण अभी तक किसी से साझा नहीं किया था। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर बर्खास्त सिपाही के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

न्यूज ब्रीफ

आग से गन्ना जला भारी नुकसान

पसगवां, अमृत विचार : थाना पसगवां के गांव जशमढ़ी में रविवार को गन्ने के खेत में भीषण आग लग गई, जिससे गांव के ही बसंत, श्यामवीर, कुतुबापुर निवासी शिव सिंह के खेतों में खड़ा गन्ना जलकर नष्ट हो गया। आग की लपटों को देखकर गांव में हड़कंप मच गया। तमाम ग्रामीण ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचे और जुताई कर किसी तरह से आग पर काबू पाया।

किशोर घर से लापता गुमशुदगी दर्ज

तिलहर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव सिउरा निवासी रामपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उनका भतीजा वीरेंद्र (15) 4 नवंबर की सुबह 10 बजे तिलहर से किसी वाहन द्वारा घर के लिए निकला था। वह हाईवे स्थित गांव कपसेड़ा पर उतरा था, लेकिन इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा।परिजनों ने आसपास के रिश्तेदारी, परिचितों और गांवों में तलाश की, लेकिन किशोर का कोई सुराग नहीं मिला। काफी खोजबीन के बाद निराश होकर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई और पुलिस से उसे खोजने की गुहार लगाई है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया युवक की ओर से गुमशुदगी दर्ज की गई। पुलिस टीम मामले की जांच कर लापता किशोर की तलाश में जुट गई है।

ई-रिक्शा की टक्कर से युवक घायल

तिलहर, अमृत विचार : रविवार दोपहर मोहल्ला सैयदवाड़ा निवासी युवक सड़क हादसे में घायल हो गया। परिजनों ने उसे तत्काल सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।मोहल्ला सैयदवाड़ा निवासी सोनू रविवार दोपहर करीब तीन बजे घर से पास की दुकान पर सामान लेने जा रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार एक ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सोनू सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद ई-रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया।सूचना पर पहुंचे परिजन घायल को सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हादसे से परिजनों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

धड़ल्ले से किया जा रहा बालू खनन

पुलिस, राजस्व और खनन विभाग की मिलीभगत, माफियाओं के हौसले बुलंद

संवाददाता, बेलरायां/सिंगाही

अमृत विचार: सिंगाही थाना क्षेत्र में पुलिस, राजस्व और खनन विभाग की मिलीभगत से अवैध खनन का खेल चरम पर है। रात के अंधेरे में बालू माफिया बेखौफ होकर घाटों से रेत निकाल रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं।

मोतीपुर की जौराहा नदी के कोला घाट, पोखरी घाट, दरेहटी घाट, भौका घाट और मांझा घाट पर हर रात 9 बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक बालू की अवैध निकासी होती है। 8 से 9 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लगातार दौड़ती रहती हैं, जो बालू लेकर तिकुनियां, बनवीरपुर, बरसोला, डांगा और कड़िया गांवों तक पहुंचती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एसडीएम निघासन राजीव निगम, सिंगाही पुलिस और खनन निरीक्षक को सब कुछ पता है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही।

अधिकारियों की मिलीभगत के बिना यह कारोबार संभव नहीं है। ट्रॉलियों से हर महीने लाखों रुपये की उगाही होती है। कभी-कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एसडीएम कुछ ट्रॉलियों को पकड़कर सीज करते हैं, लेकिन विभागीय दबाव में कुछ ही दिनों में वाहन छोड़ दिए जाते हैं। इससे माफियाओं के हौसले और बुलंद हो गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रातभर ट्रॉलियों की तेज़ आवाजाही से हादसों का खतरा बना रहता है। कई बार शिकायत देने के बावजूद पुलिस और राजस्व अधिकारी केवल खानापूर्ति करते हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को शिकायती पत्र भेजकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और संबंधित विभागों की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मोतीपुर और कोतवाली तिकुनिया के तकिया पुरवा गांव के खनन माफिया इस पूरे नेटवर्क में सक्रिय हैं।

भौका घाट से अवैध खनन कर जा रही रेत भरी ट्रैक्टर ट्रॉली। ● अमृत विचार

> अवैध रेत और मिट्टी खनन के खिलाफ समय समय पर कार्रवाई की जा रही है और आगे भी होती रहेगी। आरोप तो कोई कुछ भी किसी पर लगा सकता है।
>
> -राजीव निगम, एसडीएम

हाईकोर्ट के आदेश की भी उड़ रही धज्जियां

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साफ आदेश दिया था कि ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का उपयोग केवल कृषि कार्यों के लिए किया जाएगा, इन्हें व्यावसायिक गतिविधियों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। लेकिन जिले में इस आदेश का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। खनन और ईंट-भट्ठों में दिन-रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लगी हैं। विडंबना यह है कि ये वाहन पुलिस चौकियों और थानों के सामने से गुजरते हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें फेर लेते हैं।

एसडीएम की भूमिका पर उठाए सवाल

ग्रामीणों ने बताया कि जौरहा नदी के करीब छह से अधिक घाटों पर दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रालियां लगाकर रेत का अवैध खनन किया जाता है। एसडीएम के छापे से पहले ही उसकी जानकारी खनन माफियाओं को हो जाती है और खनन माफिया वाहनों को मौके से हटा देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एसडीएम रास्ते में मिलने वाली एक-दो ट्रालियों को पकड़ने के बाद वापस लौट जाते हैं। वह घाटों तक जाने की भी जहमत नहीं उठाते हैं। इससे एसडीएम की कार्यशैली पर लोग अब सवाल उठाने लगे हैं।

दहेज हत्या में पति गिरफ्तार, अन्य की तलाश

शाहजहांपुर,अमृत विचार: कांट पुलिस ने एकता की मौत में दहेज हत्या में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य लोगों की तलाश कर रही है। मृतका के पिता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव मऊ खालसा निवासी प्रेमचंद्र ने कांट थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने अपनी पुत्री एकता वर्मा की शादी एक साल पहल शिवम वर्मा निवासी अकर्रा रसूलपुर थाना कांट के साथ की थी। ससुराल वाले दहेज को लेकर उसकी पुत्री को परेशान करते थे ओर आए दिन प्रताड़ित किया करते थे। बारांप कि शुक्रवार की सुबह ससुराल वालों ने उसकी पुत्री को मार डाला और शव को कुंडे से दुपट्टे से लटका दिया। रिपोर्ट दर्ज कराने को लेकर परिवार वालों ने रास्ता जाम कर दिया था। कांट पुलिस ने पति शिवम, भगवानदास, गीता देवी, वैष्णवी, आशा देवी निवासी अकर्रा रसूलपुर थाना कांट के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस आरोपी पति शिवम को ददरौल मोड़ से गिरफ्तार कर लिया और चालान कर दिया। टीम में उप निरीक्षक मेघराज, मुख्य आरक्षी राजकुमार, सिपाही शुभम कुमार थे।

दो भैंसें खोल ले गए चोर ग्रामीणों ने चार को पकड़ा

संवाददाता, बेहजम

● फरधान थाना पुलिस ने चारों को हिरासत में लिया, जांच जारी

अमृत विचार: विकास खंड बेहजम के फरधान थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरा छींट में शनिवार रात चोरों ने किसान दिर्गज सिंह के घर से दो भैंसें चोरी कर लीं। घटना की जानकारी सुबह करीब तीन बजे हुई। गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने चार संदिग्धों को पकड़कर पुलिस को सौंपा है।

पीड़ित दिर्गज सिंह ने बताया कि रोज की तरह उन्होंने अपनी दोनों भैंसें घर के बाहर बंगले में खूंटे से बांध रखी थीं। रात में चोर भैंसों को खोलकर ले गए। सुबह जब वे तीन बजे उठे तो भैंसें गायब थीं। घर वालों और ग्रामीणों ने आसपास के खेतों और रास्तों पर काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दिर्गज सिंह ने बताया कि दोनों भैंसों की कीमत लगभग दो लाख रुपये है। घटना के बाद ग्रामीण लगातार तलाश में जुटे रहे। दोपहर करीब तीन बजे चांदामाऊ गांव के पास एक पिकअप वाहन में कुछ बंजारे पडिया और बकरियां लेकर गुजर रहे थे।

ग्रामीणों को शक हुआ तो उन्होंने पूछताछ की कोशिश की, लेकिन गाड़ी सवारों ने भागने का प्रयास किया। भीड़ अधिक होने के कारण चारों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों की पहचान इसहाक पुत्र चांद, अनवर पुत्र आशीम, बाउर निवासी थाना खीरी और विनोद कुमार पुत्र छोटे लाल निवासी भटपुरवा कोतवाली सदर लखीमपुर के रूप में हुई। ग्रामीणों ने चारों को गांव पिपरा छींट लाकर पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पकड़े गए लोगों में से एक बाउर ने इशारों में भैंस चोरी की बात स्वीकारी। वहीं, इसहाक पुत्र चांद ने यह कहकर बात को टालने की कोशिश की कि वे पडिया बेचने आए थे और भैंसों के पैसे लौटाने की बात कही। इस दौरान गांव में सैकड़ों की भीड़ जमा हो गई और माहौल तनावपूर्ण बन गया।

यूपी 112 पुलिस और हल्का दरोगा संदीप यादव मौके पर पहुंचे, लेकिन भीड़ शांत नहीं हुई। बाद में एसआई कृष्ण कुमार यादव फोर्स के साथ आए औरग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। एसआई कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि चारों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पिकअप वाहन और उसमें लदी बकरियों को कब्जे में लिया गया है। भैंसों की तलाश जारी है, जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

गिरोह का सरगना समेत अन्य पुलिस गिरफ्त से दूर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● अनैतिक देह व्यापार का मामला, आरोपी घूम रहे खुले आम

अमृत विचार: शहर में अनैतिक देह व्यापार के धंधे में घटना के कई दिन बीत जाने के बाद पुलिस सरगना और अन्य लोगों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस की टीमें लकीर पीट रही हैं। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी शीघ्र गिरफ्तार किए जाएंगे।

सीओ सिटी पंकज पंत और सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह ने टीम के साथ गुरुवार की शाम टाउन हॉल रोड पर स्थित एक बाइक एजेंसी के पीछे एक मकान में दबिश दी। पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार में दो महिलाओं और तीन युवकों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने शिव कुमार निवासी चिनौर थाना सदर बाजार, बंटी निवासी गदियाना थाना सदर बाजार और अध्ययन प्रताप सिंह निवासी बाबूजई चौक कोतवाली तथा बंगाल व बिहार की एक महिला को गिरफ्तार करके चालान किया था। पुलिस ने मकान से मोबाइल भी बरामद किए थे। गिरोह का सरगना दीपक शुक्ला निवासी चिनौर थाना सदर बाजार और मकान मालकिन अनैतिक देह व्यापार का धंधा कराते थे। प्रत्येक व्यक्ति से अधिक पैसे लिए जाते थे और महिलाओं को कम पैसे दिए जाते थे। घटना के कई दिन बाद पुलिस मकान मालकिन और दीपक शुक्ला को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

48 गर्भवती बहू, बेटियों को दी श्रीमद्भगवद गीता

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: आदर्श संस्कार फाउंडेशन द्वारा 48 गर्भवती बहू, बेटियों को श्रीमद् भगवद गीता, चुनरी भेंट कर रोज पाठ करने को प्रेरित किया। 18 आशा बहुओं, आशा संगिनी को भी स्टाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

नगर के बांकेगंज रोड स्थित क्रॉस रोड इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में मुख्य अतिथि विधायक अमन गिरि ने कहा कि गर्भस्थ शिशु के मानसिक और आध्यात्मिक विकास में श्रीमद् भागवत गीता का पाठ आध्यात्मिक, सकारात्मक प्रभाव डालता है। कहा कि यदि भावी पीढ़ी संस्कारवान होगी तो वह देश, प्रदेश और समाज के लिए प्रेरक बनेगी। उन्होंने आदर्श संस्कार फाउंडेशन के संस्थापक जितेंद्र सिंह से कहा वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अगली मुलाकात में उन्हें मिलवाकर संस्था के बारे में अवगत कराएंगे।

गर्भवती महिलाओं के साथ आयोजक और मुख्य अतिथि विधायक अमन गिरि।

गोला में गर्भवतियों को भगवत गीता, चुनरी भेंट करते विधायक अमन गिरि। ● अमृत विचार

● 18 आशा बहुओं, आशा संगिनी को स्टाल ओढ़ाकर सम्मानित किया

विशिष्ट अतिथि वाइस प्रेसिडेंट बजाज शुगर मिल अवनी पांडे ने कहा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमंते तत्र देव ता। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं से श्रीमद् भागवत गीता का पांच मिनट पाठ पढ़ने को प्रेरित किया। अतिथियों ने 48 गर्भवती महिलाओं, 18 आशा बहू, आशा संगिनियों को सम्मानित किया। संचालन संजीव दीक्षित ने किया। कार्यक्रम में केशव अग्रवाल, प्रीती सिंह, संस्था के संरक्षक राजेश्वर सिंह, अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, सौरभ सिंह परमार, रूप सिंह चौहान, हरिओम सिंह, अंतश मिश्रा, सर्वेश कुमार, महेश कुमार, हरीश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

दबंगों ने पेड़ों को उखाड़ कर फेंका

जैतीपुर, अमृत विचार: थाना गढ़िया रंगीन के गांव मड़ई निवासी अखिलेश ने थाने में पंजीकृत एफआईआर में बताया तीन वर्ष पूर्व उसने अपनी खाली जगह में नीम के पेड़ लगाए थे। पड़ोस में महिपाल का खेत है। बीती 3 नवंबर को महिपाल, अभिषेक, दुर्शन सिंह ने दबंगई के बल पर ट्रैक्टर द्वारा पेड़ जड़ से उखाड़ दिए। विरोध जताने पर सभी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। बताया घटना का उसके पास वीडिओ भी है। थाना प्रभारी हरकेश सिंह ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत घटना की जांच उप निरीक्षक डालचंद को सौंप दीं हैं।

टावर से उपकरण चोरी करने वाले गिरोह पर कार्रवाई

रोजा/शाहजहांपुर, अमृत विचार: रामचंद्र मिशन पुलिस ने एअरटेल टावरों से उपकारण चोरी करने वाले गिरोंह के सरगना समेत आठ लोगों के खिलाफ गैगस्टर की कार्रवाई की है। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि अभियुक्त धुन्न द्विवेदी निवासी भगदिया थाना शंकरगढ़ जिला प्रयागराज, राजेश कुमार निवासी नई मुसियार थाना पटियाली जिला कासगंज, प्रीत कुमार सिंह निवासी जल्लाबाद थाना सिंधौली जिला सीतापुर, ब्रजनंदन कुमार निवासी महदा थाना चौलापुर जिला वाराणसी, सर्वेश व कुलदीप निवासी जल्लाबाद थाना सिंधौली जिला सीतापुर, अनिल कुमार निवासी चकरपुर थाना विधुना जिला औरेया, आकाश निवासी जुलहिया थाना अकबरपुर जिला अंबेडकरनगर गैंग के सक्रिय सदस्य और गिरोह का सरगना है। टावर से उपकरण चोरी करते है। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को पहले गिरफ्तार करके चालान कर चुकी है। सभी अभियुक्तों के खिलाफ गैगस्टर की कार्रवाई की गयी है। सभी अभियुक्तों पर पहले से मुकदमें दर्ज है।

मंदिर पहुंचे सफाई कर्मी को भगाने का आरोप

संवाददाता, पुवायां

● चेयरमैन व पुलिस के हस्तक्षेप के बाद हुआ समझौता

अमृत विचार: जातीय भेदभाव की एक शर्मनाक घटना में नगर के एक सफाई कर्मी को मंदिर में दर्शन करने से रोक दिया गया। विरोध करने पर आरोपी युवक ने उसे मंदिर में दिखाई देने पर गोली मारने की धमकी दी। मामला पुलिस तक पहुंचा तो चेयरमैन और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया।

नगरपालिका में तैनात सफाई नायक रामनिवास, निवासी मोहल्ला कांशीरामनगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह सुबह नगर के देवस्थान मंदिर में दर्शन करने गया था। इस दौरान एक उच्च जाति के युवक ने उसे मंदिर से बाहर निकाल दिया और दोबारा मंदिर में न आने की चेतावनी दी। आरोप है कि युवक ने धमकी दी कि अगर वह फिर मंदिर में दिखा तो गोली मार देगा। घटना की जानकारी मिलते ही गुस्साए अन्य सफाई कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पहले रामनिवास को मंदिर ले जाकर दर्शन कराए, फिर आरोपी युवक को हिरासत में लेकर थाने लाई। थाने पर पहुंचने के बाद सफाई नायक की शिकायत पर मामला गर्मा गया। बाद में नगरपालिका चेयरमैन के हस्तक्षेप और दोनों पक्षों की मौजूदगी में आपसी सहमति से समझौता हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं समाज में समानता और सौहार्द की भावना को ठेस पहुंचाती हैं, इसलिए भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है। इस मामले में इंस्पेक्टर रवि करन सिंह ने बताया कि सफाई नायक को अपना लोटा लाकर जल चढ़ाने को लेकर एक युवक ने मना कर दिया था, जिसमें आपसी सहमति से समझौता हो गया है। तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार: शाहजहांपुर से पलिया जा रही रोडवेज बस ने शुक्रवार को गलत दिशा में ओवरटेक करते हुए सामने से आ रहे बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

जनपद खीरी के थाना अहमदनगर क्षेत्र के गांव मूढ़ा सरकटा निवासी रंजीत पुत्र मायाराम बाइक से जा रहा था। इसी दौरान पुवायां के पास सामने से आ रही रोडवेज बस ने बीच सड़क पर खड़े खराब ट्रक को गलत दिशा से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान सामने से आ रहे रंजीत की बाइक बस से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रंजीत की बाइक बस के आगे फंस गई और बस उसे करीब 50 मीटर तक घसीटती हुई ले गई। हेलमेट पहनने के बावजूद रंजीत के सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया, जबकि कंडक्टर अश्वनी कुमार को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पुलिस ने सवारियों को दूसरी बस से रवाना कराते हुए दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार काफी तेज थी और चालक ने लापरवाही में गलत दिशा से ओवरटेक करने की कोशिश की, जिससे यह दर्दनाक हादसा हो गया।

अरवेश हत्याकांड में दो भाई गिरफ्तार

शाहजहांपुर/परौर,अमृत विचार: बदायूं जिले के थाना उसावां के मोहल्ला वार्ड संख्या चार निवासी धर्मेंद्र सिंह ने 04 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज करायी है कि वह, उसका भाई उमा शंकर और अरवेश पर खेत पर काम कर रहे थे। आरोपी कल्लू और उसके भाई सोनू ने उसके खेत के मेड़ तोड़ दी। विरोध करने आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देकर चले गए। उसका भाई अरवेश सिंह खेत पर ट्यूबवैल पर बैठा हुआ था। दोनों आरोपी ट्यूबवैल पर आए और उसके भाई अरवेश सिंह को गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके भाई की तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी थी। पुलिस ने कलान मार्ग पर कुबेरपुर गांव के सामने दोनों आरोपी कल्लू और उसके भाई सोनू को गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त तमंचा और खोखा भी बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चालान करके जेल भेज दिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

हमने अपने पुत्र पंकज कुमार व उसकी पत्नी लक्ष्मी को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारा व हमारे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **खानचन्द उर्फ भवन चन्द पुत्र श्री सियाराम व श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी खानचन्द निवासी ग्राम रजपुरा थाना शेरगढ़ तहसील बहेड़ी जिला बरेली।**

सूचना

मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0985867 वर्ष 2012 एवं इण्टरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0755118 वर्ष 2014 एवं मास्टर आफ सोशल वर्क की मार्कशीट सहित प्रमाण पत्र जिसका अनुक्रमांक/नामांकन संख्या 2221606236201445 वर्ष 2024 वास्तव में कहीं खो गयी है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **सुषमा पुत्री राम सिंह कस्वा धौराटांडा, बरेली।**

REQUIREMENT

Bushra Convent Inter College Jagatpur Old City, Bareilly required English, Hindi, Maths, Bio, Sanskrit, PTI, Music Teacher for Class VI to XII. Mo. No. / Whatsapp- 9997381145, & mail id bushraconventschool@gmail.com
Manager
Bushra Convent Inter College

आवश्यकता है

अनुभवी व्यक्तियों की

- लाइब्रेरियन (अनुभवी)
- लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
- ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
- नर्सिंग स्टाफ (मेल)
- कैंटीन (कुक)
- सफाईकर्मी/स्वीपर

वेतनः- योग्यतानुसार

सम्पर्क करें:-

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली

मो:- 8077808309, 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 10 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सेवानिवृत्त आईएएस जितेंद्र कुमार का निधन

अमृत विचार, लखनऊ : रिटायर आईएएस अफसर जितेंद्र कुमार का रविवार को निधन हो गया। यूपी कैडर के 1990 बैच के आईएएस जितेंद्र कुमार इसी वर्ष 30 जून को सेवानिवृत्त हुए थे। वह कैंसर से पीड़ित थे, हालत बिगड़ने पर शुक्रवार की रात उन्हें पीजीआई में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान रविवार की दोपहर करीब 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसर के निधन पर शोक प्रकट किया है। उनका अंतिम संस्कार भैसाकुंड में किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री मोहसिन रजा, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, मुख्य सचिव एसपी गोयल, राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव वित्त एवं आईआईडीसी दीपक कुमार, प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनिल कुमार, प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा डॉ. हरिओम समेत कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बंद 569 नलकूपों का होगा पुनर्निर्माण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए जल विभाग द्वारा बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न जिलों में 6,600 राजकीय नलकूपों के आधुनिकीकरण में 569 असफल राजकीय नलकूपों का कार्य प्रगति पर है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति व्यवस्था और अधिक सुचारू हो सकेगी। संयुक्त सचिव राजीव कुमार वत्स ने रविवार को बजट जारी करने के बाद बताया कि प्रदेश के 30 जिलों के डार्क जोन क्षेत्रों में स्थित 569 असफल राजकीय नलकूपों के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में स्वच्छ जलापूर्ति योजना के अंतर्गत एक अरब 72 करोड़ 37 लाख 30 हजार रुपये के बजट की अंतिम किश्त जारी कर दी गई है।

नर्सेस संघ की नई कार्यकारिणी गठित

अमृत विचार, लखनऊ : राजकीय नर्सेस संघ उप्र. के अधिवेशन में रविवार को संघ की नई कार्यकारिणी निर्विरोध चुनी गई। शर्ली भण्डारी लगातार दूसरी बार अध्यक्ष और अशोक कुमार 14 वीं बार निर्विरोध महामंत्री बने। इसके अलावा कार्यकारिणी में गीतान्शु वर्मा कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र शुक्ला, सत्येंद्र कुमार, राधा रानी वर्मा, सतीश कुमार त्यागी व पवन मिश्रा को उपाध्यक्ष, राम गोपाल, रमा सिंह, शशि लता वर्मा, सगीर अहमद, कामिनी सिंह को संयुक्त मंत्री एवं विनय कुमार सिंह को आडीटर चुना गया है। बलरामपुर अस्पताल के विज्ञान भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलायी गई।

एसआईआर अभियान में कांग्रेसी भी जुटे

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कांग्रेस ने भी विशेष गहन पुनरीक्षण (एआईआर) के लिए प्रदेश की 403 विधानसभा क्षेत्रों में 1400 से ज्यादा प्रभारी तैनात किए हैं। हर विधान सभा क्षेत्र में इनकी संख्या तीन से पांच के बीच होगी। वहीं, कांग्रेस का यह भी आरोप है कि एसआईआर के बहाने पात्र मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कांग्रेस इस कोशिश में है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम निर्वाचन सूची से न कटे और गलत अपात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाएं। वहीं, कांग्रेस का प्रयास नये मतदाताओं के नाम भी वोटर लिस्ट में जुड़वाने का है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, मंडल स्तर तक तैयार हुए संगठन को इस काम में जुटा दिया गया है। इसके अलावा हर विधान सभा क्षेत्र के प्रभावी लोगों को उनके निर्वाचन क्षेत्र में एसआईआर का प्रभारी बनाया गया है।

प्रचार के केंद्र बने 'बुलडोजर बाबा'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बिहार में 10 दिन में मुख्यमंत्री योगी ने की 30 सभाएं व एक रोड शो

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एनडीए के बेहद लोकप्रिय और सर्वाधिक मांग वाले स्टार प्रचारक साबित हुए हैं। उन्होंने सिर्फ 10 दिनों में 30 रैलियां और एक रोड शो कर भाजपा, जदयू, लोजपा (रा), हम और राष्ट्रीय लोकमोर्चा के 43 प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांगे।

योगी आदित्यनाथ ने बिहार में अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत 16 अक्टूबर को की थी। पहले ही दिन से उनका प्रचार अभियान चर्चा का विषय बन गया। दरभंगा में उन्होंने एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में भव्य रोड शो निकाला, जिसमें हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। जनसभाओं में जगह-जगह लोग छतों, दीवारों और पेड़ों पर चढ़कर 'बुलडोजर बाबा' की झलक पाने को बेताब दिखे। बिहार की धरती पर योगी का करिश्मा इस कदर दिखा कि बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक उनका नाम जपते नजर आए।

सुशासन बनाम जंगलराज का संदेश

अपनी हर सभा में योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की जीरो टॉलरेंस नीति और सुशासन मॉडल को उदाहरण बनाकर पेश किया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में अपराधियों पर सख्त कार्रवाई हुई है, जबकि विपक्ष ने बिहार को वर्षों तक जंगलराज, अपराध और भ्रष्टाचार में झोंके रखा। योगी ने मंच से लोगों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अनुभव पर भरोसा करें। उन्होंने कहा कि एनडीए की जीत ही बिहार को आगे बढ़ाने की गारंटी है।

कई जिलों में एसआईआर की चाल सुस्त

न फील्ड में और न ही ऑनलाइन प्रदर्शन दिखा पा रहे हैं बीएलओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पांच दिन में गणना प्रपत्र को शत-प्रतिशत बांटने का कार्य बना चुनौती

अमृत विचार : प्रदेश के कई जिलों से आ रही विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की 'कछुआ चाल' से मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा नाराज हैं। ऐसा फीडबैक मिल रहा है कि तमाम बीएलओ की गति जहां फील्ड में धीमी है, वहीं एप के एडवांस वर्जन को लेकर भी दिग्भ्रमित हैं। इस स्थिति में पांच दिन में तो गणना-प्रपत्र को शत-प्रतिशत बांटने का कार्य चुनौती बन गया है। बहरहाल, चुनाव आयोग के निर्देश पर अब बूथ लेबल एजेंट ऐसे बीएलओ की मदद कर कार्य को तेज कर रहे हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने खुद राज्य के ऐसे 21 जिले चिन्हित किए हैं, जहां विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की गति अब भी धीमी है। इस क्रम में प्रयागराज, मेरठ, हरदोई, बहराइच, वाराणसी, बलरामपुर, सोनभद्र, गाजीपुर, देवरिया, अमरोहा, जौनपुर, फतेहपुर, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कासगंज, आगरा, उन्नाव, बदायूं, बांदा और हापुड़ में गणना प्रपत्र वितरण में तेजी लाने की हिदायत दी है।

एसआईआर अभियान का सीधे फील्ड से फीडबैक लेने के साथ ही ऑनलाइन माध्यम से भी प्रगति चेक की जा रही है। इस दौरान लापरवाह अधिकारियों, कर्मचारियों पर कार्रवाई तय है।

-नवदीप रिणवा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी की यह भी हिदायत है कि जिन मतदाता के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल हैं, उनकी मौजूदा सूची से मिलान का काम अगले दो दिन के भीतर पूरा हो जाना चाहिए। इसी के साथ सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को 15 नवंबर तक गणना प्रपत्र भी शत-प्रतिशत वितरित कराने के निर्देश हैं। कहा गया है कि बीएलओ एप का एडवांस वर्जन-8.7 प्ले स्टोर से डाउनलोड कर लें। जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जा रहा है, उनको बीएलओ एप पर मार्क करते रहें, जिससे कि वितरण की प्रगति ऑनलाइन अपडेट हो सके।

पूर्वी यूपी की उपलब्धि, बनेगा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि : मुख्यमंत्री

जुलाई 2026 से शुरू होगी पढ़ाई, युद्धस्तर पर निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कुशीनगर में निर्माणाधीन महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कुशीनगर में निर्माणाधीन महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्था से निर्माण की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली और कार्य की गुणवत्ता पर संतोष जताया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जुलाई 2026 के शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय में पठन-पाठन कार्य प्रारंभ कराने के लिए युद्धस्तर पर तैयारी की जाए।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि महात्मा बुद्ध के नाम पर कुशीनगर में बन रहा यह विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश की एक बड़ी उपलब्धि होगा। उन्होंने कहा कि यह कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अन्नदाता किसानों की समृद्धि और नौजवानों के रोजगार का नया केंद्र बनेगा। डबल इंजन सरकार का यह उपहार पूरे पूर्वांचल के लिए मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सांसद विजय कुमार दूबे, और स्थानीय विधायक मौजूद रहे।

बौद्ध धर्मगुरु को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बिहार से सीधे कुशीनगर स्थित म्यांमार बौद्ध विहार पहुंचकर बौद्ध धर्मगुरु अग्गमहापंडित भदंत ज्ञानेश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने भदंत ज्ञानेश्वर के पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ाए और पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। भदंत ज्ञानेश्वर, कुशीनगर बौद्ध भिक्षु संघ के अध्यक्ष और म्यामांर बौद्ध विहार के प्रमुख भी थे। लंबी बीमारी के बाद 31 अक्टूबर को उनका निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार 11 नवंबर को होगा। इस बीच उनका पार्थिव शरीर म्यामांर बौद्ध विहार में रखा गया है, जहां उन्हें श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी है।

बौद्ध धर्मगुरु भदंत ज्ञानेश्वर के पार्थिव शरीर को नमन करते मुख्यमंत्री योगी।

तय समय से पहले पूरा करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री ने बताया कि कार्यदायी संस्था ने अक्टूबर 2026 तक भवन निर्माण पूरा करने का आश्वासन दिया है, लेकिन सरकार चाहती है कि यह कार्य लक्षित समय से पहले पूरा हो जाए। उन्होंने कहा कि जुलाई 2026 तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर अगस्त-सितंबर 2026 से नियमित कक्षाएं प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्राम पंचायतों में बनेगा आधार कार्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार पंचायत सहायकों को देने जा रही बड़ी जिम्मेदारी
- पंचायती राज विभाग और यूआईडीएआई में होगा एमओयू
- पहले चरण में 2,500 ग्राम पंचायतों में शुरू होगी सेवा

अमृत विचार : गांवों में रहने वाले लोगों को अब आधार कार्ड बनवाने या उसमें संशोधन कराने के लिए शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। योगी सरकार ने निर्णय लिया है कि ग्राम पंचायत सचिवालयों में आधार कार्ड बनाने और अपडेट कराने की सुविधा जल्द शुरू की जाएगी। इसके लिए पंचायती राज विभाग को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दे दी गई है।

पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि एमओयू प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी। एमओयू हस्ताक्षर के बाद तीन माह के भीतर ग्राम पंचायत सचिवालयों में आधार नामांकन केंद्र शुरू हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर इस सेवा के संचालन की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों को दी जाएगी। इसके लिए उन्हें विशेष तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि डेटा एंट्री और पहचान सत्यापन की प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू रहे।

पहले चरण में करीब 2,500 ग्राम पंचायतों में यह सेवा शुरू की जाएगी। इसके बाद इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित किया जाएगा। इस व्यवस्था से ग्रामीणों को न सिर्फ आधार कार्ड से संबंधित कार्यों में सुविधा मिलेगी, बल्कि ग्रामीण स्तर पर डिजिटल सेवा केंद्रों का दायरा भी और व्यापक होगा।

अधिकारियों का कहना है कि ग्राम पंचायत सचिवालयों में आधार सेवा शुरू होने से सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और लाभार्थियों की सही पहचान सुनिश्चित होगी। ग्रामीणों को अब बैंक, राशन, पेंशन, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से जुड़ी सेवाओं के लिए बार-बार आधार सत्यापन में आने वाली दिक्कतों से भी राहत मिलेगी।

सात शहरों में 850 किमी विकसित होगा मेट्रो नेटवर्क

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार के विजन डॉक्यूमेंट के अनुसार वर्ष 2047 तक सात शहरों में लगभग 850 किमी मेट्रो नेटवर्क विकसित किया जाना है। इसमें लखनऊ, कानपुर व आगरा में ही 350 किमी से अधिक नेटवर्क का विस्तार किए जाने का लक्ष्य है। राज्य सरकार के इस विजन का प्रेजेंटेशन गुरुग्राम (हरियाणा) में चल रहे अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो के समापन पर रविवार किया गया। बताया गया कि अंतिम दिन गैर-किराया राजस्व के लिए रणनीति विषयक सत्र हुआ। आई-मेट्रो की ओर से जारी की परफॉर्मेंस इंडेक्स में मेट्रो ने टियर-2 शहरों की अन्य मेट्रो प्रणालियों की तुलना में शानदार प्रदर्शन किया है।

प्रदेश के 23 अपर पुलिस अधीक्षक का तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बीएसवी कुमार पीएसी और दिनेश पुरी गोरखपुर भेजे गए

अमृत विचार : प्रदेश में तैनात 23 अपर पुलिस अधीक्षक के स्थानांतरण किये गये हैं। रविवार को जारी सूची के अनुसार, बीएसवी कुमार को उपसेनानायक 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद, सच्चिदानंद को एएसपी एसएसएफ मुख्यालय लखनऊ में तैनात किया गया। इसी तरह 112 में तैनात अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पुरी को अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी), गोरखपुर के पद पर तैनाती दी गई है।

जारी सूची के अनुसार, डॉ. संजय कुमार को उप सेनानायक 27वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, सुबोध कुमार गौतम को अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी), हरदोई, नृपेंद्र को अपर पुलिस उपायुक्त, कमिश्नरेट वाराणसी, निवेश कटियार को अपर पुलिस अधीक्षक, यूपी 112 में तैनाती दी गई है। इसी तरह अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलिस महानिदेशक में तैनात संतोष कुमार द्वितीय को अपर पुलिस अधीक्षक, जनपद गोरखपुर भेजा गया था, पर उनका स्थानांतरण निरस्त कर दिया गया है। सीताराम को अपर पुलिस अधीक्षक (विधि प्रकोष्ठ) मुख्यालय पुलिस महानिदेशक लखनऊ, सिद्धार्थ वर्मा को कुशीनगर में अपर पुलिस अधीक्षक, सुमित शुक्ला को अपर पुलिस अधीक्षक शामली, ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद को अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) गोरखपुर, अशोक कुमार सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) बहराइच, राजकुमार सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू लखनऊ, संतोष कुमार सिंह को अपर पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) गोरखपुर में तैनात किया गया है।

वहीं जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव को अपर पुलिस अधीक्षक सीआईडी, लखनऊ, रामानंद कुशवाहा को अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस, जितेंद्र कुमार प्रथम को अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, चिरंजीव मुखर्जी को अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज, श्वेताभ पांडेय को अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) एटा, आलोक कुमार जायसवाल को अपर पुलिस अधीक्षक फतेहगढ़, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव को अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात), सहारनपुर और डॉ. राकेश कुमार मिश्र को अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) गाजीपुर में तैनात किया गया है।

उड़ीसा में पीडीए का बीज बोने आए हैं : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उड़ीसा में चुनावी सभा संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा पूरे देश में एकरंगी फैसला लेना चाहती है। हमारे पीडीए में जो ए हैं, वह आदिवासी हैं, उनको और अल्पसंख्यकों को लेकर ही पीडीए पूरा होता है। इस सरकार में पिछड़ों का हक और सम्मान नहीं मिल रहा है। हम यहां उड़ीसा में पीडीए का बीज बोने आए हैं। हम आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को उनका हक और सम्मान दिलाएंगे। सपा प्रमुख ने नौपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी रमाकांत हाती के समर्थन में सभा को संबोधित किया।

जंबूरी में लगेंगे 100 डॉक्टर समेत 310 पैरामेडिकल स्टाफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 50-50 बेड के दो अस्थायी अस्पताल व 15 डिस्पेंसरी में तैनात होंगे 54 विशेषज्ञ

अमृत विचार : आगामी स्काउट-गाइड की 19वीं राष्ट्रीय अधिवेशन (जंबूरी 2025) के दौरान प्रतिभागियों और आगंतुकों की स्वास्थ्य सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने बड़ी तैयारी की है। अधिवेशन स्थल पर दो अस्थायी अस्पताल स्थापित किए जाएंगे, जिसमें 54 विशेषज्ञ समेत 100 डॉक्टर और 210 पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की जाएगी। मगर, डॉक्टरों की फौज के एक साथ अवकाश पर जाने से सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय सेवाओं के प्रभावित होने की संभावना बढ़ गयी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 50-50 बेड के दो अस्थायी अस्पताल और 15 डिस्पेंसरी में आपातकालीन सेवाएं, सामान्य ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, प्रयोगशाला जांच और एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध रहेगी। विभाग का लक्ष्य अधिवेशन के दौरान किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटना है। इस संबन्ध में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि 23 नवंबर से 29 नवंबर तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय जम्बूरी कार्यक्रम में देश-विदेश से आने वाले लगभग 40 हजार स्काउट-गाइड सदस्य और अन्य अतिथि शामिल होने की संभावना है। प्रतिभागियों की बड़ी संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

सरकारी अस्पतालों में प्रभावित होंगी सेवाएं

स्वास्थ्य महानिदेशक के निर्देशानुसार इस तैनाती के चलते 19 से 30 नवंबर तक संबंधित जिलों के अस्पतालों में विशेषज्ञ समेत ड्यूटी पर लगाए गए डॉक्टर अवकाश पर रहेंगे। एक-एक अस्पताल से एक ही विभाग के चार-चार डॉक्टरों के जाने से पूरे 10 दिन सेवाएं प्रभावित होना लाजमी है। नियमित स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं मगर, आकस्मिक सेवाएं सुचारू रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव, लखीमपुर, हरदोई और बाराबंकी के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) सहित लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, बाराबंकी और हरदोई के मंडलीय एवं जिला अस्पताल प्रशासकों को पत्र भेजकर विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती के निर्देश दिए हैं। उक्त क्रम में विभिन्न अस्पतालों से कुल नौ फिजिशियन और 13 सर्जन मिले हैं। सबसे ज्यादा सर्जन डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल से चार और बलरामपुर अस्पताल से तीन सर्जन मिले हैं। इसके अलावा लोकबंधु व रानी लक्ष्मी बाई संयुक्त चिकित्सालय से एक-एक सर्जन के अलावा विभिन्न जिलों के सीएचसी पर तैनात सर्जन बुलाए गए हैं। इसी प्रकार 11 नेत्र रोग विशेषज्ञों में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी से चार हैं, आर्थोपैडिक विशेषज्ञ 10 मिले हैं, इनमें बलरामपुर व डॉ.श्यामा प्रसाद से दो-दो हैं। इसके अलावा राजधानी समेत विभिन्न जिलों से 11 स्त्रीरोग विशेषज्ञ समेत 46 चिकित्सा अधिकारियों को तैनात किया गया है। इनमें भी इमरजेंसी संभालने के लिए सबसे ज्यादा चिकित्सा अधिकारी लगभग डेढ़ दर्जन लखनऊ से हैं।

चिकित्सकों के अलावा अन्य की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि पांच फिजियोथेरेपिस्ट भेजे जा रहे हैं, सभी राजधानी के विभिन्न अस्पतालों से हैं।

इसके अलावा 53 फार्मासिस्ट और 74 स्टाफ नर्सेस की ड्यूटी मरीजों को चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करने के लिए लगायी गयी है।

सियासत

विपक्षी दलों के लिए मिशन 27 से पहले रणनीति बदलने का होगा मौका

नई दिशा दिखाएगा बिहार चुनाव का होमवर्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टियां संगठनात्मक बदलाव भी बिहार का फीडबैक लेकर ही करेंगी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों के लिए बिहार चुनाव का होमवर्क राजनीतिक दृष्टि से नयी दिशा दिखाने वाला होगा। वास्तव में बिहार इलेक्शन का रिहर्सल सभी दलों के लिए मिशन 27 से पहले अपनी-अपनी रणनीति में बदलाव करने का होगा। राजनीतिक समीक्षकों का यह भी मानना है कि उत्तर प्रदेश में पार्टियां अब संगठनात्मक बदलाव भी बिहार का फीडबैक लेकर ही करेंगी।

बिहार चुनाव प्रचार के दौरान अलग-अलग दलों की समीक्षा करें तो पाते हैं कि सभी दल वहां के साथ-साथ यूपी के लिए भी संदेश जारी कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया कि हमने भाजपा को उत्तर प्रदेश के अवध क्षेत्र में हराया, अब बिहार के लोगों की जिम्मेदारी है कि वे मगध की धरती पर इसे दोहराएं। इस क्रम में उन्होंने यूपी में हमने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की ताकत से बीजेपी को हराया था। बिहार में भी यही ताकत काम करेगी।

वहीं कांग्रेस ने भी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर नया राजनीतिक प्रयोग किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपने पूर्वांचल क्षेत्र की संगठनात्मक इकाई को बिहार में चुनाव प्रचार और प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने पूर्वांचल के 20 जिलों की इकाइयों को बिहार के विभिन्न जिलों में गठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने का निर्देश दिया है। इसका सीधा संदेश यूपी में गठबंधन सहयोगी सपा प्रमुख अखिलेश देने की कोशिश मानी जा रही है। दरअसल, बिहार में महागठबंधन के समर्थन में उतरकर यूपी कांग्रेस अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश में है।

वहीं अगर बसपा की बात की जाए तो बिहार के परिणाम महागठबंधन के दबाव और संगठनात्मक बदलावों की दिशा में बसपा नेत्री मायावती के भतीजे आकाश आनंद की भूमिका को साफ करेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं में आकाश आनंद के नेतृत्व को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। एक युवा नेता के रूप में उन पर नई उम्मीदें टिकी हैं, खासकर तब जब बसपा ने उत्तर प्रदेश सहित दूसरे राज्यों में अपनी राजनीतिक जमीन खो दी है। उनकी भूमिका इस चुनाव में उप्र. में भी बसपा की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

बिहार चुनाव परिणाम के बाद होगी जीबीसी-5

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तैयारियां अंतिम चरण में मुख्यमंत्री योगी करेंगे समीक्षा
- आज पूरी होगी जीबीसी के आयोजन के लिए कंपनी के चयन की प्रक्रिया

अमृत विचार : प्रदेश में निवेश की रफ्तार को नई ऊंचाई देने की दिशा में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के पांचवें चरण की तैयारी तेज हो गई है। औद्योगिक विकास विभाग और इन्वेस्ट यूपी जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष विस्तृत प्रगति रिपोर्ट पेश करने जा रहे हैं। इस बार आयोजन को और अधिक प्रभावी और भव्य बनाने पर जोर है।

औद्योगिक विकास विभाग ने आयोजन की जिम्मेदारी तय करने के लिए इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद की अध्यक्षता में छह सदस्यीय चयन समिति का गठन किया है। समिति में इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, वित्त नियंत्रक, महाप्रबंधक (विधि), महाप्रबंधक (निवेश प्रोत्साहन) और महाप्रबंधक (इवेंट) शामिल हैं। यह समिति अंकों के आधार पर कंपनी का चयन करेगी, ताकि पारदर्शी प्रक्रिया के तहत अनुभवी आयोजक को जिम्मेदारी सौंपी जा सके।

इस बार विभाग का लक्ष्य पहले नवंबर में जीबीसी-5 का आयोजन कराने का था, लेकिन बिहार चुनाव में मुख्यमंत्री की व्यस्तता से अब जंबूरी के बाद ही संभव लग रहा है। इसकी वजह यह भी है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार निवेश के लिए कई देशों में दौरा करने की तैयारी में हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धता को देखते हुए ही कार्यक्रम की तिथि तय नहीं होगी। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ को 21 से 30 नवंबर तक आरक्षित किए जाने के बाद अब बुकिंग रद्द कर दी गई है, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि जीबीसी-5 की तिथि अब बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम 14 नवंबर के बाद से मध्य दिसंबर तक तय होगी।

तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश लक्ष्य हासिल

इन्वेस्ट यूपी और औद्योगिक विकास विभाग ने विभागवार निवेश लक्ष्य की समीक्षा भी तेज कर दी है। कुल 29 विभागों से प्रतिदिन संपर्क कर प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। अब तक करीब तीन लाख करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं पर सहमति बन चुकी है, जबकि शेष दो लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य को अगले एक सप्ताह में पूरा करने का लक्ष्य है।

बेंगलुरू में आईटी कंपनियों को दिया प्रस्ताव

विभाग के मुताबिक, निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग जगत से संपर्क बढ़ाया जा रहा है। हाल ही में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने बेंगलुरू में प्रमुख आईटी कंपनियों के साथ बैठक कर उन्हें यूपी में निवेश के प्रस्ताव दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

सड़क सुरक्षा एक कानून नहीं हर नागरिक का नैतिक दायित्व

बरेली, अमृत विचार : पुलिस लाइन में रविवार को सड़क सुरक्षा अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में एडीजी रमित शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक कानून नहीं बल्कि हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। जीरो फैटेलिटी का लक्ष्य तभी संभव है, जब जनता और पुलिस मिलकर इसे जन आंदोलन के रूप में अपनाए। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने कहा कि हर दुर्घटना के पीछे किसी का घर उजड़ता है। हमारा संकल्प है कि बरेली को शून्य मृत्यु जिला बनाएं। इसके लिए यातायात पुलिस की सक्रियता के साथ जन जागरूकता अभियान को गांव गांव तक ले जाना होगा। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट और स्पीड लिमिट का पालन जीवन बचाने का सबसे सरल उपाय है। रिक्रूट आरक्षी कविता रानी और खुशबू पाल को कर्तव्यों के दौरान सतर्कता और उत्कृष्ट व्यवहार के लिए एडीजी ने एक-एक हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र, एएसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान आदि मौजूद रहे।

सपा विधायक के बयान का शहाबुद्दीन ने किया समर्थन

बरेली, अमृत विचार : संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद ने कहा है कि अगर पाकिस्तान का बंटवारा नहीं होता तो हिंदुस्तान में भी मुसलमान प्रधानमंत्री बन सकता था। उनके बयान का मौलाना शहाबुद्दीन ने समर्थन किया। मौलाना ने कहा कि 1947 से अब तक मुसलमान इस देश का प्रधानमंत्री नहीं बन पाया। उसकी वजह यह है कि जिसकी जितनी भागीदारी है, उसकी उतनी हिस्सेदारी है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने रविवार को कहा कि जहां जिसकी आबादी ज्यादा होती है, वह मनमाने अंदाज में हुक्मरानी करता है। कम आबादी वाले को दबाया जाता है। यदि अखंड भारत यानी मौजूदा भारत में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश भी शामिल होते तो यहां का प्रधानमंत्री मुसलमान हो सकता था।

फीस लेकर नहीं लगाई क्लास, कोचिंग संचालक व काउंसलर पर रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र के शिव कुंज बानखाना निवासी आशीष गुप्ता ने बताया कि उनका बेटा शिवांश गुप्ता 12वीं का छात्र है। उसने राजेन्द्र नगर के डीडीपुरम चौराहे पर टाइम कोचिंग में आईपीएम की तैयारी के लिए प्रवेश लिया था। कोर्स के लिए निर्धारित शुल्क 42 हजार और 8 हजार रुपये कुल मिलाकर 50 हजार रुपये संस्थान को दिए थे। कोचिंग संचालक की तरफ से शुरू में एक हफ्ते के लिए दो दिन क्लास लगाई। उसके बाद अवध प्लाजा के पास नए कोचिंग सेंटर के निर्माण की बात कहकर क्लास लंबे समय तक बंद रहीं।

हार्ट अटैक से दूल्हे की मौत

बरात लौटने के बाद हो रही थीं अन्य रस्में, हार्टअटैक से गई जान

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

- परिवार वाले अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया
- वलीमा से पहले शादी की सारी खुशियां मातम में तब्दील हो गईं

दुल्हन के साथ परवेज।

अमृत विचार: निकाह के बाद की रस्मों के दौरान दूल्हे की हार्टअटैक से मौत हो गई। परिवार के लोग नई-नवेली दुल्हन के घर आने की खुशी मना रहे थे कि इतने में दूल्हे को हार्ट अटैक आ गया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूल्हे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। दुल्हन का रो रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने गमगीन माहौल में शव को सुपुर्द-ए- खाक कर दिया।

अमरोहा नगर के मोहल्ला नौगजा निवासी परवेज उर्फ गुड्डू (42) आलम जामा मस्जिद रोड पर किताबों की दुकान चलाता था। मोहल्ला बड़ा दरबार के रहने वाले बाबू की बेटी सायमा के साथ परवेज का निकाह तय हुआ था। शनिवार रात मोहल्ला नल नई बस्ती में एक शादी हाल में बरात गई थी। निकाह की रस्मों के बाद दुल्हन को विदा कर रात करीब एक बजे बरात घर लौटी। रविवार को वलीमा था। सभी शादी की खुशी में डूबे थे कि रात करीब दो बजे परवेज की तबियत बिगड़ गई। घबराए परिवार के लोग पहले नजदीकी अस्पताल ले गए। वहां से जोया रोड पर एक और अस्पताल में दिखाने के बाद मुरादाबाद ले गए जहां डॉक्टर ने जांच के बाद परवेज को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार दूल्हे की मौत हार्ट अटैक से हुई। परवेज की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। दुल्हन का रो रोकर बुरा हाल है। शादी की सारी खुशियां मातम में तब्दील हो गई। रविवार की सुबह घर पर लोगों का जमावड़ा लग गया। गमगीन माहौल के बीच शव सुपुर्दे खाक कर दिया गया।

पुनीत ने जीता मेंस सिंगल्स का विंटर आर्क टेनिस टूर्नामेंट

बरेली, अमृत विचार : ए ई टेनिस अकादमी की ओर से केशलता टेनिस अकादमी में आयोजित विंटर आर्क टेनिस टूर्नामेंट का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी का स्वागत केशलता अस्पताल के एंडोस्कोपिक स्पाइनल सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल और प्रज्ञा मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि ने विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया प्रतियोगिता के मेंस सिंगल्स के फाइनल में पुनीत ने गीतांश को 6-4 से, अंडर-18 के फाइनल में गीतांश ने शिवम को 6-2 से, गर्ल्स ओपन के फाइनल में तक्षिका ने तनिष्का को 6-5 से, अंडर- 10 के फाइनल में आरिश ने आर्यव को 6-2 से, मेंस डबल्स में सूरज, प्रत्युष ने गीतांश, एकलव्य को 6-5 हराया।

रोडवेज बस ने मारी टक्कर युवती और मौसी की मौत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बहन और भांजी के साथ शहर दवा लेने आ रहा था युवक

अमृत विचार: बहन और भांजी के साथ शहर दवा लेने आ रहे युवक की बाइक में तेज रफ्तार रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों लोगों गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को अस्पताल भेजा गया लेकिन रास्ते में भांजी की मौत हो गई और अस्पताल में बहन की भी मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद चालक बस को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

भोजीपुरा थाना क्षेत्र के धौराटांडा निवासी रेहान अपनी बहन हुमा और दूसरी बहन की बेटी रोशनी के साथ रविवार दोपहर को दवा लेने के लिए बाइक से शहर आ रहा था। जैसे ही वह इज्जतनगर थाना क्षेत्र के नैनीताल हाइवे पर स्थित नगरिया कला गांव के पास पहुंचा तभी एक तेज रफ्तार रुहेलखंड डिपो की रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। बस की टक्कर लगने के बाद तीनों बाइक से नीचे आ गिरे। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर इज्जतनगर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। उसके बाद तीनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां रास्ते में 30 वर्षीय रोशनी की मौत हो गई, जबकि रेहान और हुमा को मिनी बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाज के दौरान हुमा की भी मौत हो गई। इज्जतनगर इंस्पेक्टर बिजेंद्र सिंह ने बताया कि रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया गया है और चालक की तलाश की जा रही है।

मकान मालिक के घर से नौकरानी ने चुराए थे जेवर

बरेली, अमृत विचार : डीडीपुरम निवासी अनमोल गुप्ता ने बारादरी थाने में दी तहरीर में बताया कि शनिवार को उसके मकान में काम करने वाली नौकरानी ने सोने चांदी के गहने चोरी कर लिए। इसपर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर नौकरानी की तलाश शुरू कर दी। रविवार को पुलिस ने डीडीपुरम पार्क के पास से नौकरानी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी महिला ने अपना नाम आरती पत्नी मोहित निवासी ग्राम करेली व हाल निवासी संजयनगर बारादरी बताया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि काम करने के दौरान उसे पता चल गया कि जेवर कहां रखे हैं। मौका पाकर उसने लाखों रुपये के गहने चुरा लिए। रविवार को वह चुराए हुए गहने बेचने जा रही थी, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गबन में प्रधान के अधिकार सीज सचिव पर भी कार्रवाई तय

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बहेड़ी की ग्राम पंचायत सरकस में वित्तीय गबन मामले में जिलाधिकारी अविनाश ने ग्राम प्रधान अनीस अहमद के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगा दी है। डीएम ने अंतिम जांच पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता भगत सिंह को सौंपी है। गबन मामले में सचिव भी घेरे में हैं। उसके खिलाफ कार्रवाई को डीडीओ को लिखा है।

गांव सरकस के करन सिंह ने शपथपत्र देकर डीएम से शिकायत की थी गांव में सीसी रोड समेत अन्य निर्माण कार्यों में प्रधान ने अनियतितिता बरती हैं। उसने शासकीय धनराशि का गबन सचिव के साथ मिलकर किया है। डीएम ने डीपीआरओ कमल किशोर को जांच के निर्देश दिए। डीपीआरओ ने मत्स्य निदेशक गायत्री कुमारी और रुहलेखंड नहर खंड के सहायक अभियंता से चार बिंदुओं पर जांच कराई। इसमें प्रथम दृष्टया प्रधान और सचिव पर लगे आरोप सही मिले। इस पर प्रधान को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया। जिसका वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। डीपीआरओ कमल किशोर ने बताया कि ग्राम प्रधान को वित्तीय व प्रशासनिक शक्तियों के प्रयोग और कृत्यों के संपादन से निलंबित कर दिया गया है। चूंकि सचिव ग्राम विकास अधिकारी और डीडीओ के अधीन है, इसलिए उनको पत्र लिखा गया है।

पार्टी में चल रहा घमासान फिर उजागर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष की सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट के बाद राजनीति गरमाई

अमृत विचार : आगामी चुनावों को देखते हुए सपा पीडीए महाअभियान चलाकर संगठन में हावी गुटबाजी दूर कर एकजुटता पर जोर दे रही है, लेकिन, यहां फिर हाईकमान के स्तर से प्रदेश प्रवक्ता को हटाने के लिए निर्णय के बाद जिला स्तर पर समीकरण गड़बड़ा रहे हैं। पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अनिल पटेल ने जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप के खिलाफ मोर्चा खोला है। अनिल पटेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर पार्टी के अंदरूनी विवाद को सार्वजनिक कर दिया है। पोस्ट के बाद से पार्टी के अंदर हलचल मची है। आगामी चुनावों से पहले जिलास्तर पर इस तरह की गुटबाजी को पार्टी के लिए खतरे की घंटी बता रहे हैं।

दरअसल, पिछले दिनों सपा की ओर से जारी की गई प्रदेश प्रवक्ताओं की सूची से मयंक शुक्ला का नाम हटाए जाने के बाद से ही माहौल गरम चल रहा था। पार्टी ने पहले जारी सूची में मयंक शुक्ला, नेहा यादव और मुहम्मद साजिद को फिर से प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया था, लेकिन पार्टी ने कुछ ही मिनटों के अंतराल में प्रवक्ताओं की दूसरी सूची जारी की। इसमें मयंक का नाम हटा दिया। इसके बाद से ही पार्टी का अंदरूनी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब सपा के जिलाध्यक्ष को लेकर विवाद खड़ा कर दिया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इस विवाद को हवा दी जा रही है।

कुछ इस तरह सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

सोशल मीडिया पर आदित्य ने लिखा कि शिवचरन कश्यप ही क्यों और भी बहुत से नाम है, जिन्हें हटाना चाहिए तो हरेंद्र ने लिखा बसपा को खत्म करके आए जिलाध्यक्ष उसी रास्ते पर सपा को ले जा रहे हैं। अंकित ने लिखा, यही हाल रहा तो 2027 तक बरेली से सपा साफ हो जाएगी। अनुज ने लिखा सपा बचाओ अभियान में आपके साथ संपूर्ण समाजवादी रहेंगे। कई ने इस पोस्ट का विरोध किया। पोस्ट डालने वाले अनिल पटेल से बात की तो उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष की वजह से पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ता नहीं आना चाहता है। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को एक महीने पहले ही लिखकर दिया था।

रिश्वत लेने वाला सीओ चकबंदी का पेशकार निलंबित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सीओ चकबंदी बहेड़ी को जांच सौंपी गई, रिपोर्ट शासन को भेजी गई

अमृत विचार: तीन दिन पहले भ्रष्टाचार निवारण संगठन के इंस्पेक्टर प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में आरोपी पेशकार को सीओ चकबंदी फरीदपुर के कार्यालय से रंगेहाथ रिश्वत लेते पकड़ा था। आरोपी अभी जेल में है। फरीदपुर तहसील के ग्राम पदारथपुर निवासी मोहम्मद आदिल ने एंटी करप्शन विभाग में शिकायत की कि दान में मिली जमीन की दाखिल खारिज कराने के लिए वह फरीदपुर चकबंदी अधिकारी के कार्यालय में तैनात कनिष्ठ सहायक (पेशकार) रजत चौधरी से मिले थे। आरोप लगाया कि सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी उनसे 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई। पेशकार बिना रिश्वत की रकम लिए काम करने को तैयार नहीं है। इससे परेशान होकर वह एंटी करप्शन विभाग में शिकायत लेकर आया है। टीम ने शिकायत जांच में सही पाई। गुरुवार की दोपहर करीब सवा 1 बजे पीड़ित 15 हजार रुपये लेकर पेशकार रजत चौधरी को उनके कार्यालय में देने गया। जैसे ही उसने पेशकार को रुपये दिए, उसी समय जाल बिछाकर बैठी टीम ने पेशकार को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। शहर कोतवाली में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज है।

हैंडबॉल की मंडलीय टीम चयनित

बरेली, अमृत विचार : खेल निदेशालय की ओर से प्रदेश स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 15 नवंबर तक स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती में किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए रविवार को मंडल स्तरीय ट्रायल स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुए। ट्रायल में शाहजहांपुर, बदायूं, पीलीभीत की टीम ने भाग नहीं लिया। कोच मोनिका सिंह ने बताया कि चयनित टीम प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

वालीबॉल प्रतियोगिता की ट्रॉफी का किया अनावरण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 11 से 15 नवंबर तक पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज में होगी प्रतियोगिता, 70 टीमें लेंगी भाग

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर की विद्यालयीय वालीबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इस प्रतियोगिता में देशभर की 70 टीमें प्रतिभाग करेंगी। इसमें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी शामिल होंगे। खिलाड़ियों को ठहराने के लिए शहर भर के सौ से अधिक होटलों में 418 कमरे बुक कराए गए हैं। प्रतियोगिता 11 नवंबर से पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज में शुरू होगी।

69वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय वालीबॉल प्रतियोगिता के लिए पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें अंडर-17 आयु वर्ग के बालक और बालिकाएं प्रतिभाग करेंगी। रविवार को राजकीय इंटर कालेज में प्रेसवार्ता में अधिकारियों ने बताया कि बालक वर्ग में 23 राज्यों की, 6 केंद्र शासित प्रदेशों की, 7 यूनिट्स की टीमें और बालिका वर्ग में 22 राज्यों की, 6 केंद्र शासित प्रदेशों की, 6 यूनिट्स की टीमों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमों के कुल 836 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग प्रतिभाग करेंगे। टीमों के साथ 146 मैनेजर एवं कोच भी प्रतियोगिता में अपनी-अपनी टीमों के साथ रहेंगे। प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं करने वाले राज्य अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मेघालय, नागालैंड और सिक्किम और केंद्र शासित प्रदेशों में अंडमान निकोबार, दमन एंड दीप एवं दादरा नागर हवेली शामिल हैं। वहीं प्रतिभाग नहीं करने वाले यूनिट्स में डीएवी शामिल है। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को बैग, टी-शर्ट, कॉपी मग और वालीबॉल बॉल प्रतीक स्वरूप दी जाएगी।

दीक्षांत समारोह में 192 छात्रों को दी गईं डिग्रियां

बरेली, अमृत विचार: मदरसा मंजर-ए-इस्लाम का 122वां दीक्षांत समारोह (दस्तारबंदी) रविवार को मनाया गया, जिसमें 192 तलबा (छात्रों) को सुब्हानी मियां और मुफ्ती अहसन मियां ने डिग्रियां सौंपकर दस्तारबंदी की।

दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि रविवार को दिन का आगाज सुबह फज्र की नमाज के बाद कुरानख्वानी से हुआ। दिन में नात मनकबत का दौर जारी रहा। शाम को शायर-ए-इस्लाम महशर बरेलवी, फारूक मदनपुरी, हाजी गुलाम सुब्हानी और आसिम नूरी ने नात-ओ-मनकबत का नजराना पेश किया। मुख्य कार्यक्रम रात 9 बजे मदरसे के सदर मुफ्ती आकिल रजवी, मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी, मुफ्ती अय्यूब खान, मुफ्ती मोइनुद्दीन समेत अन्य उलमा की मौजूदगी में हुआ। दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने सभी छात्रों से कहा कि हमेशा सुन्नियत और मसलक का वफादार रहते हुए बरेलवी मिशन को दुनिया भर में पहुंचाने का काम करें।

पर्यावरण को ध्यान में रख प्लास्टिक मुक्त किया जाएगा दीक्षांत समारोह

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड तय कर दिए हैं। दीक्षांत समारोह 13 नवंबर को सुबह 11 बजे से होगा। इस बार दीक्षांत समारोह को पर्यावरण को ध्यान में रखकर प्लास्टिक मुक्त रखा जाएगा। इसके लिए बनाई गई समिति को कुलपति ने व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं।

कुलपति ने निर्देश दिए हैं कि अतिथियों के लिए पेयजल की व्यवस्था की जाए लेकिन प्लास्टिक की बोतल में पानी न दें। उन्होंने सभी विभागों में साफ-सफाई के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा समारोह स्थल में अतिथियों और छात्र-छात्राओं को बैठने में कोई परेशानी न हो।

सफेद शर्ट या शूट पहनकर आएंगे टॉपर्स छात्र-छात्राएं: समारोह में टॉपर्स छात्र-छात्राओं के अलावा अधिकारियों और शिक्षकों के भी ड्रेस कोड अलग-अलग रखे गए हैं।

कुलसचिव हरीश चंद्र के अनुसार 23वें दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा में शामिल होने वाले सदस्य, कार्यपरिषद सदस्य, विद्यापरिषद सदस्य, संकायाध्यक्ष पुरुष के लिए बंद गले का ऑफ व्हाइट कोट एवं पैंट और महिलाओं के लिए रेड बॉर्डर की ऑफ व्हाइट साड़ी व रेड कलर का ब्लाउज और ऑफ व्हाइट कोट या स्वेटर (आवश्यकतानुसार) ड्रेस कोड सुनिश्चित किया गया है। वहीं टॉपर छात्रों के लिए व्हाइट शर्ट के साथ ब्लू, ग्रे या ब्राउन पेंट, छात्राओं के व्हाइट सलवार-शूट या ऑफ व्हाइट साड़ी लाल बार्डर के साथ रहेगी।

एक दिन पहले शोभायात्रा का होगा रिहर्सल

दीक्षांत समारोह में निकलने वाली शोभायात्रा का एक दिन पहले 12 नवंबर को दोपहर 3 बजे रिहर्सल किया जाएगा। कुलसचिव ने कार्य परिषद और विद्या परिषद के सभी सदस्यों, सभी संकायाध्यक्षों और समारोह समितियों के सभी संयोजकों को रिहर्सल के लिए निर्धारित समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

टीटीई ने दिखाई ईमानदारी, यात्री का लौटाया पर्स

बरेली, अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल के मुख्य चल टिकट निरीक्षक (सीसीटीआई) सुशील कुमार सिंह ने महिला यात्री का ज्वेलरी और नकदी से भरा पर्स वापस कर ईमानदारी की मिसाल पेश की है। सुशील कुमार शनिवार को बरेली जंक्शन पर 15091 टनकपुर एक्सप्रेस में कोचों की नियमित जांच कर रहे थे। उन्हें कोच संख्या ए-1 की सीट संख्या 5 पर एक लेदर पर्स मिला। पर्स के आसपास बैठे यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने उसे अपना नहीं बताया। उन्होंने यात्रियों की मौजूदगी में पर्स खोला, जिसमें ज्वेलरी, नगदी और एक मोबाइल नंबर मिला। उन्होंने तत्काल उस नंबर पर संपर्क किया, तो पता चला कि पर्स नायाब हुसैन नामक यात्री की पत्नी अफरोज का है। हुसैन परिवार दिल्ली से बरेली तक यात्रा कर रहा था और कोच बदलते समय गलती से पर्स वहीं छूट गया था। उन्होंने गाजियाबाद-मुरादाबाद के बीच सुरक्षित रूप से पर्स, ज्वेलरी और नकदी सहित वापस सौंप दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत धनेटा, विकास खण्ड मीरगंज (बरेली)

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत- धनेटा, वि. ख. - मीरगंज जनपद बरेली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में SLWM योजना के अंतर्गत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट के निर्माण हेतु उच्चकोटि/गुणवत्तापूर्वक सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	आपूर्ति हेतु सामग्री
1.	प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट	16 लाख रूपये	सीमेंट, रेता, बजरफुट, बजरी, सरिया, ईट, रोडी, आयरन, चौखट खिडकी, एंगिल, पेंट, प्राइमर, पुट्टी, मशीनरी आदि।

उक्त कार्य हेतु ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 15.11.2025 तक मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 03 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी जानकारी के लिए किसी भी दिन ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

ग्राम प्रधान-आरती देवी सचिव-ओमेन्द्र कुमार

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश
सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली
ई–निविदा सूचना सं0 06/WM/IWDB/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल विड एवं फाइनेंशियल बिड सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के यांत्रिक "ए" श्रेणी के पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से दिनॉक 20/11/2025 को 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदाओं की सूचना निम्नानुसार है।

लॉट संख्या	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि(लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	पंजीकृत श्रेणी
1	Manufacturing / casting and providing roller of shutter assembly for Kemri barrage Rampur (as per BOQ) FOR at IWD Bareilly (Taxes extra)	12.51	0.251	30	रू0 725 एव GST 18% अलग से देय होगी।	यांत्रिक "ए" श्रेणी
A	वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि एवं समय			दिनॉक 13/11/2025 को समय 10:00 बजे से		
B	बिड अपलोड करने की अवधि, जिसके साथ बिड डाक्यूमेंट शुल्क, बिड सिक्योरिटी, रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र एवं अन्य वांछित आवश्यक अभिलेख पी0डी0एफ0/एक्स00 एल0 फार्मेट में।			दिनॉक 13/11/2025 को समय 10:00 बजे से दिनॉक 20/11/2025 को 11.00 बजे तक		
C	निविदा प्रपत्र शुल्क, बिड सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्रमाण–पत्र एवं अन्य वांछित अभिलेख मूल रूप में कार्य प्रबंधक, सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली के कार्यालय में जमा करने की निर्धारित तिथि व समय			दिनॉक 20/11/2025 को 11:00 बजे तक		
D	आनलाइन पार्ट–'ए' प्री–क्वालीफिकेशन, टेक्निकल बिड 01 (धरोहर धनराशि व तकनीकी भाग) खोले जाने की तिथि एवं समय			दिनॉक 20/11/2025 को 15:00 बजे		
E	आनलाइन पार्ट–'बी'(वित्तीय भाग) फाइनेंशियल बिड खोले जाने की तिथि एवं समय			पार्ट 'ए' खोलने एवं इवैल्यूएशन के उपरान्त		
F	बिड खोले जाने का स्थान			कार्यालय कार्य प्रबंधक, सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली		

निविदा सूचना, सूचना विभाग की वेब–साइट http;information.up.gov.in, व सिंचाई विभाग की वेब–साइट http://idup.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र ई–प्रोक्योरमेन्ट वेबसाइट http:etender.up.nic.in से डाउन लोड किये जा सकते हैं, परन्तु निविदा–प्रपत्र का मूल्य कार्य प्रबन्धक, सिंचाई कार्यशाला खण्ड, बरेली के नाम केवल इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन देय होगी जो निविदा के भाग–'ए' के साथ आवश्यक रूप से जमा किया जाएगा। निविदा–प्रपत्र का मूल्य, निविदा के भाग–ए' के साथ संलग्न न किये जाने की स्थिति में निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा।

निविदा डालने से पूर्व ठेकेदार को साईट की विजिट स्वयं कर लेनी चाहिए। बजट एवं साइट की आवश्यकतानुसार कार्य की मात्रा घट/बढ़ सकती है। ठेकेदार को कार्य पूर्ण करने हेतु टी0 एण्ड पी0 एवं अन्य सामग्री की व्यवस्था करनी होगी।

UP – 240045 दिनांक: 07/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(कार्य प्रबंधक)
सिंचाई कार्यशाला खण्ड बरेली

कार्यालय ग्राम पंचायत दबतोरा, वि.खं. आसफपुर (बदायूं)

अल्पकालीन निविदा सूचना दिनांक: 09.11.2025

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0)/RGSA/केन्द्र वित आयोग/राज्य वित्तआयोग/मनरेगा योजना आदि के अभिसरन से शासन से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2025–26 ग्राम पंचायत समिति द्वारा तैयार व ग्राम सभा द्वारा पारित/अनुमोदन कार्ययोजना के सापेक्ष अनुसार निम्न कार्य कराया जाना है।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनु0 लागात
1	प्राथमिक विद्यालय कायाकल्प कार्य	प्राकलन अनुसार
2	सचिवालय कायाकल्प सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
3	ऑगनबाडी केन्द्र कायाकल्प कार्य, लर्निंगलेब व सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
4	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर हैण्ड पम्प मरम्मत कार्य	प्राकलन अनुसार
5	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर रिबोर कार्य	प्राकलन अनुसार
6	ग्रा0पं0 में नाली/नाला सफाई कार्य	प्राकलन अनुसार
7	ग्रा0पं0 में मुकेश के घर से ओमपाल के घर नाला निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
8	ग्रा0पं0 में नन्हें के घर से हरदयाल के घर तक खण्डंजा/नाली व सी0सी0 निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
9	पंचायत घर के पास नाले का उच्चीकरण व सामुदायिक शौचालय का मरम्मत कार्य	प्राकलन अनुसार
10	ग्राम पंचायत सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगवाने का कार्य	प्राकलन अनुसार
11	पंचायत घर की वाउन्ड्रीवॉल व टाइलीकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
12	जल भराव निस्तारण हेतु ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर मिटटी भराव कार्य	प्राकलन अनुसार
13	ग्रा0पं0 में सी0सी0/नाली/नाला मरम्मत व निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
14	ग्रा0पं0 में विभिन्न स्थानों पर नालियों पर जाल मरम्मत व निर्माण कार्य	प्राकलन अनुसार
15	सामुदायिक शौचालय पर सौन्दर्यकरण कार्य	प्राकलन अनुसार
16	प्रशासनिक व्यय	प्राकलन अनुसार

उपरोक्त समस्त कार्यों हेतु प्राक्कलन में दी गई सामग्री एवं मात्रा अनुसार सीमेंट, बजरफुट, गंगा रेता, पत्थर 20 एम एम, पत्थर 25–50 एम एम, ईंट प्रथम, ईंट बलदार, ईंट टुकडा, मिटटी, पसॅलोथीन, ईंट सीमेन्ट, हैण्डपम्परिबर एवं मरम्मत सामग्री (यथा चैन, सरिया, पाइप, हत्था, सिलेंडर, चेक वाल्व आदि) गाटर, चादर, टीन, जाली, पिलरपाइप, पर्लिन पाइप, पेंटिग सामग्री (यथा डिस्टेम्पर वार्निश) चूना, सफेद सीमेंट, कूलर, पुटटी समोसम आदि) सफाई उपकरण, कूडा गाडी क्रय, कूडा गाडी मरम्मत सामग्री, डेस्कटॉप, प्रिन्टर, इन्वर्टर, सीसीटीवी कैमरे, कूडादान, ऑफिस, वृक्षारोपण, टाइल्स, ग्रेनाइट पत्थर, वाशबेसिन, पानी टंकी फिटिंग आईटम, सोलर, लाइट, पी0पी0ई0 किट, मास्क, वाटरकूलर, आर वाटर आंगनबाडी केन्द्र हेतु फर्नीचर, ओपन जिम सामग्री, फॉगिंग मशीन, स्प्रे मशीन, प्राइमरी विद्यालय हेतु फर्नीचर, उच्च प्राथमिक विद्यालय हेतु फर्नीचर, सचिवालय हेतु फर्नीचर, उक्त सामग्री आपूर्ति हेतु निविदाएं दिनांक 15–11–2025 को 03:00 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में जमा की जा सकती है। प्राक्कलन मात्रा सामग्री प्रकार के बारे में किसी भी कार्यदिवस में पंचायत कार्यालय प्रधान/सचिव से जानकारी प्राप्त की जा सकती है व निविदाएं अंतिम तिथि को 04:00 बजे प्रधान/सचिव एवं फर्म प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। समस्त अधिकतर ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित हैं।

विनीत चौधरी:–ग्राम पंचायत सचिव श्रीमती ममता:–ग्राम प्रधान

जन्मदिन में गई महिला के मकान में लाखों की चोरी

सीबीगंज, अमृत विचार: जन्मदिन में शामिल होने गई विधवा महिला के मकान से लाखों रुपये की चोरी हो गई। सुबह वापस लौटने पर महिला को जब चोरी का पता चला तो पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस ने मौके पर जांच की। महिला की तहरीर पर पुलिस ने अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

सीबीगंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला सर्वोदय नगर निवासी बीना मिश्रा शनिवार को शाम 5 बजे खलीलपुर रोड स्थित अपने देवर के बेटे की जन्मदिन पार्टी में गई थीं। वह अपने मकान में अकेली रहती थीं और मकान में ताला डालकर गई थीं। जन्मदिन पार्टी के बाद वह रात में अपने देवर के घर पर ही रुक गई थीं। सुबह जब वह अपने घर पहुंची तो मकान और कमरों के ताले टूटे पड़े थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था।

रुविवि में उत्तराखंड स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- छोलिया नृत्य ने सभी का मोहा मन, विजेता किए गए पुरस्कृत

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय में उत्तराखंड स्थापना दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्र से आई छोलिया नृत्य टीम का शानदार प्रदर्शन रहा। छोलिया टीम ने ही मुख्य द्वार से अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें पांचाल सभागार तक पहुंचाया।

मुख्य द्वार पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मुख्य अतिथि मेयर डॉ. उमेश गौतम और विशिष्ट अतिथि डॉ. दीप पंत का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। सभागार में उत्तराखंड के सुदूर पर्वतीय क्षेत्र से आए कलाकारों, विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मेयर ने उत्तराखंड स्थापना दिवस पर समस्त उत्तराखंड वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथि डॉ. दीप पंत ने उत्तराखंड में पलायन की समस्या और चिकित्सा सुविधाओं की कमी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला। कुलपति ने कार्यक्रम की प्रेरणास्रोत राज्यपालआनंदीबेन पटेल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन में ही उत्तराखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रदर्शनी आदि का आयोजन संभव हो सका। इस अवसर पर गत चार दिनों से आयोजित क्विज, भाषण और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले और विजेता विद्यार्थियों को कुलपति और अतिथियों ने पुरस्कार वितरित किए गए। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय, संबद्ध महाविद्यालयों और पंडित दीनानाथ इंटर कॉलेज एवं दिशा इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

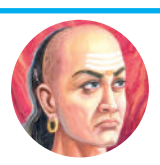

मूर्ख शिष्य को पढ़ाने पर, दुष्ट स्त्री के साथ जीवन बिताने पर तथा दु:खियों-रोगियों के बीच में रहने पर विद्वान व्यक्ति भी दु:खी हो ही जाता है।

-आचार्य चाणक्य

संघर्ष से उत्कर्ष

उत्तराखंड राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर समूचे राज्यवासियों को बधाई। बीते पच्चीस वर्षों के दौरान राज्य के कर्मठ लोगों ने जो सामूहिक उपलब्धियां हासिल की हैं, वे इस माह 25 वर्ष पूरे करने वाले अन्य दो राज्यों झारखंड तथा छत्तीसगढ़ के लिए भी अनुकरणीय हैं। आधारभूत ढांचे, उद्योग, विनिर्माण, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के साथ सुशासन के मामले में भी पर्वतीय राज्य ने जो उल्लेखनीय प्रगति की है वह संघर्ष से उत्कर्ष तक की गाथा है। राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा 8,260 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिलने के बाद, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड का बहुआयामी विकास और तीव्र होना तय है। विशेष रूप से पेयजल, सिंचाई और विद्युत उत्पादन से जुड़ी बहुउद्देशीय परियोजनाएं भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी होंगी। राज्य गठन के समय उत्तराखंड के लगभग 65 प्रतिशत घरों में ही बिजली थी, आज 99 प्रतिशत घरों में है। सड़क नेटवर्क 84 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अविभाजित उत्तर प्रदेश में गरीबी दर 41 प्रतिशत थी, जो अब 23 प्रतिशत है, जबकि उत्तराखंड में गरीबी दर केवल 9 प्रतिशत के करीब है। राज्य की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 15 हजार रुपये से बढ़कर 2 लाख 27 हजार रुपये यानी राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी हो गई। राज्य की जीडीपी 14,501 करोड़ रुपये से बढ़कर 4 लाख 29 हजार करोड़ रुपये हो चुकी है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स इंडेक्स में अग्रणी उत्तराखंड देश में जीवन प्रत्याशा 71 वर्ष तक पहुंच गई है, जबकि उत्तर प्रदेश में यह 67 वर्ष तक भी नहीं।

राज्य गठन के समय यहां एक मेडिकल कॉलेज था। आज मेडिकल विश्वविद्यालय समेत पांच सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं। शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों की संख्या में भी व्यापक वृद्धि हुई है। उत्तराखंड अब ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां जल्द ही 23 खेल अकादमियां होंगी। हालांकि इस तेज विकास यात्रा के बीच उत्तराखंड के सामने कुछ गंभीर चुनौतियां भी हैं। राज्य गठन के समय उस पर लगभग 4,000 करोड़ रुपये का ऋण था, जो आज बढ़कर 80,000 करोड़ रुपये हो गया है। रिवर्स पलायन के दावों के बावजूद, पलायन अब भी बड़ी समस्या है। पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के बीच आय की असमानता बनी हुई है और कई गांव आज भी सड़कों से नहीं जुड़े हैं। राज्य की कल्पना शहीदों और आंदोलनकारियों ने इसलिए की थी ताकि पहाड़ों में रोजगार आए, पलायन रुके और पर्यावरण सुरक्षित रहे। उत्तराखंड अभी भी प्राकृतिक चुनौतियों से जूझ रहा है, इसलिए अब संतुलित विकास की आवश्यकता है, जिसमें पहाड़ों के पर्यावरण, संस्कृति और रोजगार को समान प्राथमिकता दी जाए। 1955 में मसूरी नगर पालिका परिषद से शुरू हुई अलग राज्य की मांग ने 1994 में निर्णायक रूप लिया। 2 सितंबर 1994 का दिन इतिहास का दर्दनाक अध्याय बना, जब छह आंदोलनकारियों ने शहादत दी। शहादत रंग लाई, 9 नवंबर 2000 वह दिन था, जब पूरे उत्तराखंड का सपना साकार हुआ। आज राज्य स्थापना दिवस पर उत्सव मनाने के साथ, उन शहीदों और उनके सपनों को स्मरण करने का भी दिन है।

प्रसंगवश

कानपुर के स्वतंत्रता सेनानी ने की थी झंडा गीत की रचना

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने पर पूरा देश जश्न मना रहा है, लेकिन इसके देवी स्तुति वाले छंद हटाए जाने की बात भाजपा की ओर से कही गई है। यह भी तथ्य है कि 100 साल पहले कानपुर में रचे गए झंडा गीत से भी कुछ पंक्तियां हटा दी गई थीं।

बीते शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर डाक टिकट जारी करने के अवसर पर बिना किसी का नाम लिए कहा कि 1937 में इस राष्ट्रगीत के टुकड़े कर विभाजन के बीज बो दिए गए थे। मोदी ने वंदे मातरम् की गौरव गाथा को विभिन्न उपमाओं-अलंकरणों को स्पंदन देते हुए इससे जुड़े इतिहास के पन्ने को पलटने के साथ ही वर्तमान चुनौतियों की ओर इशारा भी किया। इसके ठीक बाद भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक्स पर पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस ने 1937 में वंदे मातरम् के केवल दो छंदों को मान्यता दी थी और दुर्गा स्तुति वाले छंद को हटा दिया। इस मुद्दे पर उन्होंने नेहरू का नाम लिया और इसे कांग्रेस के सांप्रदायिक सोच का एजेंडा बता दिया। यह राष्ट्रगीत बंकिम चंद चटर्जी ने लिखा था, जो देश की आत्मा बन गया।

शैलेश अवस्थी

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

बताते चलें कि कोई 100 साल पहले गांधीजी की इच्छा पर गणेश शंकर विद्यार्थी के आग्रह पर श्यामलाल गुप्त पार्षद जी ने सात पदों वाले झंडा गीत की रचना की थी। तथ्य और इतिहास की पुस्तकें बताती हैं कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने इसकी कुछ पंक्तियां हटवाकर इसे मान्यता दी और फिर इसे पहली बार 14 अप्रैल 1924 में ही फूलबाग में जलियावाला बागकांड के विरोध में सामूहिक रूप से किया गया। जो पंक्तियां हटाई गईं उनमें... "लाल रंग बजरंगबली का हरा रंग अहल इसलोम अली का, श्वेत सभी धर्मों का टीका, एक हुआ रंग न्यारा-न्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा"। कहते हैं गांधीजी के कहने पर इसमें संशोधन हुआ था। बदलाव के बाद ही इसे जारी किया गया। यह भी तथ्य है कि आजादी के बाद भी बदलाव करते हुए "स्वतंत्रता के भीषण रण में" के स्थान पर प्रजातंत्र के नवसर्जन में, "स्वतंत्रता है ध्येय हमारा कि जगह सबल राष्ट्र है ध्येय हमारा" और विश्व विजय की जगह सत्य विजय किया गया, लेकिन सभी परिवर्तन पार्षद जी की सहमति से हुए। दरअसल ये पंक्तियां आजादी के बाद प्रासंगिक नहीं रह गई थीं। पार्षद जी ने "झंडा ऊंचा रहे हमारा, सदाशक्ति बरसाने वाला, प्रेम सुधा सरसाने वाला, वीरों को हर्षाने वाला, मातृभूमि का तनमन सारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा", लिखकर स्वतंत्रता के दीवानों में जोश जगा दिया था। कानपुर इतिहास समिति के सचिव अनूप शुक्ला भी पुस्तकों के हवाले से बताते हैं कि मूल झंडा गीत में बदलाव किए गए थे, लेकिन इसमें पार्षद जी की सहमति जरूर ली गई थी।

नमो-नमो भी लिखा, पर स्वीकृति नहीं मिली। पार्षद जी ने "झंडा ऊंचा रहे हमारा" के पहले "नमो-नमो भारत जननी के गौरव की, अविचल शाखा नमो-नमो", लेकिन इसे यह कहकर अस्वीकृत कर दिया गया कि इसमें रिदम और ओज नहीं है। यह अलग बात है कि इसे भी बहुत पसंद लिया गया था। झंडा गीत रचने वाले पार्षद जी का जन्म 1896 में हुआ। अभाव के बावजूद वह आजादी के लिए लड़ते रहे। कभी सरकारी सुविधा नहीं ली। विद्यार्थी जी की प्रेरणा से सरसौल में गणेश सेवा आश्रम की स्थापना की। 1973 में पद्मश्री ग्रहण समारोह के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी उनकी सादगी और हालात देख सुबक पड़ी थीं। इन पर डाक टिकट भी जारी हुआ। पार्षद जी आजादी की लड़ाई में जेल गए, कई साल फतेहपुर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और 10 अगस्त 1977 में निधन हो गया था।

राजनीति: जनता के लिए नहीं कैमरे के लिए

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में चुनाव हो रहे हैं, जो सत्ता के लिए आन और विपक्षी गठबंधन के लिए अस्तित्व का प्रश्न बने हुए हैं। चुनाव प्रचार के बीच में नेता प्रतिपक्ष, राहुल गांधी एक तालाब में कूद पड़े। चार-पांच मीटर तैरकर दिखाया। मछली पकड़ने का जाल लिए मछुआरों के साथ फोटो खिंचाई।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर कहा, देखो ये होता है जननायक, जैसे पानी में तैरना राजनीति करने की एकमात्र शर्त हो। वह इससे चार साल पहले केरल के कोल्लम जिले के थांग्स्सेरी बंदरगाह के पास समुद्र में मछुआरों के साथ कूदे थे। तब भी यही कहा गया था। बिहार की कुदान के बाद कयास लगाए जाने लगे कि ऐसे दृश्य बनाने के मामले में दक्ष माने जाने वाले प्रधानमंत्री मोदी इसके प्रत्युत्तर में क्या करेंगे? क्या पानी पर चलकर दिखाएंगे? बेधड़क भविष्यवाणियां की जाने लगीं कि इस कारनामें के बाद बिहार के मछुआरों के अधिकांश वोट विपक्ष के गठबंधन को नहीं तो कांग्रेस को, कांग्रेस को नहीं तो तालाब में राहुल गांधी के साथ खड़े मुकेश सहनी की वीआईपी पार्टी को तो मिल ही जाएंगे, जैसे मछुआरे किसी स्वीमिंग पूल के आदी नेता को अपने गांव के कीचड़ में कूदते देखने के लिए तरस रहे थे। इतना हो जाने के बाद अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। एक दृश्य ने उनकी सारी समस्याओं को खत्म कर दिया है।

याद आना स्वाभाविक है कि पिछले बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने भद्रलोक बंगाली वोटरों को रिझाने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर की तरह दाढ़ी बढ़ाई थी। प्रचार का समय लंबा था, बाल और दाढ़ी बढ़ते गए, लेकिन उनका कोई असर नहीं हुआ। बीते दस सालों में याद की जाएं, तो सत्ता और विपक्ष के बीच 'आप्टिक्स' बनाने की स्पर्धा की दर्जनों घटनाएं मिलेंगी, जिनमें भाजपा सरकार के मंत्रियों के पुशअप, झाड़ू लगाने और ध्यान और पर्वों पर नहान के अभिनय शामिल हैं। इनमें सबसे अधिक कुख्यात या विख्यात पुलवामा में फिदाइन हमले में सीआरपीएफ जवानों की मौत के समय जिम कार्बेट पार्क में डिस्कवरी चैनल के लिए की गई शूटिंग है।

भारतीय राजनीति में यह बीमारी यूरोप से आई और सबसे पहले उस पार्टी को रास आई जो सनातन, पुरातन और हिंदू संस्कृति की उग्र पैरोकार है। आप्टिक्स के पहले नजारे गुजरात के विधानसभा चुनावों में देखने को मिले, जहां युवा भगवा रंग की एक टी-शर्ट पहनकर गोलाई में ऐसे नाचते थे कि पीठ पर छपे विवेकानंद, पेट पर लिखा नरेंद्र और कमल का फूल आपस में मिलकर एक दिखने लगते थे। नरेंद्र, स्वामी विवेकानंद का नाम है, लेकिन इसका मतलब वहां के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी हुआ करता था। देसी राजनीति में इससे पहले नेता को सिक्कों से, फूलों से तौलने के ऐसे आप्टिक्स बना करते थे, जिनमें जनता की भागीदारी हुआ करती थी।

दरअसल भारतीय राजनीति पर जब से कार्पोरेट का प्रभाव बढ़ा, जनता से दूरी बढ़ी और चुनाव केंद्रित होती गई, इस तरह के टोटके बढ़ते गए, जो कार्पोरेट और मैनेजमेंट की चतुर दुनिया से आयात किए गए हैं। राजनेता चुनाव के समय ही सक्रिय होने लगे तब प्रशांत किशोर जैसे सर्वे और मार्केटिंग के उस्तादों का आगमन हुआ, जो पार्टियों से करोड़ों रुपये लेकर बताने लगे कि किसी इलाके में मुद्दे क्या हैं, वहां चुनाव में कैसा दिखना है और क्या बोलना है? नेता कठपुतली हो गया, डोरी मैनेजर के हाथ चली गई। पहले के नेता जनता के बीच में ज्यादा रहते थे इसलिए प्रशांत किशोर टाइप लोगों को पास फटकने नहीं देते थे, क्योंकि उन्हें जमीन का तापमान पता रहता था। इस तरह राजनीति राज-काज, परिवर्तन और जीवन की बेहतरी के कर्म के बजाय एक ऐसी फिल्म में बदलने लगी, जिसे अच्छा अभिनय करके हिट किया जा सकता था या चुनाव जीते जा सकते थे। इसी के साथ नेताहीन स्थिति में पहुंच गया, क्योंकि अब कार्यकर्ता से बड़ा कैमरा था। राजनीति करने के लिए जनता से सरोकार और मुद्दों की समझदारी से अधिक जलेबी छानना, नगाड़ा बजाना जरूरी हो गया। 2019 में कुंभ के सफल आयोजन के बाद माथे पर त्रिपुंड लगाए प्रधानमंत्री ने प्रयागराज जाकर पांच सफाई कर्मचारियों के पैर धोए। अछूतों से लेकर द्विजों तक सबके लिए जबरदस्त विजुअल था।

भाजपा के भीतर माना जा रहा था कि इस मास्टर स्ट्रोक से देश की दलित राजनीति बदल जाएगी। मायावती जैसे दलित नेता उड़कर कहां जाएंगे पता भी नहीं चलेगा। ऐसा हो सकता था अगर प्रधानमंत्री घोषणा कर देते कि आज के बाद एक भी सफाई कर्मचारी की मौत सीवर में दम घुटने से नहीं होने दी जाएगी। सीवर सफाई का काम मशीनें करेंगी अब सफाई कर्मचारियों को मैले में उतरने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि दलितों की जिंदगी से सरोकार से अधिक विजुअल की ताकत पर ज्यादा भरोसा था।

कुछ ही दिनों बाद ये सफाई कर्मचारी मीडिया में कम वेतन, जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न की शिकायत करते दिखाई देने लगे। उनकी हताशा बहुत बढ़ गई थी, क्योंकि देश के सबसे शक्तिशाली आदमी ने उनके पैर धोए थे फिर भी उनकी जिंदगी पहले ही जैसी लीचड़ थी। इन विशेष पैरों वाले सफाई कर्मचारियों की ही तरह, हर दिन बनाए जाते अनगिनत विजुअल्स में शामिल नागरिकों की हताशा और व्यर्थाबोध भी राजनेताओं को पहले से अधिक अविश्वसनीय बनाएंगे। यह पक्की बात है।

> दरअसल भारतीय राजनीति पर जब से कार्पोरेट का प्रभाव बढ़ा, जनता से दूरी बढ़ी और चुनाव केंद्रित होती गई, इस तरह के टोटके बढ़ते गए, जो कार्पोरेट और मैनेजमेंट की चतुर दुनिया से आयात किए गए हैं।

आमने

हमारी टीम में सिर्फ रेस के घोड़े मिलेंगे, बाकी घोड़े हम नहीं रखते। हम लंबी रेस के घोड़े हैं। सोसायटी में खाद नहीं मिल रहा, सब बाजार में उपलब्ध है। पूर्व कृषि मंत्री ने हरदा में नकली खाद की फैक्ट्री खोल ली है। हमने किसानों के हित में जल्द बड़ा आंदोलन करने का ऐलान किया, जो राज्य की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है।

- **अरुण यादव**, कांग्रेस नेता

सामने

कांग्रेस में अब कौन घोड़ा है, कौन गधा है, ये समझना बड़ा मुश्किल है, वो किस पर दांव लगाएंगे, किसको दौड़ाएंगे, किसको बैठाएंगे, किसको आउट करेंगे, ये उनका विषय है। ये हमारा विषय नहीं है। हमारी सरकार और पार्टी तो निरंतर गरीबों के कल्याण और विकास के लिए काम कर रही है। अंतिम छोर के व्यक्ति के चेहरे पर खुशी लाना हमारी सरकार की मंशा है।

- **ज्ञानेश्वर पाटिल**, बीजेपी सांसद

उत्तराखंड: भविष्य की चुनौतियां एवं रोडमैप

प्रो. एच.सी. पुरोहित

देहरादून

उत्तराखंड का गठन 9 नवंबर, 2000 को उस स्वप्न के साथ हुआ था कि हिमालय की गोद में बसे इस प्रदेश को उसकी भौगोलिक परिस्थितियों और सांस्कृतिक विशिष्टताओं के अनुरूप विकास का अवसर मिले। राज्य के गठन के बाद के शुरुआती वर्षों में उत्तराखंड देश के तीव्र गति से विकसित होने वाले राज्यों में से एक रहा है।

वर्ष 2001 से 2010 के बीच इसकी वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 9 से 10 प्रतिशत के बीच रही, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक थी। हरिद्वार, रुद्रपुर, पंतनगर और देहरादून जैसे औद्योगिक केंद्रों में निवेश ने राज्य की अर्थव्यवस्था को नई पहचान दी। वित्त वर्ष 2024-25 में उत्तराखंड का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 3.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस अवधि में राज्य की प्रति व्यक्ति सालना आय भी बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये तक पहुंच गई है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि उत्तराखंड निरंतर तीव्र आर्थिक वृद्धि की दिशा में अग्रसर है।

उत्तराखंड का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 53,483 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 86 प्रतिशत भाग पर्वतीय तथा केवल 14 प्रतिशत मैदानी क्षेत्र है। राज्य का लगभग 65 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, जिससे भूमि उपयोग और शहरीकरण की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। यही भौगोलिक विषमता राज्य की नीतियों, संसाधन उपयोग और प्रतिनिधित्व की संरचना को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इस कारण पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के बीच विकास का संतुलन बनाना उत्तराखंड की सबसे बड़ी प्रशासनिक और नीतिगत चुनौती रही है। पर्यटन और सेवा क्षेत्र उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। चारधाम यात्रा, योग, आयुर्वेद और पारिस्थितिक (इको) पर्यटन की वैश्विक पहचान ने राज्य को नई दिशा दी है। इसलिए अब आवश्यकता सतत पर्यटन की है, जिससे प्रकृति और अर्थव्यवस्था में संतुलन बना रहे। राज्य सरकार द्वारा राज्य में प्रवेश करने वाले वाहनों से 'ग्रीन सेस' लेने का निर्णय इस दिशा में एक कारगर पहल सिद्ध हो सकता है।

राज्य की ऊर्जा नीति भी उल्लेखनीय रही है। लगभग 25,000 मेगावाट की जलविद्युत क्षमता में से 4,000 मेगावाट का दोहन हो चुका है। सौर और पवन ऊर्जा में निवेश ने हरित संक्रमण की दिशा में राज्य को अग्रणी बनाया है। शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साक्षरता दर 71 प्रतिशत से बढ़कर 87 प्रतिशत हो चुकी है। इन उपलब्धियों के बावजूद, राज्य के विकास की सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्रीय असंतुलन है। पर्वतीय क्षेत्र, जो राज्य की आत्मा और पहचान हैं, नीति और प्रतिनिधित्व के स्तर पर अपेक्षाकृत उपेक्षित महसूस करते हैं।

निर्वाचन व्यवस्था में विधानसभा क्षेत्रों का निर्धारण जनसंख्या के आधार पर होने के कारण मैदानी जिलों का प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ रहा है। हरिद्वार जैसे जिलों में जनसंख्या घनत्व, जहां 800-900 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तक पहुंच गया है, वहीं पिथौरागढ़ या चमोली जैसे पर्वतीय जिलों में यह मात्र 100-150 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। परिणामस्वरूप जनसंख्या के अनुपात में सीट निर्धारण से पर्वतीय जिलों की राजनीतिक आवाज कमजोर होती जा रही है। यह स्थिति न केवल लोकतांत्रिक असमानता को जन्म देती है, बल्कि विकास की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित करती है। एक पर्वतीय क्षेत्र के विधायक का क्षेत्रफल औसतन 3000 से 4000 वर्ग किलोमीटर तक फैला होता है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में यह केवल 200-300 वर्ग किलोमीटर का होता है। फिर भी दोनों को समान प्रतिनिधित्व देना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। शासन की कठिनाइयां और जनता तक पहुंच की सीमाएं पर्वतीय प्रतिनिधि के लिए कहीं अधिक हैं।

इस संदर्भ में यह विचार प्रासंगिक है कि क्या अब समय नहीं आ गया है, जब उत्तराखंड में विधानसभा क्षेत्रों के निर्धारण में केवल जनसंख्या नहीं, बल्कि भौगोलिक विषमता और क्षेत्रफल को भी स्थान मिले, जिससे नीति-निर्माण में पर्वतीय दृष्टि को स्थायी स्थान मिल सके। राजनीतिक दृष्टि से यह आसान नहीं है, क्योंकि इसके लिए अनुच्छेद-170 में संशोधन की आवश्यकता होगी। लोकतंत्र का अर्थ केवल 'एक व्यक्ति-एक वोट' नहीं, बल्कि 'हर क्षेत्र-हर आवाज' भी है। इसलिए प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पर्वतीय आंचलों को विधानसभा में समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिए आवश्यक है कि पर्वतीय क्षेत्रों में विधानसभा सीटों का परिसीमन आवश्यकता के आधार पर हो। यदि इसे विकासखंड़ों के मानक पर आधारित किया जाए, तो यह अधिक तर्कसंगत और न्यायोचित होगा।

पच्चीस वर्षों में उत्तराखंड ने यह सिद्ध किया है कि यदि इच्छाशक्ति और नीति में स्पष्टता हो, तो सीमाएं भी संभावनाओं में बदल सकती हैं। अगले पच्चीस वर्षों में राज्य का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर तराई की हरियाली तक हर क्षेत्र समान अवसर, समान आवाज और समान सम्मान का अनुभव करें। यही सच्चे अर्थों में उत्तराखंड के निर्माण का उद्देश्य था और यही उसकी आगामी यात्रा की दिशा भी होनी चाहिए।

> अगले पच्चीस वर्षों में राज्य का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर तराई की हरियाली तक हर क्षेत्र समान अवसर, समान आवाज और समान सम्मान का अनुभव करें।

सोशल फोरम

वीआईपी आवगमन, ट्रैफिक डायवर्जन और त्रस्त जनता

पूरा देश वीआईपी आवगमन के कारण ट्रैफिक जाम व ट्रैफिक डाइवर्जन से त्रस्त है। कई बार तो जनसामान्य को सड़क पर पैदल चलने से भी रोका जाता है। घंटों लोगों को बेवजह सड़क पर रोका जाता है या दूर-दराज के रास्तों से उनके गंतव्य को भेजा जाता है। इससे आम लोगों का कीमती समय तो बर्बाद होता ही है। लोगों की गाड़ी कमाई का लाखों लीटर डीजल-पैट्रोल भी बर्बाद होता है। डीजल पैट्रोल की बर्बादी सीधे-सीधे विदेशी मुद्रा की भी बर्बादी है। नीली-लाल बत्ती के खौफ से लोग मन मरोसकर रह जाते हैं। इस खौफ से जाम में फंसकर कई मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही स्वर्ग पहुंच गए। अब वीआईपी आवागमन के दिनों में स्कूलों को भी बंद किया जा रहा है। ये वीआईपी स्कूली बच्चों से भी खौफजदा हैं। वीआईपी के आवागमन पर रास्ते की दुकानों बैंक व बाजार को बंद कराया दिया जाता है। सब कुछ जीरो जोन किया जा रहा है। आज के दौर में ऐसे जननेता तो है नहीं, जिनके दर्शन के लिए आम लोग उमड़ पड़ें। सोशल मीडिया के इस दौर में नेताओं के भाषणों की अहमियत भी खत्म हो चुकी है। इसलिए वीआईपी नेताओं को सड़क पर देखने-सुनने वाली नाउम्मीद भीड़ अब आज के सभी नेताओं से दूर रहती है।

संजीव भगत

नैनीताल

इन नेताओं के आवागमन के लिए सड़क पर कोई स्पष्ट नियम नहीं हैं। सड़क पर खड़े सिपाही के नियम ही सर्वोच्च कायदे कानून हैं। वीआईपी सुरक्षा को लेकर सड़क पर पुलिस के नियम हमेशा अलग होते हैं। देश और राज्य के दो-चार सर्वोच्च नेताओं को छोड़कर बाकी नेताओं को आम जनता पहचानती ही नहीं। न वे स्थानीय आम जनता के किसी काम के हैं। पुलिस प्रशासन को जनता की तकलीफ से कोई सरोकार नहीं है। वे सारी मशक्कत अपनी नौकरी बचाने के लिए करते हैं। उनके लिए नेताओं की सेवा ही देशसेवा है। नैनीताल, कैंची मंदिर आने वाले वीआईपी भक्तों के कारण इस क्षेत्र की जनता रोज जाम और ट्रैफिक डाइवर्जन भुगतने के लिए अभिशप्त है। अब करें क्या? पुलिस प्रशासन से कोई उम्मीद नहीं। अंतिम उम्मीद फिर वीआईपी से ही है कि वे केवल हवाई मार्ग से ही यात्रा करें। धरती पर न्यूनतम कदम रखें। इससे सरकार व जनता दोनों का पैसा व वक्त बचेगा। वीआईपी स्वयं ऐसे उच्च मानदंड स्थापित करें कि उनके सड़क से गुजरते वक्त आम जनता को कोई परेशानी न हो।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

उच्च शिक्षा संस्थानों का गिरता वैश्विक स्तर चिंताजनक

हाल ही में क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यू.एस.), जोकि वैश्विक स्तर का उच्च शिक्षा विश्लेषक है, के द्वारा एशियाई विश्वविद्यालयों की ताजा रैंकिंग जारी की गई है। इस रैंकिंग में भारतीय संस्थानों की स्थिति में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी तरफ चीन, मलेशिया, दक्षिणी कोरिया और सिंगापुर के संस्थानों ने कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक गिरावट आईआईटी मुंबई की रैंकिंग में आई है। यह वर्ष 2025 की रैंकिंग में 48 वें स्थान पर था, जबकि 2026 की रैंकिंग में यह 71 वें स्थान पर है। उल्लेखनीय है कि 2026 की रैंकिंग में शीर्ष दस स्थानों पर हांगकांग, चीन व सिंगापुर के संस्थान काबिज हैं। भारत के संस्थानों की स्थिति में गिरावट कहीं न कहीं हमारे लिए एक चिंताजनक संकेत है। स्पष्ट है कि हम उन संकेतकों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं, जिनके आधार पर उच्च शिक्षा संस्थानों का समग्र वैश्विक मूल्यांकन किया जाता है।

शिशिर शुक्ला

असिस्टेंट प्रोफेसर

शाहजहांपुर

आखिर क्या कारण है कि हम शीर्ष पर काबिज होने से चूक रहे हैं। यदि इस रैंकिंग के मापदंडों पर गौर किया जाए, तो उनमें से प्रमुख संकेतक हैं- एकेडमिक ख्याति, नियोक्ता ख्याति, शिक्षक विद्यार्थी अनुपात, अंतर्राष्ट्रीय शोध नेटवर्क, प्रति शिक्षक शोध पत्र, साइटेशन, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक, अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी एवं पीएचडी से संबंधित स्टाफ। स्पष्ट है कि रैंकिंग को निर्धारित करने में शोध की एक अहम भूमिका है। कितनी विडंबनापूर्ण बात है कि जहां एक ओर देश में शिक्षण संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है, वहीं उनकी गुणवत्ता, शोध-उत्पादकता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता में गिरावट देखने को मिल रही है। यह गिरावट केवल शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाती, बल्कि यह भारत के ज्ञान-आधारित विकास मॉडल के लिए भी गंभीर चेतावनी है। हमें इस सत्य को स्वीकारना होगा कि हमारे शिक्षण संस्थानों में शिक्षण पर शोध की अपेक्षा अधिक ध्यान दिया जाता है। निस्संदेह शिक्षणकार्य को प्राथमिकता देनी चाहिए, किंतु शोध के प्रति रूझान बढ़ाने की भी आवश्यकता है ताकि हम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए शासन के स्तर से भी शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक अभियान चलाते हुए ऐसे कदम उठाए जाएं, जिससे शोधार्थी शोध को लेकर चिंतित एवं निराश होने की बजाय आशान्वित एवं प्रोत्साहित हों। बेहतर आर्थिक संसाधनों की सहायता से इस योजना को अंजाम दिया जा सकता है। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षण संस्थानों में बेहतरीन पुस्तकालय एवं तकनीकी सुविधाओं की प्रचुरता भी सुनिश्चित करनी होगी।

संसाधनों की कमी का एक दुष्प्रभाव यह भी होता है कि भारत की अधिकांश प्रतिभा दूसरे देशों में रोजगार एवं कैरियर के अच्छे अवसर पाकर यहां से पलायन का रास्ता पकड़ लेती है और जिसका अंतिम परिणाम यह होता है कि हम उस प्रतिभा के पलायन के साथ ही अनेक संभावनाओं से हाथ धो बैठते हैं। चीन, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों ने शिक्षा में भारी निवेश कर अपने विश्वविद्यालयों को विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थानों पर पहुंचाया है। इन राष्ट्रों ने शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखा है। वहां सरकार, उद्योग और शैक्षिक जगत का त्रिकोणीय सहयोग शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। भारत में यह सहयोग अभी शुरुआती अवस्था में है। भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों की गिरती रैंकिंग केवल संख्यात्मक गिरावट नहीं है अपितु यह एक चेतावनी है कि भारत की विशाल जनसंख्या यदि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा से वंचित रही, तो कहीं न कहीं हम अपनी पहचान खो बैठेंगे। गिरती रैंकिंग को सुधारना केवल प्रतिष्ठा का प्रश्न ही नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के बौद्धिक भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

फोर्स अर्बानिया
लंबे सफर की नई साथी

बड़े परिवार या ग्रुप में ट्रिप प्लान करना आसान नहीं होता। 5 से 17 लोगों का परिवार हो, तो हर बार 3-4 गाड़ियां निकालनी पड़ती हैं, जिससे न तो सब एक साथ सफर का मजा ले पाते हैं और न ही खर्चे कम होते हैं, लेकिन अब यह मुश्किल खत्म हो सकती है, क्योंकि Force Motors लेकर आई है Urbania। यह एक ऐसी 17 सीटर वैन, जो पूरे परिवार को एक ही सफर में जोड़ देती है। Force Urbania सिर्फ एक गाड़ी नहीं, बल्कि बड़े परिवारों और ट्रैवल ग्रुप्स के लिए मूविंग होम है। ऐसे में अगर आप फैमिली ट्रिप्स या बिजनेस टूर के लिए एक भरोसेमंद गाड़ी चाहते हैं, तो Force Urbania अच्छा ऑप्शन हो सकता है। *-फीचर डेस्क*

जॉइंट फैमिली और बिजनेस यूजर्स के लिए परफेक्ट

Urbania को खासतौर पर उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें एक बड़ी, स्टाइलिश, भरोसेमंद और मल्टी-पर्पज वैन चाहिए। चाहे आप परिवार के साथ हिल स्टेशन जा रहे हों या बिजनेस ट्रिप पर, यह वैन हर मौके के लिए फिट बैठती है। इसकी विशाल केबिन, प्रीमियम इंटीरियर और लग्जरी बस जैसा कंफर्ट इसे फैमिली और कॉर्पोरेट दोनों ही यूज़र्स के बीच लोकप्रिय बना रहा है।

स्पेशियस इंटीरियर, लग्जरी का अहसास

Urbania का केबिन स्पेस किसी मिनी लग्जरी बस से कम नहीं। हर सीट पर AC वेंट, फुल LED लाइटिंग, USB चार्जिंग पोर्ट और टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स मौजूद हैं। इसके प्रीमियम डैशबोर्ड, मॉडर्न इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ब्लूटूथ ऑडियो सिस्टम लंबी यात्राओं को और मजेदार बनाते हैं। साथ ही पावर विंडो और सेंट्रल लॉकिंग जैसी सुविधाएं ड्राइवर को भी सुविधा देती हैं।

पावरफुल इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस

Force Urbania में 2596cc, 4-सिलेंडर डीजल इंजन है, जो 115hp की पावर और 350Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन हाईवे, ढलान या भारी लोड, हर जगह संतुलित परफॉर्मेंस देता है। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स स्मूद शिफ्टिंग ऑफर करता है और Urbania शहर में लगभग 10-12 km/l, जबकि हाईवे पर 14-16 km/l तक का माइलेज देती है।

सेफ्टी फीचर्स

- Urbania में सेफ्टी को लेकर Force Motors ने कोई कसर नहीं छोड़ी है।
- इसमें दिए गए हैं-ड्राइवर और को-ड्राइवर एयरबैग
- ABS (Anti-lock Braking System)
- EBD (Electronic Brakeforce Distribution)
- ESC (Electronic Stability Control)

रियर कैमरा और पार्किंग सेंसर

- लंबी यात्राओं के दौरान ये फीचर्स यात्रियों और ड्राइवर दोनों को अतिरिक्त भरोसा देते हैं।

वेरिएंट्स और कीमत

- Urbania तीन व्हीलबेस वेरिएंट्स- शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग में उपलब्ध है। आप इसे 13, 15 या 17-सीटर विकल्प में चुन सकते हैं। 17 सीटर वेरिएंट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 30 लाख रुपये है, जबकि टॉप मॉडल के साथ कीमत थोड़ी बढ़ जाती है।

Google Maps का नया फीचर
गलत लेन में फंसने का झंझट खत्म

गूगल मैप्स ने नेविगेशन को अगले टेक लेवल पर पहुंचाने की तैयारी कर ली है। कंपनी ने एक ऐसा हाई-टेक फीचर पेश किया है, जो आपकी कार के कैमरे से लाइव फीड लेकर रियल टाइम में बताएगा कि कब और किस लेन में शिफ्ट करना है। इसे नाम दिया गया है -Live Lane Guidance। यह फीचर खासतौर पर उन वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनमें Google Built-in सिस्टम मौजूद है। यानी यह स्मार्टफोन वाले ऐप पर नहीं चलेगा, बल्कि कार के इंटीग्रेटेड हार्डवेयर से जुड़ा रहेगा।

एआई+कैमरा मिलकर देंगे सबसे सटीक नैविगेशन

Google के मुताबिक यह नया फीचर कार में लगे फ्रंट-फेसिंग कैमरे से सड़क की लेन मार्किंग्स और रोड साइन पढ़ेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) उस लाइव वीडियो फीड को प्रोसेस करके Google Maps के नेविगेशन से लिंक करेगा। जैसे ही कार किसी जंक्शन या हाइवे टर्न के करीब पहुंचेगी, सिस्टम रियल टाइम में बताएगा कि किस समय किस लेन में जाना है। यह अलर्ट विजुअल और ऑडियो दोनों फॉर्मेट में मिलेगा, जिससे ड्राइवर को लेन बदलने में आखिरी मिनट की अफरा-तफरी नहीं होगी। इस टेक्नोलॉजी का फायदा खासतौर पर हाइवे और मल्टी-लेन रूट्स पर दिखेगा, जहां अब तक ड्राइवर को अचानक लेन कट या गलत टर्न की समस्या का सामना करना पड़ता था।

Polestar 4 से होगी शुरुआत

Google ने घोषणा की है कि Live Lane Guidance का पहला रोलआउट Polestar 4 इलेक्ट्रिक एसयूवी में किया जाएगा। शुरुआत United States और Sweden में होगी, जिसके बाद इसे अन्य देशों और ऑटो ब्रांड्स के वाहनों में भी धीरे-धीरे एक्सपैंड किया जाएगा।

गूगल के आंकड़ों के अनुसार हर महीने करीब 2 बिलियन यूजर्स Google Maps के नेविगेशन का इस्तेमाल करते हैं। अब कंपनी पारंपरिक ऐप अनुभव से आगे बढ़कर वाहन हार्डवेयर इंटीग्रेशन वाले ऑटो-टेक सेगमेंट में नई दिशा स्थापित कर रही है।

भारत में कब होगा लॉन्च

भारत में इस फीचर की लॉन्च टाइमलाइन फिलहाल घोषित नहीं की गई है, लेकिन ऑटो एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे देश में प्रीमियम ईवी और कनेक्टेड कार्स की संख्या बढ़ेगी, वैसे-वैसे इस तरह की तकनीकें भारतीय सड़कों पर भी जल्द दिख सकती हैं। Google Built-in वाले वाहनों जैसे Volvo, Polestar और Honda के कुछ नए मॉडल पहले से ही भारत में मौजूद हैं, इसलिए संभावना है कि आने वाले कुछ वर्षों में Live Lane Guidance भारतीय यूजर्स तक भी पहुंच जाए।

बाइक को भी चाहिए विंटर केयर
ठंड में स्टार्टिंग प्रॉब्लम सॉल्यूशन

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही बाइक का भी हाल कुछ वैसा ही हो जाता है, जैसा हमारा- ठंड लगते ही सबकुछ सुस्त पड़ जाता है। जैसे इस मौसम में आपको स्किन केयर की जरूरत होती है, वैसे ही बाइक को भी स्पेशल विंटर केयर चाहिए। अगर आपकी बाइक स्टार्ट होने में ज्यादा टाइम ले रही है या सेल्फ काम नहीं कर रहा, तो घबराइए नहीं। यहां जानिए कुछ आसान उपाय, जिनसे बाइक झटपट स्टार्ट होगी और ठंड में भी आपका सफर बेफिक्र रहेगा।

स्पार्क प्लग करें चेक

बाइक इंजन के ऊपरी हिस्से में व्हाइट कलर का स्पार्क प्लग होता है, जो इंजन को इग्निशन देता है। ठंड में या लंबे समय तक न चलाने पर यह वायर ढीला हो सकता है या उस पर डस्ट जम सकती है। ऐसे में स्पार्क प्लग निकालें, कपड़े से साफ करें और अच्छी तरह टाइट करें। इसके बाद बाइक स्टार्ट करने की कोशिश करें। फर्क तुरंत नजर आएगा।

इंजन कट-ऑफ स्विच भूल गए

कई बार बाइक को बंद करते वक्त लोग इंजन कट-ऑफ स्विच (रेड कलर वाला बटन) यूज करते हैं और बाद में उसे ऑन करना भूल जाते हैं। ऐसे में चाहे आप कितनी भी किक मार लें, बाइक स्टार्ट नहीं होगी। ऐसे में जब बाइक स्टार्ट न हो, तो सबसे पहले इंजन स्विच की पोजिशन चेक करें। छोटी सी गलती बड़ी परेशानी से बचा सकती है।

बैटरी की जांच करें

ठंड में बैटरी जल्दी डिस्चार्ज हो जाती है। अगर आपकी बाइक का सेल्फ काम नहीं कर रहा, तो संभावना है कि बैटरी कमजोर या खत्म हो चुकी है। इस स्थिति में बाइक को मेन स्टैंड पर लगाएं, चौथे गियर में डालें और पीछे का पहिया तेजी से घुमाएं। इस "जंप-स्टार्ट" तरीके से कई बार बाइक तुरंत स्टार्ट हो जाती है।

फ्यूल और क्लच की स्थिति देखें

कई बार छोटी-सी लापरवाही जैसे पेट्रोल खत्म होना या बाइक का गियर न्यूट्रल में न होना, स्टार्टिंग की समस्या बन जाती है। ऐसे में आप बाइक स्टार्ट करते समय पेट्रोल लेवल जरूर देखें और गियर न्यूट्रल करें। क्लच लिवर को ठीक से दबाएं ताकि इंजन स्मूथ इग्निशन दे सके।

एयर फिल्टर की सफाई जरूरी

बाइक चलाते समय झटका महसूस हो रहा है या इंजन रुक-रुक कर चल रहा है, तो समझ लें कि एयर फिल्टर में धूल या नमी जमा हो गई है। ऐसे में एयर फिल्टर को सर्विस सेंटर पर साफ करवाएं या जरूरत हो तो नया लगवाएं। साफ फिल्टर से बाइक का परफॉर्मेंस और माइलेज दोनों बेहतर होता है।

मॉय फर्स्ट राइड

आत्मनिर्भर बनने की ललक

कुछ नया सीखने और हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ललक सदैव रही। पापा- मम्मी ने इसी बात की प्रेरणा भी देते थे कि किसी पर आश्रित रहने की जगह प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है। इसी कड़ी में मैंने कार चलाने की ठानी।

जब पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी तो मन में थोड़ी सी हिचक थी कि चला पाऊंगी भी या नहीं, लेकिन अपनों का साथ मिला था, तो धीरे-धीरे कार चलाना सीख लिया। पहली बार जब मैं अकेले ड्राइविंग सीट पर बैठी, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। यह ऐसा पल था, जब कोई मेरे बगल की सीट पर मुझे गाइड करने वाला नहीं था। अब समझ में आता है कि हर महिला को कार या बाइक चलाना आना चाहिए ताकि उसे बाहर जाने के लिए किसी का इंतजार न करना पड़े।

-स्नेहा सिंह, कानपुर

यूरोपिय बाजारों में उतरेगा टीवीएस

मिलान (इटली)। भारतीय वाहन विनिर्माता टीवीएस मोटर कंपनी अपने वैश्विक विस्तार के तहत स्पेन और पुर्तगाल सहित यूरोप के और बाजारों में उतरने की योजना बना रही है। यह जानकारी कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने दी। कंपनी ने वैश्विक दोपहिया प्रदर्शनी ईआईसीएमए-2025 में आईसीई और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन में छह नए उत्पादों का अनावरण करते हुए अपनी शुरुआत की, का मानना है कि बढ़ते पोर्टफोलियो के साथ अब 'औद्योगिक बाजारों' का दोहन करने का समय आ गया है।

अमृत विचार
बरेली, सोमवार, 10 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2235, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1900, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2130, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां -, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर -

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4400, मसूरी- 1400, बासमती- 9000, परमल- 2900

दाल दलहन : काला चना- 6200, साबुत चना दाल- 5400, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 11100-13700, दाल उड़द- 7900, साबुत मसूर दाल- 6300, मसूर दाल- 4900, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10000, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 5800

कंपनियों के तिमाही नतीजे बदलेंगे बाजार की दिशा

महंगाई के आंकड़े, वैश्विक रुख और एफपीआई की गतिविधियों पर होगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह महंगाई के आंकड़ों, कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों और वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी शेयर बाजार के रुख को प्रभावित करेंगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा, क्योंकि कई प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं। घरेलू मोर्चे पर, भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और थोक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो महंगाई की दिशा और नीतिगत दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे। सप्ताह के दौरान ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व,

● ओएनजीसी, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया के आएंगे नतीजे

एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और ऑयल इंडिया जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों आएंगे, जिन पर सभी की निगाह रहेगी। इसके साथ रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, इस सप्ताह कई प्रमुख घरेलू और वैश्विक वृहद आर्थिक कारक बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, अक्टूबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर कड़ी नजर रखी जाएगी, क्योंकि इससे निवेशकों को ब्याज दर के भविष्य के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलने की संभावना है। वैश्विक स्तर पर, सभी की निगाहें अमेरिका में कुछ विभागों का कामकाज ठप होने (शटडाउन) पर रहेगी। इससे आर्थिक आंकड़ों को जारी नहीं किया जा सका है जिससे निवेशकों और नीति-निर्माताओं को वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं मिल पाई। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार की दिशा आगामी घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों, एफआईआई प्रवाह, अमेरिकी शटडाउन व अमेरिका, भारत और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति पर निर्भर करेगी।

शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी 88,635 करोड़ रुपये घटी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 88,635 .28 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में भारती एयरटेल और टीसीएस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

एफपीआई ने बाजार से निकाले 12,569 करोड़ रुपये

अक्टूबर में थोड़े विराम के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बिकवाली फिर शुरू कर दी है। कमजोर वैश्विक संकेतों और जोखिम-रहित धारणा के बीच नवंबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय बाजार से 12,569 करोड़ रुपये की निकासी की। डिपॉजिटरी के अनुसार, अक्टूबर में एफपीआई ने शेयरों में 14,610 करोड़ का शुद्ध निवेश किया था, जो कई महीनों की निकासी के बाद आया था। सितंबर में एफपीआई ने 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि नवंबर के अब तक हर कारोबारी दिन जारी रही बिकवाली की नई प्रवृत्ति ने भारत के खराब प्रदर्शन में योगदान दिया है।

अमेरिका और चीन के आर्थिक आंकड़ों से पहले सोने में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों, व्यापार शुल्क को लेकर जारी अनिश्चितताओं और चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले आने वाले सप्ताह में सोने की कीमतों में सुधार जारी रहने की उम्मीद है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि कारोबारी मौद्रिक नीति पर स्पष्टता के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व की टिप्पणियों पर भी कड़ी नजर रखेंगे। इससे निकट भविष्य में सर्राफा कीमतों की दिशा तय होने की संभावना है।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी - जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, सोने में स्वस्थ गिरावट या और सुधार की उम्मीद है, क्योंकि सभी का ध्यान मुद्रास्फीति के आंकड़ों, शुल्क पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई, फेड के भाषणों और चीनी आंकड़ों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि सोने की कीमतें थोड़ी कम हुई, लेकिन

● अमेरिकी फेडरल रिजर्व की टिप्पणियों पर होगी कड़ी नजर

मजबूत डॉलर और सुस्त भौतिक मांग से इसकी बढ़त सीमित रही। खुदरा खरीदार कीमतों में और गिरावट की आशंका में बाजार से दूर हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलिवरी वाले सोने का वायदा भाव पिछले सप्ताह 165 रुपये की गिरावट के साथ शुक्रवार को 1,21,067 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एंजल वन के डीवीपी (शोध, गैर-कृषि जिंस एवं मुद्रा) प्रथमेश माल्या ने कहा, इस दौरान एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1,17,000-1,22,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रहा।

भारत का डीपटेक क्षेत्र 2030 तक बढ़कर होगा 30 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के 'डीपटेक' क्षेत्र में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है और इसके बाजार अवसर 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट कहती है कि रक्षा नवोन्मेषण और वैश्विक रोबोटिक्स में उछाल के कारण डीपटेक क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने रक्षा डीपटेक पर खर्च में उल्लेखनीय बदलाव देखा है। पिछले एक दशक में राष्ट्रीय रक्षा बजट दोगुना होकर 80 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। यह विस्तार इसी अवधि के दौरान अमेरिका और चीन जैसे शीर्ष वैश्विक खर्च करने वाले देशों द्वारा दर्ज की गई वृद्धि दर से अधिक है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के डीपटेक अवसर पिछले पांच साल में 2.5 गुना बढ़े हैं और यह 2030 तक 30 अरब अमेरिकी डॉलर का विशाल बाजार बनने की ओर अग्रसर हैं। भारत, चीन के बाहर एकमात्र विश्वसनीय, कम लागत वाला केंद्र बनकर उभर रहा है। इसका डीपटेक आधार, यानी वित्त वर्ष 2024-25 तक 9-12

● रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के अनुसार रक्षा नवोन्मेषण और वैश्विक रोबोटिक्स में उछाल से आई तेजी

अरब अमेरिकी डॉलर, भारत के रक्षा डीपटेक और वैश्विक रोबोटिक्स में खर्च द्वारा आगे बढ़ रहा है। चीन के बाहर एक विश्वसनीय, कम लागत वाले वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की उभरती स्थिति रोबोटिक्स में गहन तकनीकी प्रगति से और मजबूत हो रही है। 60 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के वैश्विक रोबोटिक मशीनों के बाजार के 2030 तक लगभग 230 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रमुख श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

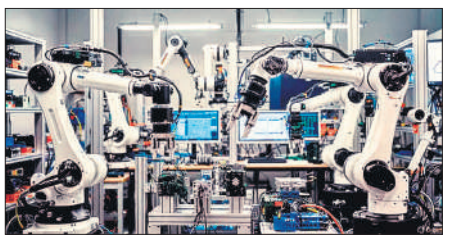

वृद्धि के वित्तपोषण के लिए विशेष कोष बनाए सरकार : सीआईआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की वृद्धि को गति देने और रणनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जरूरी

उद्योग निकाय सीआईआई ने रविवार को सरकार से देश की दीर्घकालिक वृद्धि, जुझारू क्षमता और विदेशों में महत्वपूर्ण आर्थिक हितों की रक्षा के लिए एक विशेष कोष बनाने का आग्रह किया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कहा कि पेशेवर रूप से प्रबंधित एक मजबूत 'भारत विकास एवं रणनीतिक कोष' (आईडीएसएफ) की स्थापना की जानी चाहिए।

भारत की वृद्धि को गति देने और देश के रणनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इसकी जरूरत है। इसमें आगे कहा गया है कि एक राष्ट्रीय कोष के रूप में आईडीएसएफ घरेलू स्तर पर भारत की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और विदेशों में महत्वपूर्ण आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक पूंजी

● आईडीएसएफ दो दशक में 1,300 से 2,600 अरब डॉलर के बीच प्रबंधित कोष का करेगा निर्माण

जुटाएगा। सीआईआई का मानना है कि अनुशासित योजना और वित्तपोषण के साथ, आईडीएसएफ अगले दो दशक में 2047 तक 1,300 से 2,600 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच एक प्रबंधित कोष का निर्माण कर सकता है। इसमें सुझाव दिया गया कि समय के साथ चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में सरकार की इक्विटी का एक हिस्सा इस कोष में स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे ये उद्यम केवल विनिवेश के साधन न रहकर भारत के वैश्विक विस्तार के साधन बन सकते हैं।

इसके अलावा यह कोष बहुपक्षीय और द्विपक्षीय साझेदारों के साथ मिलकर निवेश करते हुए दीर्घकालिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बचत जुटाने के लिए बुनियादी ढांचा, हरित और प्रवासी बॉन्ड जारी कर सकता है।

वृद्धि के लिए भारत स्थायी वित्तीय इंजन बनाए

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत वृद्धि के लिए अपना स्थायी वित्तीय इंजन बनाए। उन्होंने कहा कि भारत अवसरों के एक निर्णायक दौर में प्रवेश कर रहा है। हम पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं, लेकिन 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करने के लिए, हमें दीर्घकालिक पूंजी के संरचनात्मक, स्थाई स्रोतों की जरूरत है जो वार्षिक बजट चक्र से परे हों। उन्होंने कहा कि आईडीएसएफ एक संप्रभु और पेशेवर रूप से प्रबंधित साधन होगा, जो राष्ट्रीय क्षमता तथा रणनीतिक सुरक्षा में निवेश करेगा। सीआईआई का प्रस्ताव इस मान्यता पर आधारित है कि बुनियादी ढांचे, ऊर्जा रूपांतरण, विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और मानव विकास में भारत की महत्वाकांक्षाओं के लिए ऐसे पैमाने पर धन की आवश्यकता होगी, जिसे सिर्फ वार्षिक बजटीय आवंटन से पूरा नहीं किया जा सकता।

विपक्ष घुसपैठिया, मोदी बना रहे हैं औद्योगिक कॉरिडोर : शाह

सासाराम एवं अरवल की जनसभा को गृहमंत्री ने किया संबोधित

सासाराम/अरवल, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी गठबंधन पर बिहार में घुसपैठियों के लिए कॉरिडोर बनाने की कोशिश का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में औद्योगिक कॉरिडोर स्थापित कर रहे हैं। सासाराम एवं अरवल की जनसभा में शाह ने कहा, भविष्य में पाकिस्तान पर जो मोर्टार दागे जाएंगे, वे बिहार के आयुध कारखाने में बनाए जाएंगे।

शाह ने कहा, हाल ही में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने वोटर अधिकार यात्रा निकाली। यह यात्रा बिहार के गरीबों, दलितों और अति पिछड़ों के जीवन में सुधार लाने के लिए नहीं थी, बल्कि यह घुसपैठियों की रक्षा के लिए थी। शाह ने आरोप लगाया कि विपक्ष की वोट बैंक की राजनीति ने उन्हें घुसपैठिया कॉरिडोर बनाने की कोशिश करने पर मजबूर किया है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी राज्य में औद्योगिक कॉरिडोर स्थापित कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस आरोप पर कि देश में वोट चोरी हो रही है, शाह ने कहा, उन्हें सच में ऐसा लगता है, तो वे निर्वाचन आयोग में औपचारिक शिकायत क्यों नहीं करते? जब केंद्र में मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और लालू यादव की सरकार थी, तब आतंकवादी देश में खुलकर हमले करते थे और अब हम आतंकियों को उनके घरों में घुसकर मार रहे हैं। भविष्य में अगर पाकिस्तान से कोई आतंकवादी हमला करने की हिम्मत करता है, तो उनके बमों का जवाब मोर्टार से दिया जाएगा और ये मोर्टार यहीं बिहार के सासाराम में बनेंगे, जहां मोदी रक्षा कॉरिडोर बना रहे हैं।

अरवल में जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

बिहार संग्राम

धर्म के आधार पर देश को बांटने की कोशिश कर रही है कांग्रेस : राजनाथ सिंह

औरंगाबाद/सासाराम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के कांग्रेस मतलब मुसलमान संबंधी बयान पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है। चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के प्रचार के आखिरी दिन औरंगाबाद और सासाराम में चुनावी रैलियों में सिंह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) धर्म, जाति या संप्रदाय के आधार पर लोगों को नहीं बांटता, बल्कि मानवता की राजनीति में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि क्या आपने सुना है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने क्या कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस। इसका क्या अर्थ है। यह देश को बांटने का प्रयास है। क्या यही कांग्रेस की राजनीति है? यही उसकी संस्कृति है। सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद अपनी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए राजग को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस और राजद समाज को जाति, धर्म और समुदाय के नाम पर विभाजित करना चाहते हैं।

मोदी एक दिन वोट चोरी के लिए पकड़े जाएंगे : राहुल

किशनगंज/पूर्णिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह वोट चोरी में लिप्त हैं और चाहे वे कहीं भी चले जाएं, एक दिन पकड़े जाएंगे। किशनगंज की चुनावी रैली में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस देश को बांटने की साजिश कर रहे हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन देश को एकजुट करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी, शाह और चुनाव आयोग के पास हमारे वोट चोरी के आरोपों का कोई जवाब नहीं है, क्योंकि सच्चाई अब जनता के सामने है। राहुल ने दावा किया कि उन्होंने हाल ही में हरियाणा में बड़े पैमाने पर वोट चोरी का खुलासा किया है। हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, लेकिन मतदाता सूची में 25 लाख फर्जी नाम है।

कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी छापेमारी, नौ लोग हिरासत में

श्रीनगर, एजेंसी

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने रविवार को आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई के तहत घाटी में छापेमारी कर एक महिला समेत नौ लोगों को हिरासत में ले लिया। प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवाद का ऑनलाइन महिमामंडन कर युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की जानकारी पर कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) की टीम ने श्रीनगर, कुलगाम, बारामूला, शोपियां व पुलवामा में 10 स्थानों पर छापेमारी की।

प्रवक्ता ने कहा, स्थानीय पुलिस के सहयोग से चलाया अभियान उन व्यक्तियों पर केंद्रित था, जिन पर हिंसा भड़काने, राष्ट्रविरोधी दुष्प्रचार करने और सांप्रदायिक घृणा को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया मंच का दुरुपयोग करने का आरोप है। सिम कार्ड, मोबाइल फोन, टैबलेट सहित कई सबूत जब्त किए गए हैं।

किश्तवाड़-कठुआ में सिम विक्रेताओं की जांच शुरू

जम्मू। पुलिस ने रविवार को सुरक्षा बढ़ाने और अनधिकृत वितरण पर अंकुश लगाने के लिए कश्मीर जिले में सिम विक्रेताओं की दुकानों पर व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस समन्वित जिलाव्यापी अभियान के तहत सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में सिम विक्रेता दुकानों का निरीक्षण किया।

जम्मू में कई जगहों पर हुई छापेमारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू के कई इलाकों में पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर काम कर रहे स्थानीय आतंकियों और उनके 'ओवरग्राउंड वर्कर्स' (ओजीडब्ल्यू) के ठिकानों की तलाशी ली। रामबन, किश्तवाड़, डोडा, कठुआ, रियासी, पुंछ और राजौरी जिलों में कई जगहों पर तलाशी और घेराबंदी जारी है। जम्मू के डोडा जिले में अभियान के बीच कई संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

प्रशिक्षण शिविर में देर से पहुंचे राहुल, मिली 10 पुशअप की सजा

पचमढ़ी। मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में आयोजित जिलाध्यक्षों की प्रशिक्षण शिविर अपने तय समय से शुरू नहीं हो सका, इसका कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी का निर्धारित समय पर नहीं पहुंच बताया गया।

प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख सचिन राव ने कहा कि शिविर में अनुशासन का पालन नहीं किए जाने पर सजा दी जाती है। इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेरे लिए क्या सजा तय की गई है। राव ने कहा कि आपको 10 पुशअप लगाने की सजा सुनाई जाती है। इसके बाद कांग्रेस नेता ने इसे स्वीकार करते हुए वहां मौजूद सभी जिलाध्यक्षों के सामने ही 10 पुशअप लगाए। इस दौरान राहुल गांधी ने जुजुत्सु का अभ्यास करते हुए बताया कि अपनी जमीन पर पकड़ कैसे मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके पैर मजबूती से जमीन पर होने चाहिए। यदि जमीन छोड़ दी तो आपकी पकड़ कमजोर हो जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि आपको असली ताकत नेताओं की परिक्रमा से नहीं, जनता के बीच पकड़ मजबूत करने से मिलेगी।

सब लोग चाहें तो भारत कल तक हिंदू राष्ट्र बन सकता है : भागवत

बेंगलुरु, एजेंसी

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत के 1.4 अरब नागरिक सामूहिक रूप से ऐसा निर्णय लें तो भारत कल सुबह तक हिंदू राष्ट्र बन सकता है। भागवत ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर शताब्दी व्याख्यान श्रृंखला के दौरान रविवार को एक संवाद में कहा कि हिंदू राष्ट्र का विचार मजबूत, एकजुट और आत्मविश्वासी भारत की नींव का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की अवधारणा राजनीतिक नहीं बल्कि सभ्यतागत है, भागवत ने कहा कि हिंदू राष्ट्र भारत की पहचान और ताकत का सार है। इसका अर्थ सद्भाव, समानता और एकता है - प्रभुत्व नहीं। यह उस सांस्कृतिक आधार को दर्शाता है जो देश को एक साथ रखता है। भागवत ने कहा कि भारत सभी देशों के साथ मित्रता चाहता है, लेकिन चीन के साथ चल रही जटिलताओं के बीच उसे अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने चीन के साथ भारत के संबंधों पर कहा कि भारत का

संघ की 100 वर्ष की यात्रा : नए क्षितिज कार्यक्रम को संबोधित करते मोहन भागवत।

● बोले- हिंदू राष्ट्र की अवधारणा राजनीतिक नहीं बल्कि सभ्यतागत है

उद्देश्य हर देश के साथ मित्रता स्थापित करना है, लेकिन उसे अपनी सीमाओं और संप्रभुता की रक्षा के लिए सतर्क और मजबूत रहना होगा। भारत होने के नाते, हम दुनिया के हर देश के साथ मित्रता स्थापित करना चाहते हैं। लेकिन चीन के साथ जटिलताओं के बीच हमें अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी होगी। उन्होंने चीन पर विस्तारवादी होने का आरोप लगाते हुए कहा, वे प्रभुत्व स्थापित करना चाहते हैं। 1950 में उनका ग्रेटर चाइना का सपना था, जिसमें पड़ोसी क्षेत्र भी शामिल थे।

आरएसएस को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त

भागवत ने संगठन पर बिना पंजीकरण के काम करने का आरोप लगाने वाले कांग्रेस नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि उनके संगठन को व्यक्तियों के निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त है। भागवत ने कहा, आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई थी, तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि हम ब्रिटिश सरकार के पास पंजीकरण कराते? आजादी के बाद भारत सरकार ने पंजीकरण अनिवार्य नहीं बनाया। भागवत ने स्पष्ट किया, हमें व्यक्तियों के निकाय के रूप में वर्गीकृत किया गया है और हम मान्यता प्राप्त संगठन हैं। आयकर विभाग और अदालतों ने आरएसएस को व्यक्तियों का निकाय माना है और संगठन को आयकर से छूट दी गई है। हम पर तीन बार प्रतिबंध लगाया गया। ऐसे में सरकार ने हमें मान्यता दी। हमारा अस्तित्व नहीं था, तो किस पर प्रतिबंध लगाया?

सुकमा में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का जवान घायल

सुकमा (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में रविवार को विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान जख्मी हो गया।

पुलिस ने बताया कि यह घटना अपराह्न 1.45 बजे फुलबगड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोगुंडा के पास पहाड़ियों में उस समय हुई जब सुरक्षाकर्मियों की टीम अभियान पर थी। सीआरपीएफ की 74वीं बटालियन का जवान आईईडी पर चढ़ गया, जिससे विस्फोट हुआ और उसके पैर जख्मी हो गए।

केरल राज्य ने वंदे भारत में बच्चों से संघ का गीत गायन कराने की जांच के दिए आदेश

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

केरल सरकार ने एर्नाकुलम से बेंगलुरु जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के बाद ट्रेन में छात्रों से आरएसएस के गीत का गायन कराने के दक्षिणी रेलवे के कृत्य की जांच का रविवार को आदेश दिया। सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने लोक शिक्षण निदेशक (डीपीआई) को इस संबंध में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

शिवनकुट्टी ने कहा कि सरकार इस घटना को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। सरकारी कार्यक्रमों में बच्चों का राजनीतिकरण करना और किसी खास समूह के सांप्रदायिक एजेंडे को बढ़ाने के लिए उनका इस्तेमाल करना संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। मंत्री ने कहा कि लोक शिक्षण निदेशक (डीपीआई) को तुरंत जांच कर रिपोर्ट

● राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री शिवनकुट्टी ने डीपीआई जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

सौंपने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर आगे उचित कार्रवाई की जाएगी। शिवनकुट्टी ने कहा कि देश के धर्मनिरपेक्ष एवं राष्ट्रीय मूल्यों को बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और इन सिद्धांतों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने नई ट्रेन में छात्रों द्वारा आरएसएस का गीत गाने को रविवार को सही ठहराया। उन्होंने त्रिशूर में पत्रकारों से कहा कि यह बच्चों के निश्छल जश्न का हिस्सा था।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्रिटेन में आव्रजन रोकने को लागू हो सकता है डेनमार्क मॉडल

लंदन। ब्रिटेन की गृहमंत्री शबाना महमूद बढ़ते आव्रजन से निपटने के लिए 'डेनमार्क मॉडल' अपनाने पर विचार कर रही हैं, जिसमें कड़े नियंत्रण और शरण प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की योजना शामिल है। ब्रिटिश मीडिया ने इस सप्ताहांत यह खबर दी। डेनमार्क को यूरोप में आव्रजन के मामले में सबसे कठोर देशों में से एक माना जाता है। खबर है कि महमूद ने हाल में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को डेनमार्क मॉडल का अध्ययन करने के लिए कोपेनहेगन भेजा है ताकि उस मॉडल को ब्रिटेन में भी लागू किया जा सके। डेनमार्क संघर्षरत इलाकों से आकर सफलतापूर्वक शरण प्राप्त करने वाले अधिकांश लोगों को केवल अस्थायी आधार पर ही तबतक रहने की अनुमति देता है जबतक सरकार उनके गृह देशों को उनके लौटने के लिए सुरक्षित घोषित नहीं कर देती।

प्राचीन शहर रोमन विसुवियस की खुदाई में एक मिस्री पात्र मिला

रोम। प्राचीन रोमन शहर विसुवियस के 'स्ट्रीट फूड' क्षेत्र के खंडहरों में एक बहुमूल्य मिस्री बर्तन (फूलदान) फिर से मिला है जो प्राचीन रोम और मिस्र सभ्यताओं के बीच सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंधों को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि प्राचीन रोमन शहर विसुवियस 79 ईसा पूर्व में विसुवियस पर्वत के ज्वालामुखी विस्फोट के बाद लावा में दब गया था। इसे पोम्पेई शहर के नाम से भी जाना जाता है और इसे वर्तमान में यूनेस्को के विरासत स्थल का दर्जा भी प्राप्त है। इस प्राचीन शहर को 1599 में खुदाई के बाद फिर से खोजा गया था, लेकिन तब उसकी ऐतिहासिक महत्ता को समझा नहीं गया था। इसे दोबारा 1748 ईस्वी में खोजा गया, जब इतालवी इंजीनियर रोको जोआक्विनो डी 'अल्कुबिएरे ने खुदाई शुरू की।

सैकड़ों प्रवासियों से भरी नाव मलेशिया के तट पर पलटी, ज्यादातर लापता

कुआलालंपुर। म्यांमार से लगभग 300 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव पिछले सप्ताह थाईलैंड और मलेशिया की सीमा के पास हिंद महासागर में पलट गई। एक शव समुद्र में तैरता हुआ मिला, 10 लोगों को बचा लिया गया और कई लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि नाव के डूबने का समय और सटीक स्थान तत्काल ज्ञात नहीं हो सका। एक मलेशियाई अधिकारी ने कहा कि जहाज संभवतः थाई जलक्षेत्र में पलट गया था तथा चेतावनी दी कि खतरनाक समुद्री मार्गों का उपयोग करके प्रवासियों का शोषण करने में सीमा पार के गिरोह तेजी से सक्रिय हो रहे हैं। एक पुलिस प्रमुख ने बताया कि बचाए गए लोगों में से कुछ रोहिंग्या मुसलमान हैं जो मुख्य रूप से म्यांमा में रहते हैं, जहां उन्हें दशकों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

थाईलैंड : तय समय के बाद शराब पी तो लगेगा 10,000 बाट का जुर्माना

बैंकाक, एजेंसी

- **तीखी आलोचना की जा रही है सरकार के नए कानून की**

थाईलैंड में नया शराब नियंत्रण कानून आठ नवंबर से प्रभावी हो गया, जिसमें निर्धारित समयसीमा के बाद शराब पीने वालों पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इससे पर्यटन एवं नाइटलाइफ़ को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

स्थानीय मीडिया ने रविवार को बताया कि थाईलैंड के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र ने अल्कोहल नियंत्रण अधिनियम (संख्या दो) बी.ई. 2568 पर चिंता व्यक्त की है, जिसमें कानूनी रूप से बिक्री के बाद तय समय के अतिरिक्त शराब पीने पर दंड का प्रावधान है। यह कानून शराब की खपत पर कड़ा नियंत्रण रखने के उद्देश्य से बनाया गया है। नई व्यवस्था के अंतर्गत समयसीमा का उल्लंघन करने पर सिर्फ विक्रेताओं को ही नहीं बल्कि उपभोक्ताओं को भी दंड का सामना करना पड़ सकता है। सुबह 11:00-14:00 और शाम 6:00-24:00 के बाद रेस्टोरेंट में बैठकर शराब पीने पर 10,000 बाट तक का जुर्माना लग सकता है। इस कदम की स्थानीय एवं विदेशी मीडिया दोनों ने आलोचना की है और थाईलैंड आने वाले पर्यटकों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी है। यह घोषणा तुरंत ऑनलाइन वायरल हो गई जिसे अंतरराष्ट्रीय लोगों और व्यापारिक समुदाय की ओर से तीखी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई।

दुनिया में बदल रहीं आव्रजन नीतियां

प्रवासियों पर टेढ़ी नजर

कोई समय था, जब दुनिया में प्रवासियों को श्रम बल और प्रतिभाओं की कमी पूरी करने के नजर से देखा जाता था लेकिन कुछ वर्षों से उन्हें राष्ट्रीय व आर्थिक सुरक्षा के लिए चुनौती माना जाने लगा है। दुनिया के कई देशों में आव्रजन को लेकर सख्ती शुरू हो गई है। आव्रजन नीतियों की नए सिरे से समीक्षा करने के साथ कड़े नियम और प्रावधान तय किए जा रहे हैं ताकि प्रवासियों की संख्या को नियंत्रित किया जा सके। अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार करने के साथ हथकड़ी-बेड़ियों में जकड़कर अपमानजनक तरीके से उनके देशों में वापस भेजने के अमेरिकी कदम की पूरी दुनिया में आलोचना हुई है। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा समेत कई और देशों में सरकारों ने प्रवासियों पर नजर टेढ़ी की है। आव्रजन नीतियों में बदलाव करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। यह अलग बात है कि दूसरे देशों में सबसे ज्यादा संख्या भारतीय प्रवासियों की ही है।

आव्रजन पर इतनी हलचल क्यों

- आव्रजन का श्रम बाजार पर प्रभाव राजनीतिक बहस के केंद्र में है। डर है कि आव्रजन से स्थानीय लोगों के लिए नौकरियां और वेतन कम हो सकते हैं।
- यह भी आम शिकायत है कि प्रवासन से सार्वजनिक आवास, स्वास्थ्य और कल्याणकारी संसाधनों जैसी सेवाओं पर बहुत अधिक दबाव पड़ता है।
- कभी-कभी आव्रजन को सांस्कृतिक व राष्ट्रीय पहचान के लिए खतरे के साथ सुरक्षा चिंताओं और आतंकवाद से जुड़ी आशंकाओं से जोड़ा जाता है।
- कई देशों में प्रवासन का मुद्दा राजनीतिक लाभ के लिए काफी इस्तेमाल किया जाता है, इससे प्रवासियों के प्रति नकारात्मक नजरिया पैदा होता है।

आव्रजन नीतियों की समीक्षा

- यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देश अपनी आव्रजन नीतियों की समीक्षा कर रहे हैं और उन्हें सख्त बना रहे हैं।
- यूरोपीय संघ ने प्रवासन और शरण पर नई संधि अपनाई है, जिसमें सीमाओं पर सख्ती के साथ निर्वासन प्रक्रिया तेज की गई है।
- राजनीतिक मुद्दा बनने के कारण अमेरिका, ब्रिटेन, पोलैंड समेत कई देशों में मूल निवासियों ने आव्रजन विरोधी प्रदर्शन किए हैं।

इन देशों में सर्वाधिक भारतीय

- विदेश मंत्रालय की मई 2024 तक की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय प्रवासियों की सर्वाधिक संख्या संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और मलेशिया हैं।

भारतीय प्रवासी

- आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार लगभग 3 .54 करोड़ भारतीय अनिवासी (एनआरआई) और भारतीय मूल के व्यक्ति दुनिया भर के देशों में रह रहे हैं। इस आंकड़े के साथ दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। भारत हर साल लगभग 2 .5 मिलियन प्रवासियों के साथ दुनिया में सबसे ज्यादा प्रवासी भेजने वाला देश है। अरब, यूरोप और अमेरिकी देशों में इनकी सबसे ज्यादा संख्या है।

भारत में सख्ती

हाल ही में लागू किए गए आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश डिटेंशन सेंटर बनाएंगे, ताकि अवैध रूप से विदेशियों की आवाजाही को तब तक प्रतिबंधित किया जा सके, जब तक कि उन्हें निर्वासित नहीं कर दिया जाता।

पाकिस्तान: 27वें संविधान संशोधन के विरुद्ध देशव्यापी प्रदर्शन का एलान

बहुदलीय विपक्षी गठबंधन ने लगाया संवैधानिक संस्थाओं को पंगु करने का आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में संविधान संशोधन के खिलाफ पीओके में भी प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

पाकिस्तान की संसद प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन को पारित करने की तैयारी कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह संशोधन संविधान की नींव हिला देगा। विपक्ष ने इसके खिलाफ रविवार से देशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की है।

कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने शनिवार को ऊपरी सदन सीनेट में संशोधन प्रस्ताव पेश किया और सभापति यूसुफ रजा गिलानी ने इसे मतदान से पहले चर्चा के लिए सदन की समिति के पास भेज दिया। समिति के अध्यक्ष फारूक नाइक ने मीडिया को बताया कि वे सदस्यों के बीच आम सहमति बनाकर कार्य पूरा करेंगे। सरकार को आशा है कि सोमवार को मतदान होने पर उसे कम से कम 64 सीनेटर का दो-तिहाई बहुमत मिल जाएगा। सीनेट के बाद, इसे 'नेशनल असेंबली' में पेश किया जाएगा, जहां इसे फिर से दो-तिहाई बहुमत से पारित होना होगा। अंतिम चरण में इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी मिलनी जरूरी होगी।

बहुदलीय विपक्षी गठबंधन तहरीक-ए-तहाफुज आईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) ने संशोधन के खिलाफ देशव्यापी विरोध आंदोलन की घोषणा की है। रविवार को कई शहरों में जोरदार प्रदर्शन हुए। मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के प्रमुख अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थाएं पंगु हो गई हैं। राष्ट्र को प्रस्तावित 27वें संशोधन के खिलाफ कदम उठाना चाहिए।

एमडब्ल्यूएम, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के साथ टीटीएपी का हिस्सा है। इस गठबंधन में पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी), बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) भी शामिल हैं।

पीएम को जवाबदेही से छूट दिलाने वाला संशोधन वापस

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को अपनी पार्टी के कुछ सीनेटरों द्वारा प्रधानमंत्री को जवाबदेही से छूट देने की मांग वाला संशोधन प्रस्ताव वापस लेने का निर्देश दिया। शरीफ ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि उन्हें अजरबैजान से लौटने पर इस घटना की जानकारी मिली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव कैबिनेट द्वारा अनुमोदित मसौदे का हिस्सा नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, एक निर्वाचित प्रधानमंत्री को अदालत और जनता दोनों के प्रति पूरी तरह से जवाबदेह रहना चाहिए।

सेना से सुप्रीम कोर्ट तक होगा बदलाव, राष्ट्रपति की ढाल बनेगा संशोधन

संशोधन में अनुच्छेद 243 में परिवर्तन का प्रस्ताव है, जिसके तहत 'चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी' (सीजेसीएससी) के पद को समाप्त कर 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' नामक नया पद शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया है। अन्य प्रस्तावों में संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन शामिल हैं। इसका उद्देश्य उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को कम करना भी है, जिसमें कुछ प्राधिकारों को प्रस्तावित संवैधानिक न्यायालय में स्थानांतरित करना तथा राष्ट्रपति को आजीवन आपराधिक कार्यवाही से मुक्ति प्रदान करना शामिल है। विपक्ष इसे न्याय पालिका को शक्तिहीन बनाने का प्रयास बता रहा है।

बांग्लादेश : ढाका लॉकडाउन की घोषणा के बाद पुलिस अलर्ट, अभ्यास किया

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के 13 नवंबर को होने वाले 'ढाका लॉकडाउन' कार्यक्रम से पहले राजधानी में बड़े पैमाने पर समन्वित सुरक्षा अभ्यास किया है। खबरों के मुताबिक अगले हफ्ते संभावित हिंसक विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए शनिवार को 7,000 पुलिसकर्मियों ने अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस के आवास समेत 142 स्थानों पर अभ्यास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ढाका में पुलिस की मौजूदगी बढ़ गई है जिससे 13 नवंबर को कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजधानी में लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। अवामी लीग के अध्यक्ष मंडल के सदस्य जहांगीर कबीर नानोक ने 13 नवंबर के लिए 'लॉकडाउन' की घोषणा की है। नानोक इस समय भारत में हैं। पुलिस ने हालांकि पुष्टि नहीं की है कि मौजूदा तैनाती उनकी घोषणा से जुड़ी है या नहीं।

शटडाउन से अमेरिका पस्त, नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को 5 अरब डॉलर का हथियार निर्यात रोका

वाशिंगटन, एजेंसी

रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर लगाया देश के रक्षा उद्योग को नुकसान पहुंचाने का आरोप

शटडाउन से अमेरिका में हालात दिन ब दिन और खराब होते जा रहे हैं। अमेरिका ने यूक्रेन और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों को अनुमानित पांच अरब डॉलर मूल्य के हथियारों के निर्यात पर रोक लगा दी है। इस बीच अमेरिका में शटडाउन रविवार को 40वें दिन में प्रवेश कर गया।

एक अधिकारी ने बताया, शटडाउन से वास्तव में हमारे सहयोगियों, साझेदारों तथा अमेरिकी उद्योग को विदेशों में महत्वपूर्ण क्षमताओं का प्रदर्शन करने में नुकसान हो रहा है। डेनमार्क, क्रोएशिया और पोलैंड जैसे यूरोपीय सहयोगियों को अमराम मिसाइलों, एजिस लड़ाकू प्रणालियों और हिमार्स जैसी महत्वपूर्ण हथियार प्रणालियों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में रोके गए लेनदेन में व्हाइट हाउस से ब्रुसेल्स को सीधे हथियारों की बिक्री तथा निजी अमेरिकी रक्षा कंपनियों को हथियार निर्यात करने के लिए लाइसेंस देना शामिल है। शस्त्र निर्यात नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत शस्त्र बिक्री प्रस्तावों की कांग्रेस द्वारा समीक्षा करने के बाद इन विशेष बिक्री की प्रक्रिया सामान्यतः सीधी और निर्विवाद होगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में सरकार के शटडाउन से यह प्रक्रिया बहुत बाधित हुई है और धीमी हो गई है क्योंकि प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कांग्रेस समिति के कर्मचारियों को जानकारी देने के लिए जिम्मेदार विदेश विभाग के कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। समस्या तब और जटिल हो गई जब जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच देश के राजनीतिक-सैन्य मामलों के ब्यूरो में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या पिछले महीने हथियारों की बिक्री के लिए अपने सामान्य स्तर के एक चौथाई से भी कम हो गई है। इस बीच यूक्रेन को आवश्यक हथियारों की आपूर्ति में देरी के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराते हुए, रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने कहा कि इससे अमेरिका के रक्षा औद्योगिक आधार को काफी नुकसान पहुंचा है।

दूसरे दिन भी 1000 से ज्यादा उड़ानें हुई निरस्त

वाशिंगटन। विमानन कंपनियों ने शटडाउन के कारण शनिवार को फिर 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। चार्लोट हवाई अड्डे पर सबसे ज्यादा असर पड़ा, जहां 130 उड़ानें रद्द कर दी गईं। अटलांटा, शिकागो, डेनवर और न्यूजर्सी के नेवार्क हवाई अड्डों पर भी व्यवधान देखा गया। रडार केंद्रों और नियंत्रण टावरों में कर्मचारियों की कमी के कारण न्यूयॉर्क के आसपास के कई हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द और विलंबित हो गईं।

रेडक्रॉस को गाजा में मिला इजराइली बंधक का शव

तेल अवीव। इजराइल ने कहा है कि रेडक्रॉस को गाजा में एक बंधक का शव मिला है। हमास ने घोषणा की है कि वह हदर गोल्डिन का शव छोड़ रहा है। गोल्डिन इजराइली एक सैनिक था जिसकी 2014 में हत्या कर दी गई थी और शव को 11 वर्षों से रखा गया था। इजराइली सैनिक के शव को पहचान के लिए इजराइल और राष्ट्रीय फॉरेंसिक संस्थान में भेज दिया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू की अंगोला यात्रा के दौरान हुए तीन समझौते

लुआंडा हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत करते अंगोला के विदेश मंत्री।

लुआंडा, एजेंसी

भारत ने अंगोला को रक्षा खरीद के लिए ऋण मुहैया कराने, कृषि और औषधि क्षेत्र में परस्पर सहयोग के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों अंगोला की सरकारी यात्रा पर हैं और उनकी मौजूदगी में रविवार को इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

इससे पहले यहां के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको ने प्रेसिडेंशियल पैलेस में राष्ट्रपति मुर्मू का भव्य स्वागत किया। वह अंगोला और बोत्सवाना की राजकीय यात्रा पर हैं। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है। इस अवसर पर मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि वह अंगोला की प्रगति, विकास कार्यों की प्रशंसा करती हैं और एक समृद्ध अंगोला की कामना करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अंगोला ने परस्पर सहयोग के नए क्षेत्रों की तलाश, निवेश और व्यापार को बढ़ाने पर सहमति प्रकट की है।

भारत और अंगोला मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर, मरीन के क्षेत्र में भी परस्पर सहयोग पर भी सहमत हुए हैं। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता जताई कि अंगोला वैश्विक बायोफ्यूल एलायंस समूह में शामिल हो गया है।

नेपाल : मनांग जिले में लापता हुए भारतीय पिता-पुत्री के शव मिले

काठमांडू। नेपाल में पर्यटक के रूप में आए और पिछले महीने से लापता एक भारतीय व्यक्ति और उसकी बेटी के शव रविवार को एक मठ के पास पहाड़ी इलाके से बरामद किए गए।

सशस्त्र पुलिस बल के उप प्रवक्ता शैलेंद्र थापा ने बताया कि मनांग जिले के दिसयांग स्थित मालेरिपा मठ के पास से 52 वर्षीय जिग्नेस कुमार लल्लूभाई पटेल और उनकी 17 वर्षीय बेटी के शव बरामद किए गए हैं। दोनों 20 अक्टूबर को दिसयांग स्थित ग्यालसेन होटल से यह बताकर निकले थे कि वे मालेरिपा मठ जा रहे हैं। जब

- **नजारे देखने को पहाड़ी पर चढ़ने के बाद हादसे का हो गए शिकार**

वे नहीं लौटे, तो होटल कर्मचारियों ने मनांग स्थित नेपाल पर्वतीय बचाव प्रशिक्षण स्कूल से उन्हें ढूंढने में मदद मांगी। स्कूल की कोशिशों का कोई नतीजा नहीं निकलने पर प्रशिक्षित पर्वतीय बचाव दल भेजा गया। टीम को मठ से 100 मीटर ऊपर बर्फ के नीचे दबे शव मिले। पुलिस ने संभावना जताई कि मठ घूमने आए पिता-पुत्री बेहतर दृश्य देखने के लिए पहाड़ी पर गए और दुर्घटना का शिकार हो गए।

शांति के लिए सहयोगियों को नहीं मना पा रहे हैं ट्रंप

मॉस्को, एजेंसी

- **रूसी विदेश मंत्री ने कहा- ट्रंप को युद्ध में शामिल करने हो रहा प्रयास**

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए वोलोदिमीर जेलेंस्की और नाटो सहयोगियों को मनाने में अमेरिका को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लावरोव की यह टिप्पणी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच शिखर वार्ता के असफल प्रयासों के कुछ सप्ताह बाद आई है।

दोनों नेताओं के बीच अलास्का के एंकरेज में वार्ता में रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए कोई सहमति नहीं बन पाई थी। लावरोव ने एक साक्षात्कार में कहा, अमेरिका ने उस समय (अलास्का शिखर सम्मेलन में) हमें आश्वासन दिया था कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की शांति के प्रयास में बाधा नहीं डालेंगे। ज़ाहिर है, इस मुद्दे पर कठिनाइयां उत्पन्न हुई हैं।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, जहां तक हमें जानकारी है कि नाटो और ब्रिटेन अमेरिका को इस बात के लिए राजी करने का प्रयास कर रहे हैं कि वह राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से संकट को हल करने के अपने इरादे को त्याग दे और रूस पर सैन्य दबाव बनाने के प्रयासों में पूरी तरह शामिल हो जाए, यानी अंततः 'युद्ध दल' का हिस्सा बन जाए।

यूक्रेनी हमलों से रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली गुल

कीव। यूक्रेन की ओर से शनिवार रात किए गए हमलों के कारण सीमा से लगे रूस के दो प्रमुख शहरों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। रूस और यूक्रेन एक-दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगभग प्रतिदिन हमले कर रहे हैं। लगभग चार साल से जारी युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले कूटनीतिक प्रयास बेनतीजा साबित हो रहे हैं। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण वोरोनिश के कुछ हिस्सों में अस्थायी रूप से बिजली बाधित हो गई और 'हीटिंग सिस्टम' (सर्दियों में इमारतों या संयंत्रों को गर्म रखने की प्रणाली) ठप हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 11 नवंबर 00 .07 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

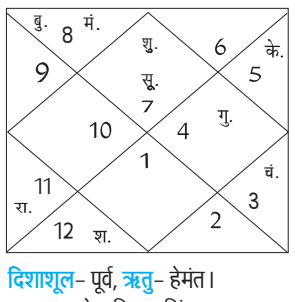

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 18 .48 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष
आज कारोबार में विस्तार को लेकर तुरंत बड़ा धन खर्च न करें। अटके हुए मामलों को अधिक छेड़ना उचित नहीं है। जिन विषयों के बारे में आपके पास पर्याप्त ज्ञान नहीं है, उन्हें लेकर कोई दावा न करें। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है।

वृष
आज सभी कार्य आपके अनुसार ही होते प्रतीत होंगे। सकारात्मक परिणाम आपको मानसिक संतुष्टि प्रदान करेगा। संपत्ति को लेकर बड़ी डील कर सकते हैं। व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मिथुन
आज आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी अधिक समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को लेकर लापरवाही न करें। ऐसे लोगों से मिलना पड़ सकता है, जिनसे आप बिल्कुल मिलना नहीं चाह रहे थे।

कर्क
आज एक साथ अनेक कार्यों को साधने का प्रयास कर सकते हैं। रुके हुए आर्थिक कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय में परिवर्तन का विचार मन में आएगा। कार्यक्षेत्र में लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे। शरीर स्वस्थ और मन अत्यंत प्रसन्न रहने वाला है।

सिंह
आज सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। किसी बात को लेकर बहस की स्थिति बन सकती है। आपको अपनी छवि की चिंता रहेगी। आपको अत्यधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। व्यर्थ की बातों में अधिक ध्यान न दें।

कन्या
आज कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। नई योजनाओं पर धन निवेश कर सकते हैं। बेरोजगार लोगों को नई जॉब मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। थोड़ी सी मेहनत से अधिक लाभ प्राप्त होगा।

तुला
आज कारोबार में आपको अचानक कुछ निर्णय लेने पड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों को सुबह शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कर लें। विरोधियों से आपको सावधान हो जाना चाहिए। सभी कार्यों को शांतिपूर्ण तरीके से पूरा करने का प्रयास करें।

वृश्चिक
आज मित्रों के साथ खटास हो सकती है। अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें। सरकारी कार्य देरी से पूर्ण होंगे। अति आत्मविश्वास के कारण आप कई लोगों के निशाने पर आ सकते हैं। नजदीकी मित्रों के साथ अपने संबंध मधुर रखें।

धनु
आज किसी से उधार लेने से बचें। नकारात्मक विचारों का असर आपके प्रदर्शन पर पड़ सकता है। परिश्रम का सार्थक परिणाम नहीं मिलेगा। असंतुलित खानपान के कारण मुख में छाले और गैस की समस्या हो सकती है।

मकर
आज दिनचर्या में नई आदतों को सम्मिलित न करें। छोटी-छोटी गलतियों को नजर अंदाज न करें। आपके व्यावसायिक संपर्क बढ़ेंगे। उच्च अधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक ध्यान देना पड़ेगा।

कुंभ
आज आपकी सभी रुकावटें दूर हो जाएंगी। बाहरी लोगों को अपने व्यक्तिगत कार्यों में अधिक न उलझने दें। व्यवसाय में बेहतरीन ऑर्डर मिल सकते हैं। यदि घर से बाहर जा रहे हैं, तो अतिरिक्त धन लेकर निकलें। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

मीन
आज व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। बजट के संतुलन को लेकर ही काम करें। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर परेशान रहेंगे। सुरक्षा संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करें। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं।

सुडोकू-156

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		2						
							4	5
			4	6				
		1	3					
	8	5						
				5	1			
			5	9				
	7	6						
				7		1		8

सुडोकू - 155 का हल

6	8	9	1	5	2	3	4	7
4	5	1	7	3	6	9	8	2
2	7	3	9	8	4	6	5	1
3	4	5	2	6	9	1	7	8
9	2	6	8	7	1	4	3	5
8	1	7	5	4	3	2	9	6
7	9	4	6	1	8	5	2	3
1	3	8	4	2	5	7	6	9
5	6	2	3	9	7	8	1	4

मैं ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में प्रतिस्पर्धा करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए बहुत उत्सुक था, लेकिन एथेंस में आज के फाइनल के बाद, मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अपनी चोट के कारण नाम वापस लेना पड़ रहा है। मैं प्रशंसकों से माफी चाहता हूँ।

-नोवाक जोकोविच

स्टेडियम

बरेली, सोमवार 10 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच बन सकते हैं अभय शर्मा

नई दिल्ली। भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व क्षेत्ररक्षण कोच अभय शर्मा अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ फील्डिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। अभय शर्मा इससे पहले युगांडा की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच थे। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। एलएसजी आईपीएल के पिछले दो सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और दोनों अवसरों पर सातवें स्थान पर रही। फ्रेंचाइजी ने हाल ही में टॉम मूडी को अपना क्रिकेट निदेशक तथा न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को अपना रणनीतिक निदेशक नियुक्त किया। जस्टिन लैंगर टीम के मुख्य कोच जबकि ऋषभ पंत कप्तान हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा कि अभय को प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम करने का व्यापक अनुभव है और यह एलएसजी के लिए उपयोगी साबित होगा।

मेसी के दो गोलों से इंटर मियामी ईस्ट सेमीफाइनल में

फोर्ट लाउडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दो गोल और दो गोल में मदद करने से इंटर मियामी शनिवार को ईस्टर्न कांफ्रेंस प्लेऑफ सीरीज के पहले दौर के निर्णायक तीसरे मैच में तीसरी वरीयता प्राप्त नैशविले एससी को 4-0 से हराकर ईस्ट सेमीफाइनल्स में पहुंच गया। इससे अब मेसी और इंटर मियामी एमएलएस कप खिताब से तीन जीत दूर हैं। मेसी ने पहले हाफ में दो गोल दागे जबकि तादेओ अलेंदे को दूसरे हाफ में दो गोल करने में मदद की। इस तरह इंटर मियामी ने सीरीज में नैशविले को 8-3 से हरा दिया। मेसी ने इन सभी आठ गोल में योगदान दिया जिनमें से पांच गोल उन्होंने किए और बाकी तीन गोल करने में मदद की। इंटर मियामी अब ईस्ट सेमीफाइनल मैच के लिए एफसी सिनसिनाटी से भिड़ेगा। यह नॉकआउट होगा। इंटर मियामी और सिनसिनाटी का विजेता ईस्ट फाइनल में शीर्ष वरीय फिलेडेल्फिया यूनियन और पांचवें वरीय न्यूयॉर्क सिटी एफसी के बीच होने वाले विजेता से भिड़ेगा। एमएलएस कप फाइनल छह दिसंबर को होगा।

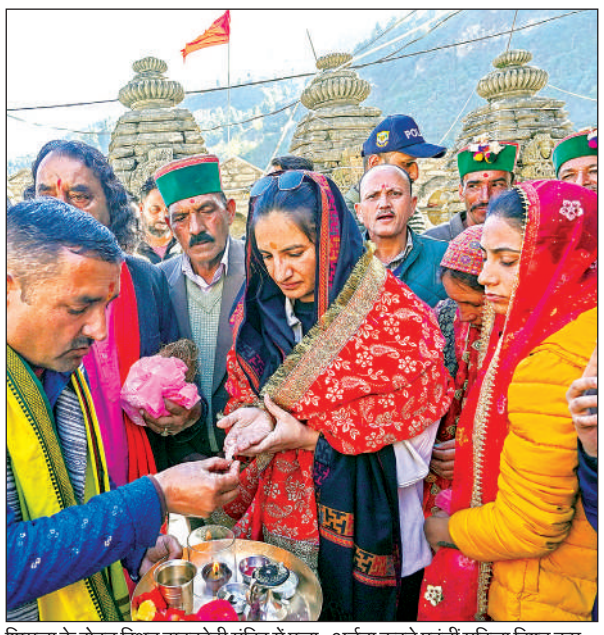

शिमला के रोहड़ू स्थित हाटकोटी मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचीं महिला विश्व कप विजेता टीम की खिलाड़ी रेणुका सिंह। एजेंसी

एक साल में संघर्षों से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की : शेफाली

चंडीगढ़, एजेंसी

भारत की महिला विश्व कप विजेता टीम की सदस्य शेफाली वर्मा ने रविवार को कहा कि पिछले एक साल में उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा और उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए 'कड़ी मेहनत' की और टीम को ऐतिहासिक विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में शामिल की गईं 21 वर्षीय शेफाली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में मेजबान टीम की 52 रन की जीत के दौरान 87 रन की पारी खेलने के अलावा 36 रन देकर दो विकेट भी चटकाए जिसके लिए उन्हें मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

शेफाली ने यहां एक सम्मान समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा पिछला एक साल मेरे लिए बहुत कठिन रहा। मुझे बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ा लेकिन मैं कड़ी मेहनत करती रही और ईश्वर ने मेरी मेहनत का फल मुझे दिया। शेफाली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह अंतिम चार के मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं लेकिन हरियाणा की इस खिलाड़ी ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। शेफाली ने कहा सेमीफाइनल से पहले जब मैं भारतीय टीम में शामिल हुई तो मैंने विश्व कप जीत में योगदान देने की ठान ली थी। फाइनल हमेशा एक बड़ा मंच होता है। शुरुआत में मैं थोड़ी घबराई हुई थी लेकिन मैंने खुद को शांत किया, अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया और उसे अच्छी तरह से लागू किया। अपने गृहनगर रोहतक पहुंचने पर भव्य स्वागत के बाद इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज ने लड़कियों से आत्मविश्वास रखने और कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया और कहा कि परिणाम जरूर मिलेंगे। शेफाली ने कहा उन्हें हमेशा कड़ी मेहनत करनी चाहिए। चाहे वे कोई भी क्षेत्र चुनें। आत्मविश्वास भी रखना चाहिए और इससे परिणाम जरूर मिलेंगे। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पिछले रविवार को नवी मुंबई में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला विश्व खिताब जीता। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को अपना आदर्श मानने वाली शेफाली ने कहा कि उनके सपनों को साकार करने में उनके परिवार के सहयोग की अहम भूमिका रही है।

भारतीय नियमित टेस्ट गेंदबाजों का खराब प्रदर्शन

दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने भारत 'ए' को पांच विकेट से हराया, 417 रनों के बड़े लक्ष्य को बिना परेशानी के हासिल किया

बेंगलुरु, एजेंसी

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने नियमित टेस्ट गेंदबाजों की मौजूदगी वाले भारत 'ए' के खिलाफ रविवार को दूसरे चार दिवसीय मैच के चौथे दिन पांच विकेट से यादगार जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने दिन की शुरुआत में बिना किसी नुकसान के 25 रन से आगे से खेलते हुए 417 रन के बड़े लक्ष्य का बिना किसी परेशानी के आसानी से पीछा कर लिया। जॉर्डन हरमन (91, 123 गेंद), लेसेगो सेनोक्वाने (77, 174 गेंद), तेम्बा बावुमा (59, 101 गेंद), जुबैर हमजा (77, 88 गेंद) और कॉनर एस्टरहुइजन (52 रन नाबाद, 54 गेंद) ने शानदार अर्धशतक जड़े जिससे दक्षिण अफ्रीका 'ए' ने तीन ओवर शेष रहते पांच विकेट पर 417 का स्कोर बना यादगार जीत दर्ज की। यह 'ए' मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर था। दक्षिण अफ्रीका 'ए' को पारी की हार से बचने के लिए चौथे दिन 392 रन बनाने थे। हरमन और सेनोक्वाने ने शुरुआती विकेट के लिए शानदार साझेदारी कर टीम को कमाल की शुरुआत दिलाई।

रन लेने के लिए दौड़ते दक्षिण अफ्रीका ए के बल्लेबाज तेम्बा बावुमा और जुबैर हमजा। एजेंसी

इस जोड़ी ने दिन के पहले सत्र में 27 ओवर में 114 रन बनाने के साथ 258 गेंद में 156 रन की साझेदारी की। शुरुआती सत्र के खेल के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर बिना किसी नुकसान के 139 रन था और तब तक यह साफ हो चुका था कि भारी रोलर के इस्तेमाल के कारण पिच से गेंदबाजों के लिए मदद कम हो गयी थी। भारत के अनुभवी गेंदबाजों का डटकर सामना करने के लिए हरमन और सेनोक्वाने को पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए।

हरमन ने खासकर ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने तेज गेंदबाज आकाश दीप की गेंद पर कवर क्षेत्र के ऊपर से कुछ शानदार ड्राइव लगाए। वह हालांकि लंच के बाद के सत्र में प्रसिद्ध कृष्णा को रिटर्न कैच देकर शतक पूरा करने से पहले पवेलियन लौट गये। सेनोक्वाने भी इसके तुरंत बाद बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे की गेंद पर स्वीप करने से चूक कर पगबाधा करार दिए गए। हमजा और बावुमा ने इसके बाद क्रमशः आक्रामक और रक्षात्मक खेल का शानदार मिश्रण दिखाते हुए टीम के स्कोर कार्ड को आगे बढ़ाना जारी रखा। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर स्कोर को 300 के पास पहुंचाया। कृष्णा ने हमजा को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अंगुली में चोट के कारण लगभग एक घंटे तक मैदान से बाहर रहे।

वॉशिंगटन को ऑस्ट्रेलिया में 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया

ब्रिस्बेन : भारतीय हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर को ऑस्ट्रेलिया में टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में टीम की 2-1 की जीत के बाद 'इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा रविवार को पोस्ट किए गए 'ड्रेसिंग रूम बीटीएस' शीर्षक वाले वीडियो में जब टीम परिचालन प्रबंधक (सीओओ) राहिल खाजा ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया तो सुंदर मुस्कुराते हुए नजर आए। 26 साल के सुंदर ने सीरीज के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा यहां आना और ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मौका मिलना अद्भुत है। टीम की जीत में योगदान देकर मुझे बहुत खुशी हुई। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में जीत के दौरान सुंदर के प्रदर्शन ने टीम के लिए उनकी उपयोगिता साबित की। होबार्ट में तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हालांकि सुंदर को गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल नहीं किया गया था और उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया। इसमें उन्होंने 23 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों की मदद से 49 रन बनाकर मैच विजयी पारी खेली और भारत को पांच विकेट से जीत दिलाई जिससे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। फिर चौथे मैच में उन्हें अंतिम ओवरों तक गेंद नहीं दी गई, लेकिन उन्होंने दो ओवरों में पांच गेंदों पर तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को ढेर कर दिया जिससे भारत 48 रन से जीत गया। इस जीत ने आखिर में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को श्रृंखला 2-1 से जीतने में मदद की क्योंकि शनिवार को गाबा में पांचवां मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। सुंदर ने टीम के सीओओ खाजा के योगदान की सराहना करते हुए कहा उनसे यह पदक पाकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम जानते हैं कि वह (खाजा) हमारे कई कामों को आसान बनाने के लिए हर दिन कितनी मेहनत करते हैं। भावुक खाजा ने भी अपनी खुशी साझा की।

फिडे विश्व कप से गुकेश बाहर, तीन भारतीय टाई ब्रेक में

पणजी। ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंधा ने बीच के गेम में मिली मामूली बढ़त का पूरा फायदा उठाते हुए आर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर रॉबर्ट होवहानिस्यान को हरा दिया। इस तरह चार भारतीयों ने शनिवार को यहां जारी फ़िडे विश्व कप 2025 के चौथे राउंड में जगह पक्की कर ली, जबकि विश्व चैंपियन गुकेश डी. हारकर बाहर हो गए।

प्रज्ञानंधा, जिन्हें तीसरे राउंड में पहुंचने के लिए लंबा टाईब्रेक खेलना पड़ा और फिर काले मोहरों से पहला गेम ड्रॉ करना पड़ा, खुद को मुश्किल स्थिति में पा गए क्योंकि ऐसा लग रहा था कि होवहानिस्यान ने भारतीय की शुरुआती बढ़त को खत्म कर दिया है। लेकिन तीसरे सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय खिलाड़ी के पास एक स्पष्ट रणनीति थी और उन्होंने 27वीं चाल में अपनी रानी और हाथी के साथ काले मोहरों के राजा पर दबाव बनाकर मैच पर नियंत्रण कर लिया।

आर्मेनियाई खिलाड़ी ने अंततः 42 चालों के बाद हार मान ली। कुल 10 भारतीय खिलाड़ी फ़िडे विश्व कप 2025 के तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। यह सिंगल-एलिमिनेशन नॉक-आउट टूर्नामेंट है जिसमें 82 देशों के 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित विश्वनाथन आनंद कप के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी : उत्तर प्रदेश जीत की ओर अग्रसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रणजी ट्राफी में यूपी ने नागालैंड पर दूसरे दिन ही पकड़ मजबूत कर ली है। पहली जीत की तलाश में यूपी ने पहली पारी में माधव कौशिक के नाबाद 185, आर्यन जुयाल के 140 व आठवें नंबर पर बैटिंग करने उतरे शिवम मावी के 101 रनो की बदौलत छह विकेट पर 535 रन बनाकर पारी घोषित की। बल्लेबाजों के बाद यूपी के गेंदबाजों ने दूसरे दिन दमदार खेल का परिचय देते हुए महज 77 रन के योग पर नागालैंड के चार बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया। नगालैंड अभी भी पहली पारी के आधार पर 458 रन पीछे है।

रविवार को एक विकेट के नुकसान पर 301 रनों से आगे खेलते माधव कौशिक व आर्यन जुयाल ने यूपी की पारी को आगे बढ़ाया। तेजी से रन बनाने के चक्कर में आर्यन 140 पर इमलीबती की गेंद पर लौटे। इसके बाद शतक लगाकर खेल रहे माधव का साथ देने आए कप्तान करन शर्मा 17 रन ही बना पाए। वह आर जानथन की गेंद पर रोनित मोरे को कैच दे बैठे। कप्तान को आउट करने के बाद जानथन ने आराध्य यादव को 14, प्रियम गर्ग को चार व प्रशांतवीर को एक रन पर आउट कर यूपी के बड़े स्कोर की उम्मीद पर अंकुश लगाया। इसके बाद एक छोर पर डटे माधव कौशिक को आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए शिवम मावी का साथ मिला। एक छोर पर माधव ने संभलकर खेलते हुए पारी को संभाला। दूसरे छोर पर शिवम ने तेजी से रन बटोरना शुरू किया। शिवम ने 87 गेंदों पर 10 चौके व पांच छक्कों की मदद से 101 रनों की शतकीय पारी खेली। दूसरे छोर पर उनके साथ माधव कौशिक 185 रन बनाकर नाबाद रहे।

नागालैंड की ओर से गेंदबाजी में इमलीबती ने दो व कप्तान आर जानथन ने चार विकेट झटके। इसके बाद यूपी के 535 रनों के जवाब में नागालैंड की पारी 26 ओवर के खेल में ही बिखरने लगी। महज 77 रन के योग पर नागालैंड के शीर्ष चार बल्लेबाज लौट गए।

आकाश का रिकॉर्ड तोड़ना आसान नहीं होगा

सूरत : लगातार आठ गेंदों में छक्के लगाने वाले मेघालय के आकाश कुमार चौधरी ने पहली तीन गेंद पर सिर्फ दो रन बनाए। इसके बाद दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अगली आठ गेंदों को निशाना बनाया। उन्होंने 126वें ओवर में लिमार डाबी की सभी छह गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। रविवार के मैच से पहले चौधरी ने 30 प्रथम श्रेणी मैचों में केवल दो अर्धशतकों के साथ 14.37 की औसत से रन बनाए थे। उन्होंने 28 लिस्ट-ए मैच और 20 टी-20 मैच भी खेले हैं। सोबर्स ने अगस्त 1968 में नॉटिंघमशर की तरफ से ग्लेमोर्गन के खिलाफ काउंटी मैच में मैल्कम नैश के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। इस तरह से वह यह कारनामा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रहे शास्त्री ने वानखेड़े स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी 1984-85 के मैच में मुंबई की तरफ से खेलते हुए बड़ौदा के तिलक राज के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। मेघालय के छह विकेट पर 628 रन पर पारी घोषित करने के जवाब में अरुणाचल प्रदेश की टीम पहली पारी केवल 73 रन पर सिमट गई। फॉलोऑन के बाद भी उसकी टीम तीन विकेट पर 29 रन बना कर संघर्ष कर रही थी।

- **उप्र ने 535 रन बनाकर पहली पारी घोषित की, नागालैंड चार विकेट खोकर अभी 458 रन पीछे**
- **माधव ने नाबाद 185, आर्यन जुयाल 140 व शिवम मावी ने 101 रनों की शतकीय पारियां खेली**

शतक बनाने के बाद उत्तर प्रदेश के शिवम मावी व माधव कौशिक। अमृत विचार

रिबाकिना ने डब्ल्यूटीए खिताब जीता

रियाद (सऊदी अरब), एजेंसी

छठी वरीयता प्राप्त और 2022 विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 7-6 (0) से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीत लिया।

रायबाकिना ने शनिवार को रियाद के इनडोर हार्डकोर्ट पर हुए मुकाबले में आठ ऐस लगाए और मैच का एकमात्र ब्रेक भी हासिल किया। रायबाकिना ने अपने खिताबी अभियान में दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक, अमांडा अनिसिमोवा और जेसिका पेगुला पर जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल्स जीतने के बाद कहा यह सप्ताह अविश्वसनीय रहा। मुझे किसी नतीजे की उम्मीद नहीं थी और यहां तक सफर तय करना अविश्वसनीय रहा। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका के लिए यह सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के फाइनल में दूसरी हार थी। इससे पहले वह 2022 के खिताबी मुकाबले में कैरोलिन गार्सिया से हार गई थीं। रिबाकिना लगातार तीसरे डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपना पहला खिताबी मुकाबला खेल रही थीं। शीर्ष आठ महिलाओं वाले इस टूर्नामेंट जीत हासिल करने से उन्हें 52.3 लाख अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल की। डब्ल्यूटीए ने कहा कि यह महिला खेलों के इतिहास में सबसे बड़ी राशि है। सबालेंका ने उपविजेता के रूप में 27 लाख अमेरिकी डॉलर कमाए।

- **नंबर एक रैंकिंग की खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराया**

जोकोविच चोट के कारण एटीपी फाइनल्स से हटे

एथेंस। पूर्व विश्व नंबर 1 नोवाक जोकोविच ने एथेंस में फ़ाइनल में भाग लेने के कुछ ही घंटों बाद, चोट के कारण ट्यूरिन में होने वाले आगामी एटीपी फाइनल्स से अपना नाम वापस ले लिया है।

जोकोविच ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए यह जानकारी साझा की और सीजन के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक से चूकने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने लिखा, मैं ट्यूरिन में प्रतिस्पर्धा करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए बहुत उत्सुक था, लेकिन एथेंस में आज के फ़ाइनल के बाद, मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अपनी चोट के कारण नाम वापस लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा मैं प्रशंसकों से माफी चाहता हूँ जो मुझे खेलते हुए देखना चाहते थे।

सफलता एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया

यशदीप ने कोरियाई तीरंदाजों को चौंकाया

ढाका, एजेंसी

यशदीप भोगे ने रविवार को यहां एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप के पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में कोरियाई तीरंदाजों को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि युवा अंशिका कुमारी ने भी महिला वर्ग में शीर्ष पांच में जगह बनाई।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुभवहीन इस जोड़ी के शानदार प्रदर्शन ने भारत को टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। दूसरे स्थान पर होने के कारण भारत इस खेल की सबसे मजबूत टीम दक्षिण कोरिया के हाफ में नहीं है। दक्षिण कोरिया उम्मीद के मुताबिक पुरुष और महिला दोनों वर्गों में शीर्ष पर रहा।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजी लंबे समय से असफलता का सामना कर रही है, टीम 2023 के सत्र में पुरुष वर्ग में पदक हासिल करने में नाकाम रही, जहां केवल महिला टीम ही कांस्य पदक हासिल कर सकी थी। भोगे और अंशिका के शानदार प्रदर्शन ने इस सप्ताह उस सूखे को खत्म करने की उम्मीदें फिर से जगा दी हैं। भारत को हालांकि शीर्ष तीरंदाजों में शामिल दीपिका और धीरज के टीम मुकाबलों से बाहर होने से झटका भी लगा। यह दोनों तीरंदाज देश के शीर्ष तीन तीरंदाज में जगह बनाने में नाकाम रहे। जुलाई 2023 में चेंगदू 'समर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स' में अंतरराष्ट्रीय स्तर पिछली बार प्रतिस्पर्धा करने वाले भोगे ने 720 में से 687 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान हासिल किया और अपनी वापसी को यादगार बनाया। वह सेओ मिंगी (681) और किम येचन (679) की कोरियाई जोड़ी को पीछे छोड़ने में सफल रहे। उनके प्रयास ने भारत को कोरिया के बाद टीम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। दो बार के ओलंपियन, अतनु दास ने सातवें (668) जबकि राहुल 11वें स्थान पर रहे। इन तीनों ने धीरज बोम्मादेवरा (13वें; 665) को पछाड़कर पुरुष टीम लाइनअप पूरा किया। धीरज पेरिस ओलंपिक के बाद से संघर्ष करते रहे।

महिला वर्ग में अंशिका का शानदार प्रदर्शन

महिला रिकर्व वर्ग में 25 वर्षीय बिहार की तीरंदाज अंशिका 660 अंकों के साथ शीर्ष भारतीय बनकर उभरीं और कुल मिलाकर पांचवां स्थान हासिल किया। वह ओलंपियन अंकिता भक्त (नौवें; 655) और संगीता (11वें; 649) से आगे रही। चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, वह 649 अंकों के साथ 12वें स्थान पर रहीं और टीम कट से चूक गईं। कोरिया के तीरंदाजों ने शीर्ष तीन स्थान के साथ टीम में रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। कम्पाउंड वर्ग में हालांकि भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा।